शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 65 | गुवाहाटी | शनिवार, 30 सितंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

नगालैंड में तीन एनएससीएन के कैडर गिरफ्तार, अरुणाचल में दो ने हथियार डालें पेज 3
चीनी सेना की नहीं पड़ेगी नजर, एलएसी पर ऐसी नई रणनीतिक सड़क बना रहा है भारत पेज 4
57 जिलों में स्थापित होंगे अत्याधुनिक सुविधा युक्त मुख्यमंत्री मॉडल... पेज 5
भारतीयों के साथ अंग्रेजों और वामपंथियों ने किया वैचारिक घोटाला : मेजर पूनिया पेज 8

नारी शक्ति वंदन अधिनियम बना कानून

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिला आरक्षण विधेयक को मंजूरी दे दी है। केंद्र सरकार ने इस संबंध शुक्रवार को गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया, जिसके बाद नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश में कानून बन गया है। अब इसके अधिनियम बन जाने से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। हालांकि आरक्षण नई जनगणना और परिसीमन के बाद लागू किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस विधेयक को संसद के विशेष सत्र में पेश किया गया था, जिसे 20 सितंबर को लंबी बहस के बाद लोकसभा ने 2 के मुकाबले 454 सांसदों की सहमति वाले बहुमत से पारित किया था। इसके बाद 21 सितंबर को यह विधेयक राज्यसभा में भी पास हो गया था। संसद में पास होने के बाद विधेयक को राष्ट्रपति की सहमति के लिए भेजा जाता है। राष्ट्रपति की सहमति मिलने यानी उनके हस्ताक्षर करने के बाद ही विधेयक कानून में तब्दील होता है। महिला आरक्षण विधेयक को शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपनी सहमति दे दी। हालांकि यह अधिनियम कानून तो बन गया लेकिन अभी इसकी राह में तीन और महत्वपूर्ण पड़ाव हैं, जिन्हें औपचारिक रूप से पूरा करना होगा। कानून बनने के बाद अब इसे राज्यों से भी मंजूरी मिलनी जरूरी है। अनुच्छेद 368 के अंतर्गत केंद्र के किसी कानून से राज्यों के अधिकार पर अगर कोई असर पड़ता है तो कानून बनने के लिए कम से कम 50 फीसदी राज्यों की विधानसभाओं की मंजूरी लेना आवश्यक होता है। एक तरह से ऐसे कानून को लागू -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल हमेशा से भारत का अभिन्न अंग : खांडू

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश पर चीन का कोई दावा नहीं है, क्योंकि राज्य हमेशा से भारत का हिस्सा रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शुक्रवार को यह बात कही। हाल ही में हांगझोउ में एशियाई खेलों के लिए अरुणाचल प्रदेश के तीन वुशु खिलाड़ियों को नियमित वीजा देने से इनकार करने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जब भी सीमावर्ती राज्य से संबंधित कोई मुद्दा होता है तो चीन *अनावश्यक* रूप से *राजनीतिक पहलू* लाने की कोशिश करता है। उन्होंने यहां शुरू हुई 36वीं राष्ट्रीय वरिष्ठ रस्साकशी प्रतियोगिता 2023 के मौके पर कहा कि अरुणाचल प्रदेश पर चीन का कोई दावा नहीं है। इतिहास में कभी भी अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा नहीं रहा। यह सदैव भारत का अभिन्न अंग रहा है। अरुणाचल प्रदेश के तीन वुशु खिलाड़ियों को मौजूदा एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया था, लेकिन चीन ने उन्हें नत्थी वीजा दिया, जिससे उनका दौरा रद्द कर दिया गया। खांडू ने कहा कि चीन ने अरुणाचल प्रदेश को नया नाम भी दिया है और नया नक्शा भी जारी किया है लेकिन देश का इस पर कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि इस तरह के दावे का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय इस मुद्दे को देख रहा है क्योंकि वह उचित प्राधिकारी है। मुख्यमंत्री ने तीन वुशू खिलाड़ियों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले अरूणाचल प्रदेश के प्रत्येक खिलाड़ी को पुरस्कृत करने की नीति के तहत 20-20 लाख रुपए दिए हैं। उन्होंने कहा कि क्योंकि उन्हें एशियाई खेलों के लिए चुना गया था और वे बिना किसी गलती के नहीं जा सके, इसलिए हमने उन्हें पैसे देने का फैसला किया है। खांडू ने कहा कि राज्य सरकार जापान में 2026 में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी के वास्ते तीनों खिलाड़ियों के लिए सर्वोत्तम प्रशिक्षण सुनिश्चित करेगी ताकि वे नाम रोशन कर सकें। राष्ट्रीय रस्साकशी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश जैव विविधता से समृद्ध है और इसका 80 प्रतिशत क्षेत्र वनों से घिरा है। उन्होंने कहा कि यह स्वच्छ हवा वाला एक बहुत ही सुंदर राज्य है और पर्यटकों का राज्य में स्वागत है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि रिवर राफ्टिंग जैसे साहसिक पर्यटन के लिए यह एक आकर्षक स्थल है।

एपीएससी घोटाला की जांच के लिए एसआईटी गठित

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वा शर्मा के आदेश पर असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) भर्ती घोटाले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील नलिन कोहली ने गुवाहाटी हाई कोर्ट को एसआईटी गठित होने के बारे में जानकारी दी। इस पर कोर्ट ने एसआईटी को छह महीने के भीतर जांच पूरी करने के निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार विशेष जांच दल -शेष पृष्ठ दो पर

सेबा परीक्षा शुल्क में कोई बदलाव नहीं : शिक्षा मंत्री

गुवाहाटी। असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगु ने शुक्रवार को कहा कि असम माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सेबा) के तहत एचएसएलसी या कक्षा 10 परीक्षा का परीक्षा शुल्क वही रहेगा जो पिछले साल था। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर स्पष्टीकरण जारी किया है, जहां उन्होंने कहा है कि सेबा के तहत एचएसएलसी परीक्षा के परीक्षा शुल्क में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। शुल्क संरचना पिछले वर्ष की तरह ही है। सेबा शुल्क-700 रुपए, केंद्र शुल्क - 350 रुपए और व्यावहारिक परीक्षा शुल्क और 150 रुपए; कुल 1200। सभी बीपीएल छात्रों को इस शुल्क का भुगतान करने से छूट दी गई है। मीडिया के एक वर्ग में प्रसारित खबरें झूठी और आधारहीन हैं। कुछ मीडिया अनुभाग में ऐसी खबरें आई -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

सीएम ने किया धर्मालोचनी शताब्दी समारोह का उद्घाटन

कामरूप (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने महापुरुषीय धर्मालोचनी सभा के शताब्दी समारोह के मौके पर शुक्रवार को शुवालकुची में एक सांस्कृतिक जुलूस का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव गुरुजन के महान -शेष पृष्ठ दो पर

सीमा विवाद पर हिमंत और सांग्मा की बैठक आज

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनके मेघालय समकक्ष कॉनराड सांग्मा दोनों राज्यों के मौजूदा सीमा मुद्दों को संबोधित करने के लिए गुवाहाटी में मुलाकात करेंगे। असम और मेघालय के बीच मुख्यमंत्री स्तर की चर्चा खानापारा में राज्य अतिथि गृह में होगी और *क्षेत्रफल के अंतर* पर केंद्रित होगी। गृह मामलों के प्रभारी उप मुख्यमंत्री प्रेस्टोन तिनसॉन्ग ने मीडिया को बताया कि दोनों मुख्यमंत्री इस सप्ताह मुलाकात करेंगे। तिनसोंग ने आगे कहा कि यह मुद्दा असम प्रशासन के समक्ष उठाया गया था और सीमा पर झड़पों को सुलझाने के लिए कल एक संयुक्त बैठक हुई थी। ज्ञात हो कि गुरुवार को लपांगप गांव में सीमा बैठक हुई थी। सम्मेलन में पश्चिम जैंतिया हिल्स और पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिलों के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक दोनों ने भाग लिया। सम्मेलन में दोनों जिलों के सीमा मजिस्ट्रेटों के साथ-साथ दोनों राज्यों के ग्राम प्रतिनिधियों ने भाग लिया। समूह ने क्षेत्र में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के कई पहलुओं पर चर्चा की। इससे पहले, 13 सितंबर को दोनों मुख्यमंत्रियों ने शिलांग में एक कार्यक्रम से इतर मुलाकात की थी, जहां उन्होंने सीमा समस्या पर भी चर्चा की थी। असम के तत्कालीन मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि वह और उनके मेघालय समकक्ष कॉनराड सांग्मा अक्तूबर के पहले या दूसरे सप्ताह में गुवाहाटी में मिलेंगे। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि दोनों मुख्यमंत्री यह सुनिश्चित करने के लिए विश्वास-निर्माण के उपायों पर काम कर रहे हैं कि जब वे विवाद वाले क्षेत्रों का संयुक्त दौरा करें तो कोई असहमति उत्पन्न न हो। अब तक, असम और मेघालय ने विवाद के -शेष पृष्ठ दो पर

नाबालिग की हत्या कर शव के साथ तीन लोगों ने किया दुष्कर्म

करीमगंज। असम के करीमगंज जिले में हत्या करने के बाद शव के साथ जघन्य कृत्य करने का मामला सामने आया है। असम पुलिस ने गुरुवार को करीमगंज में एक नाबालिग लड़की की गला घोंटकर हत्या करने और फिर शव के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। तीनों आरोपियों में से एक रेलवे कर्मचारी है। नाबालिग का शव 9 सितंबर को करीमगंज टाउन बाईपास के पास मिला था। उसी दिन नाबालिग की हत्या कर दी गई थी। करीमगंज जिले के पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास ने कहा कि यह घटना 9 सितंबर को रात करीब 11 बजे हुई। तीनों आरोपी जबरदस्ती नाबालिग पीड़िता के घर में घुस गए और उसकी हत्या कर दी। बाद में उसके शरीर के साथ उन्होंने यौन संबंध बनाए। पार्थ प्रतिम दास ने कहा कि 9 सितंबर को मेडल पार्ट-1 से घटना की सूचना मिली थी, जहां एक नाबालिग -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मेनका गांधी को इस्कॉन का मानहानि नोटिस

नई दिल्ली। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस यानी इस्कॉन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद मेनका गांधी को 100 करोड़ रुपए का मानहानि का नोटिस भेजा है। इस्कॉन का यह नोटिस मेनका गांधी द्वारा इस संस्थान पर गंभीर आरोप लगाने के बाद आया है, जिसमें उन्होंने एक वीडियो में संगठन पर अपने सभी गायों को कसाइयों को बेचने का आरोप लगाया था। हालांकि, इस्कॉन ने पूर्व केंद्रीय मंत्री के सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता राधारमण दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा कि आज हमने इस्कॉन के खिलाफ पूरी तरह से निराधार आरोप लगाने के लिए मेनका गांधी को 100 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा है। उन्होंने आगे कहा कि इस्कॉन के भक्तों, समर्थकों और शुभचिंतकों का विश्वयापी समुदाय इन अपमानजनक, निंदनीय और दुर्भावनापूर्ण आरोपों से बहुत -शेष पृष्ठ दो पर

लखीमपुर में कई भाजपा और अगप नेता कांग्रेस में शामिल

लखीमपुर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं असम गण परिषद (अगप) के कई वरिष्ठ नेता आज औपचारिक रूप से कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। लखीमपुर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा के आवास पर आयोजित एक समारोह के दौरान भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष कुश शर्मा, पूर्व उपाध्यक्ष नारायण बरुवा, महासचिव ज्योति बरगोहाईं, मीडिया सेल के समन्वयक ज्योति बरगोहाईं के साथ कई नेता शामिल हुए। इन नेताओं ने एक -शेष पृष्ठ दो पर

छात्रों की हत्या का मामला

अमित शाह कार्रवाई करें : मणिपुर के विधायक

नई दिल्ली। मणिपुर के 20 से अधिक विधायकों ने केंद्र सरकार से राज्य के दो छात्रों के अपहरण और हत्या में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया है। विधायकों ने गृह मंत्री अमित शाह से यह सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया है कि सीबीआई जांच में तेजी लाई जाए। इन विधायकों ने फिलहाल दिल्ली में डेरा डाल रखा है। विधायकों में से एक राजकुमार इमो सिंह -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
मनुष्य कितना भी बड़ा क्यो न बन जाए उसे हमेशा अपना अतीत याद करते रहना चाहिए।
- ईश्वर चंद्र विद्यासागर

न्यूज गैलरी

शारीरिक संबंध की सहमति की उम्र में बदलाव नहीं : विधि आयोग

नई दिल्ली। विधि आयोग ने सरकार को सलाह दी है कि यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत यौन संबंधों के लिए सहमति की मौजूदा उम्र में बदलाव नहीं किया जाए और 16 से 18 वर्ष की आयु के किशोरों की मौन स्वीकृति से संबंधित पॉक्सो मामलों में सजा के विषय में निर्देशित न्यायिक विवेक लागू करने का सुझाव दिया। विधि आयोग ने पॉक्सो कानून के तहत यौन संबंधों के लिए सहमति की उम्र पर अपनी रिपोर्ट कानून मंत्रालय को सौंपी है, जिसमें -शेष पृष्ठ दो पर

2024 में एक साथ नहीं होंगे लोकसभा और विधानसभा के चुनाव

नई दिल्ली। विधि आयोग मौजूदा विधानसभाओं का कार्यकाल बढ़ाकर या घटाकर 2029 से लोकसभा चुनाव के साथ सभी के चुनाव एक साथ कराने के फॉर्मूले पर काम कर रहा है। आयोग के सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सरकार पहले ही लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के लिए एक साथ चुनाव कराने के वास्ते एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन कर चुकी है, इसलिए विधि आयोग को राष्ट्रीय और राज्यों के लिए अपनी वर्तमान सिफारिश के साथ-साथ स्थानीय निकाय चुनावों को भी शामिल करने को कहा जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि विधि आयोग लोकसभा, विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के वास्ते एक आम मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र तैयार कर रहा है ताकि लागत कम हो सके और -शेष पृष्ठ दो पर

बीकानेर में महिला को जिंदा जलाया

बिकानेर। राजस्थान में महिलाओं के प्रति अपराध कम नहीं हो रहा है। राजस्थान के किसी ना किसी जिले से हर दिन महिलाओं के साथ बलात्कार के मामले सामने आ रहे हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध में राजस्थान नंबर एक राज्य बन गया है। राज्य में शुक्रवार को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। राजस्थान में एक महिला को रेप के बाद जला दिया गया। इससे दो दिन पहले एक 15 वर्षीय बच्ची का शव कुए में मिला था। पुलिस ने बताया कि रात सेरूणा गांव कुछ दूरी पर खेत में बनी *डिग्गी* में एक महिला और उसके भतीजे का शव मिला है। उन्होंने बताया कि डिग्गी के बाहर दोनों के जूते और मोबाइल फोन मिले हैं। सुसाइड नोट भी बरामद किया गया है। इंद्रलाल ने बताया कि महिला के परिजनों की ओर से ससुराल पक्ष पर हत्या का मामला दर्ज करवाया गया है। उन्होंने कहा कि वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

एक राष्ट्र, एक चुनाव जल्द संभव नहीं : विधि आयोग

नई दिल्ली (हि.स.)। विधि आयोग का मानना है कि एक राष्ट्र एक चुनाव को लागू करने के लिए अभी और विमर्श की आवश्यकता है। साथ ही इसके लिए कुछ संवैधानिक बदलाव भी जरूरी हैं। इसको देखते हुए 2024 तक इसे लागू करना संभव नहीं है। सूत्रों के मुताबिक विधि आयोग कार्यकाल को बढ़ाकर या घटाकर सभी विधानसभा चुनावों को एक साथ कराने के फॉर्मूले पर काम कर रहा है ताकि सभी राज्यों के चुनाव 2029 के लोकसभा चुनावों के साथ कराए जा सकें। सरकार ने लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के लिए एक साथ चुनाव कराने के लिए पहले ही एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन कर दिया है। विधि आयोग का मानना है कि एक राष्ट्र एक चुनाव से लोगों को अपने नेता को चुनने में अधिक सहूलियत होगी। लोग अपने नेतृत्व को चुनते समय ज्यादा विवेकपूर्ण निर्णय लेंगे। चुनाव एक समय अंतराल के बाद ही संभव होंगे, जिसके कारण जनता की चुनाव के दौरान भागीदारी भी बढ़ेगी। विधि आयोग का यह मानना है कि एक राष्ट्र एक चुनाव से वित्तीय संसाधनों की बचत होगी और साथ ही सुरक्षा बलों की निरंतर तैनाती से भी बचा जा सकेगा। इस संबंध में विधि आयोग चुनाव आयोग के साथ विस्तार से चर्चा और विमर्श कर रहा है। उसका मानना है कि पर्याप्त समय दिए जाने पर एक राष्ट्र एक चुनाव को जमीन पर उतारा जा सकेगा।

खुद-ब-खुद भारत में शामिल हो जाएगा पीओके : वीके सिंह

नई दिल्ली। गुलाम कश्मीर को लेकर केंद्रीय राज्य मंत्री वीके सिंह ने गुरुवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि गुलाम कश्मीर खुद-ब-खुद हमारे पास वापस आ जाएगा। दरअसल, गुलाम कश्मीर की जनता महंगाई, बिजली की बढ़ी हुई दरें, खाद्य संकट इत्यादि का सामना कर रही हैं और हाल ही में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद की गुहार की थी। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान में जिस तरह से चीजें चल रही हैं, जिस तरह से पाकिस्तान में विभिन्न ताकतें अपने ही लोगों के खिलाफ खड़ी हो गई हैं...बहुत बड़ा मंथन हो रहा है... मुझे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि पाकिस्तान द्वारा बलपूर्वक कब्जे में लिया गया क्षेत्र अपने आप हमारे पास वापस आ जाएगा। इससे पहले गोरखपुर में वीके सिंह ने इसी तरह का बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि कुछ समय बाद गुलाम कश्मीर अपने आप पास आ जाएगा। दरअसल, केंद्रीय राज्य मंत्री ने पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल के साथ ही जवाब को भी दोहराया था। उस वक्त वीके सिंह से पूछा गया था कि गुलाम कश्मीर को लेकर सरकार क्या कुछ करने वाली है? इस पर उन्होंने जवाब दिया था कि घबराते क्यों हो, कुछ समय बाद गुलाम कश्मीर अपने आप पास आ जाएगा। वहीं, गुलाम कश्मीर के मुद्दे पर सार्वजनिक मंच पर विपक्षी नेताओं ने भी सरकार के समर्थन की बात कही है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने जनरल वीके सिंह के बयान पर एक दफा टिप्पणी करते हुए कहा था कि हमने हमेशा अखंड भारत का सपना देखा है। हम हमेशा कहते हैं- गुलाम कश्मीर हमारा है।

जंगली हाथी के हमले में कर्मचारी की मौत

जोरहाट (हिंस)। मोरियानी में जंगली हाथी के हमले में एक फॉरेस्टर की मौत हो गई। मृतक की पहचान अतुल कलिता के रूप में हुई है। मृतक वन अधिकारी के कार्यालय में फॉरेस्ट गार्ड के पद पर तैनात था। वन विभाग के सूत्रों ने आज आधिकारिक रूप से बताया है कि गुरुवार की आधी रात को हुई इस घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में गिरेन महतो, राजीव बरगोहाईं और पराग दत्त शामिल हैं। यह घटना रात्रि करीब दो बजे हुई, जब जंगली हाथी तीताबार उपमंडल के विजय नगर इलाके की ओर जा रहे थे। बताया गया है कि हाथियों का पीछा करने के लिए निकले वन कर्मियों पर हाथियों ने हमला कर दिया। उचित हथियार की कमी के कारण वह हाथियों को डरा नहीं सके। हाथियों के हमले में एक फॉरेस्टर की जहां मौत हो गई। वहीं, तीन वनकर्मी घायल हो गए। इस बीच, स्थानीय लोगों और वन विभाग की मदद से घायल वन कर्मियों को रात में जोरहाट मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है।

अहमदाबाद में आरएसएस की विभिन्न संगठात्मक बैठकें शुरू

अहमदाबाद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत 26 सितंबर से गुजरात दौरे पर हैं, जहां वह शुक्रवार को राज्य में आरएसएस के मुख्यालय में एक संगठात्मक बैठक में शामिल हुए। मोहन भागवत की स्थानीय आरएसएस नेताओं के बीच तीन दिनों तक बंद कमरे में होने वाली कई बैठकों में से यह पहली बैठक थी। आरएसएस गुजरात के मीडिया प्रभारी विजय ठाकुर ने एक बयान जारी करते हुए बताया कि अहमदाबाद में 29 सितंबर से लेकर एक अक्तूबर तक मोहन भागवत आरएसएस के विभिन्न संगठात्मक बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान गुजरात में संघ की गतिविधियों के से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। मोहन भागवत 27 सितंबर को डोनेट लाइफ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। डोनेट लाइफ एक गैर सरकारी संगठन है जो अंगदान के क्षेत्र में काम करती है। 28 सितंबर को आरएसएस प्रमुख अहमदाबाद में वाईपीओ के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। भागवत दो अक्तूबर को गुजरात से रवाना होंगे।

गुवाहाटी में साइबर क्राइम के खिलाफ पुलिस का अभियान

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी शहर में साइबर क्राइम के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। अभियान में पुलिस को एक और बड़ी सफलता हासिल हुई है। चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। बेलतला कॉलेज में साइबर क्राइम का मामला सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक कॉलेज की छात्राओं की तस्वीरें इकट्ठा कर इन्हे मॉर्फ कर अश्लील रुप दिया जा रहा है। जांच में पता चला है कि करीब 53 छात्राओं की तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ कर साइबर अपराधियों ने अपना गोरखधंधा फैलाया है। जानकारी के अनुसार कॉलेज के व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए ये साइबर अपराधी छात्राओं की तस्वीरें आसानी से संग्रह कर रहे थे। पुलिस की कर्रवाई जारी है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में पांच फीसदी की आई कमी : पुरी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ी हैं। उत्तरी अमेरिका में इसकी कीमत में 40 से 50 फीसदी तक की बढ़ोत्तरी देखने को मिली, जबकि भारत में पांच फीसदी तक की गिरावट आई है। उन्होंने आगे कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक कदमों की वजह हो पाया है। पुरी ने कहा कि कि इस समय तेल की बढ़ी कीमतें न केवल रिकवरी को खतरे में डाल रही हैं, बल्कि वास्तव में अन्य गंभीर समस्याओं में योगदान दे रही हैं। पुरी ने कहा कि मुझे उम्मीद है तेल की कीमतों पर लगाम लगेगी। ऐसा क्यों है कि पश्चिम बंगाल जैसे गैर-भाजपा शासित राज्य में भाजपा शासित राज्यों की तुलना में पेट्रोल की कीमत 11.80 रुपए ज्यादा है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 118वें वार्षिक सत्र *राइजिंग इंडिया: अभूतपूर्व विकास का अमृत काल* को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र को देखिए... हमने देखा है कि भारत को शुद्ध खाद्य आयातक के रूप में पेश किया जाता था। आज, हम दुनिया का 40 फीसदी चावल निर्यात करते हैं। हम एक मामूली खिलाड़ी से एक प्रमुख खिलाड़ी बन गए हैं। ऐसा कुछ समझदारी भरे नीतिगत बदलावों की वजह से हुआ है। पराली जलाने के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहले वे (आम आदमी पार्टी) पड़ोसी राज्य सरकारों को दोष देते थे, लेकिन अब पंजाब में उनकी सरकार है। उन्होंने आगे कहा कि हम अपने तरीके से मदद कर रहे हैं। हम पराली से एथनॉल बना रहे हैं।

महिलाओं के लिए पीसीआर वैन लांच

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर क्षेत्र को उप महानिरीक्षक (डीआइजी), विजय कुमार ने राजधानी क्षेत्र की महिलाओं के लिए एक विशेष पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) वैन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। पीसीआर वैन आज से सक्रिय हो जाएगी और वैन मुख्य रूप से महिलाओं के खिलाफ अपराध के क्षेत्रों में पहली प्रतिक्रिया पर काम करेगी और यह राजधानी क्षेत्र के बाजार क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करेगी, जहां महिलाओं की आवाजाही अधिक होती है। ड्राइवर के अलवा पीसीआर की सभी कर्मचारी महिलाएं होंगी और महिलाओं से संबंधित शिकायत के लिए 112 नंबर पर आने वाली प्रत्येक कॉल पर महिला पुलिस मौजूद रहेगी, ताकि शिकायतकर्ता को समस्या साझा करने में झिझक न हो। डीआइजी विजय कुमार ने कहा कि महिलाओं के लिए पुलिस अधिक्षक (एसपी) राजधानी की यह अच्छी पहल है।

नामघर से सामानों की चोरी

बिश्वनाथ (हिंस)। श्रीमंत शंकरदेव संघ की प्राथमिक शाखा रंगाजान के सार्वजनिक नामघर में चोरी होने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि चोरी गुरुवार रात नामघर में हुई। नामघर हेलेम पुलिस थाना क्षेत्र के तहत टोकोबाड़ी में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 15 के किनारे स्थित है। पुलिस ने आज चोरी की घटना पर कार्रवाई करते हुए चोरों को सामानों के साथ पकड़ लिया। गिरफ्तार चोर ने स्वीकार किया कि उसने नामघर से पीतल का एक दीपक, दो जोड़ी कांसां का ताल, 10 जोड़ी चाय पात्र, 10 जोड़ी थाली, एक शराई, वेल्डिंग मशीन, एक दान पात्र के रुपए, दो कांसां की प्लेट, एक ड्रिल मशीन सहित कई सामान चुराए हैं। कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

गणेश विसर्जन के दौरान महाराष्ट्र में 12 लोगों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में गणपति प्रतिमा विसर्जन के दौरान कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से नौ लोगों की मौत डूबने से हुई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। भगवान गणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन की शुरुआत गुरुवार को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर हुई। 10 दिनों तक चलने वाले इस त्यौहार के समापन दिवस को अनंत चतुर्दशी के रूप में मनाया जाता है। एक अधिकारी ने बताया कि नासिक के पंचवटी में तीन लोगों की डूबने से मौत हो गई जबकि नासिक रोड इलाके में भी तीन लोगों ने अपनी जान गंवाई। उन्होंने बताया कि सतारा के उम्बराज, नांदेड़ के वजीराबाद और मुंबई के समीप रायगढ़ के करजात में डूबने से एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारी के मुताबिक, राज्य के कोंकण क्षेत्र के रत्नागिरी जिले में एक टेंपो ने मूर्ति विसर्जन जुलूस में शामिल लोगों को टक्कर मार दी, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि वाहन के ब्रेक फेल होने की वजह से यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में 17 वर्षीय लड़की और टेंपो चालक की मौत हो गई। मुंबई के पश्चिमी हिस्से के जुहू में गुरुवार को विसर्जन के बीच तट से 16 साल के किशोर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था, लेकिन पास के नगर निकाय संचालित कूपर अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अपोलो विशेषज्ञों से परामर्श
नेफ्रोलॉजी क्लिनिक
Apollo HOSPITALS
डॉ. वेंकटेश राजकुमार
MD (Gen Medicine), DM (Nephrology) FISN (Interventions)
15 अक्तूबर, 2023 को गुवाहाटी में
पेशाब में अनियमितता, ब्लैडर समस्याएं, यूरिया एवं क्रियटिनाइन के उच्च स्तर पर होने, क्रोनिक रेनाल फेलियर, किडनी संबंधी समस्याओं के लिए संपर्क करें
APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane-10
Ph : 8404037649, 0361-3102669, 0361-3102166

पृष्ठ एक का शेष

नारी शक्ति वंदन...

करने से पूर्व कम से कम 14 राज्यों की विधानसभाओं से पारित कराना होगा। वैसे ये बिल कानून बनने के बाद भी नई जनगणना के बाद ही लागू हो सकेगा, क्योंकि 2021 में कोविड महामारी के कारण 2021 की जनगणना नहीं कराई जा सकी थी। इसका उल्लेख केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में भी किया था। माना जा रहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद ही देश में जनगणना का काम शुरू होगा। जनगणना का काम पूरा होने के बाद लोकसभा और विधानसभा सीटों का नए सिरे से परिसीमन कराना होगा। संवैधानिक नियमों के तहत 2026 तक इस तरह के परिसीमन पर रोक है, इसलिए परिसीमन का काम भी 2026 के बाद ही किया जा सकेगा।

एपीएससी घोटाला की ...

का नेतृत्व भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के एक उच्च पदस्थ अधिकारी करेंगे। एसआईटी का गठन एपीएससी भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का संकेत देने वाली प्रारंभिक रिपोर्टों के बाद किया गया है।

सेबा परीक्षा शुल्क ...

हैं कि राज्य सरकार एचएसएलसी परीक्षाओं की परीक्षा फीस बढ़ाएगी। सरकार का रुख स्पष्ट करने के लिए बयान जारी किया। इस साल की शुरुआत में, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की थी कि सेबा अगले शैक्षणिक वर्ष से एचएलएससी बोर्ड परीक्षा आयोजित नहीं करेगा। मध्यमा स्तर की परीक्षा एक कक्षा परीक्षा के रूप में आयोजित की जाएगी। हालांकि, असम एचएस परीक्षाएं वार्षिक रूप से सामान्य तरीके से आयोजित की जाएंगी।

सीएम ने किया धर्मालोचनी ...

वचनों और आदर्शों को समाज के हर स्तर तक पहुंचाने में महापुरुषीय धर्मालोचनी सभा विशेष भूमिका निभाती आ रही है। उन्होंने शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित इस सांस्कृतिक जुलूस में भाग लेने वाले सभी लोगों का हार्दिक धन्यवाद दिया और आभार व्यक्त किया।

सीमा विवाद पर ...

बारह क्षेत्रों में से छह को आंशिक रूप से सुलझा लिया है। पिछले साल मार्च में, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और उनके मेघालय समकक्ष कॉनराड सांग्मा ने गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में छह क्षेत्रों में विवादों को आधिकारिक तौर पर समाप्त करने के लिए एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिन्हें पहले समाधान के लिए लिया गया था।

मेनका गांधी को...

दुखी है। पशु अधिकार कार्यकर्ता और भाजपा सांसद के खिलाफ कानूनी मानहानि का नोटिस सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो के बाद आया है, जिसमें उनको यह कहते हुए सुना जा सकता है इस्कॉन देश में सबसे बड़ा धोखेबाज है। यह गौशालाओं का रखरखाव करता है और विशाल भूमि सहित सरकार से लाभ प्राप्त करता है। उन्होंने इस दौरान इस्कॉन पर आरोप लगाते हुए कहा था कि इस्कॉन अपनी सारी गायें कसाइयों को बेच रहा है। वे जितना करते हैं उतना कोई नहीं करता। वे सड़कों पर *हरे राम हरे कृष्ण* गाते हैं। फिर वे कहते हैं कि उनका पूरा जीवन दूध पर निर्भर है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसी ने भी इतने मवेशी कसाइयों को नहीं बेचे हैं, जितने उन्होंने बेचे हैं।

लखीमपुर में कई ...

महीने पहले भाजपा से इस्तीफा दे दिया था। इन नेताओं ने आरोप लगाया कि पुराने वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं को गैर-भाजपा लोगों के चंगुल में फंसी भाजपा द्वारा उपेक्षा किया जा रहा है। भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष कुशल हजारिका भी आज कांग्रेस में शामिल हो गए। भाजपा के ये नेता लखीमपुर के भोगपुर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा के आवास पर कांग्रेस में शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि इन सभी नेताओं ने भाजपा नेताओं के साथ जिले में पार्टी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कड़ी मेहनत की थी और 2016 के विधानसभा और 2019 के लोकसभा के साथ-साथ 2014 के चुनावों में अपनी कड़ी मेहनत की थी। इन नेताओं के अलावा जिले के विभिन्न पदों से इस्तीफा दे चुके कुल 15 भाजपा पदाधिकारी एवं अगप नेता कांग्रेस में शामिल हुए है।

अमित शाह कार्रवाई...

ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली में मौजूद अधिकांश विधायक पहले ही केंद्र सरकार से जल्द-से-जल्द न्याय दिलाने के लिए कह चुके हैं। आइए सुनिश्चित करें कि इसमें शामिल दोषियों को अगले कुछ दिनों में गिरफ्तार कर (पीड़ितों को) न्याय दिलाया जाए। उन्होंने मणिपुर में लोगों से हिंसा नहीं करने का आग्रह किया और कहा कि सभी प्रकार के आंदोलन शांतिपूर्ण ढंग से होने चाहिए। सिंह ने कहा कि अगर सीबीआई अगले कुछ दिनों में न्याय नहीं दिला पाती है, तो हमें दिल्ली में अपने लोगों के साथ बैठकर नई कार्रवाई करना चाहिए, लेकिन हमें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल निवासियों को बचाने के हमारे साझा उद्देश्य से ध्यान नहीं भटकाया जाए। उन्होंने कहा कि हमारा साझा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी अवैध प्रवासियों का पता लगाया जाए, नियमों को तोड़ने वाले विद्रोही समूहों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा किया जाए।

नाबालिग की हत्या ...

लड़की का शव उसके घर के अंदर पाया गया। घटना के वक्त उसके माता-पिता घर पर नहीं थे। नाबालिग के शव का सिलचर मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम किया गया। इसके आधार पर पुलिस ने धारा 376 (ए) के तहत एक केस दर्ज किया है। इसके साथ ही आरोपियों के ऊपर आईपीसी, पॉक्सो एक्ट लगाया गया है। जांच के दौरान, पुलिस को मृत लड़की की नोटबुक में एक मोबाइल नंबर मिला है। नोटबुक ने मिली जानकारी के मुताबिक बिप्लब पॉल, शुभ्रा मालाकार और राहुल दास नाम के तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के दौरान राहुल दास ने खुलासा किया कि उसने पीड़ित लड़की के साथ शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की थी। राहुल इस नापाक इरादे में सफल नहीं हो सका क्योंकि लड़की ने इसका विरोध किया था। करीमगंज जिले के पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास ने कहा कि गिरफ्तार किए गए तीन लोगों ने 9 सितंबर को लड़की के घर के अंदर जाने की साजिश रची और उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की। वो रात लगभग 11:30 बजे उसके घर में घुसे और उसका गला घोंटकर मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद उन्होंने लड़की के शव के साथ शारीरिक संबंध बनाए और वे वहां से चले गए। हमें मोबाइल नंबर से सभी सबूत मिल गए हैं। एसपी दास ने कहा कि राहुल दास रेलवे का फोर्थ ग्रेड का कर्मचारी है और वह पूरे मामले का मास्टरमाइंड भी है। राहुल दास ने शुभ्रा मालाकार से दो मोबाइल सिम कार्ड लिए थे, जिनका इस्तेमाल राहुल मालाकार और पीड़ित लड़की ने किया था और वे पिछले महीने से लगातार संपर्क में थे। पुलिस ने कहा कि मामले की आगे की जांच जारी है।

2024 में एक साथ ...

जनशक्ति का इस्तेमाल लगभग एक समान कवायद के लिए किया जा सके जो अभी निर्वाचन आयोग और विभिन्न राज्य निर्वाचन आयोगों द्वारा की जाती है। सूत्रों ने हालांकि यह भी बताया कि एक साथ चुनाव पर विधि आयोग की रिपोर्ट तैयार नहीं है क्योंकि कुछ मुद्दों का निपटारा होना बाकी है। वर्ष 2029 से राज्यों की विधानसभाओं और लोकसभा, दोनों चुनाव एक साथ कराना सुनिश्चित करने के लिए न्यायमूर्ति ऋतुराज अवस्थी के तहत आयोग विधानसभाओं के कार्यकाल को कम करने या बढ़ाने का सुझाव दे सकता है। सूत्रों ने बताया कि यह सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र तैयार किया जा रहा है कि एक बार लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने की व्यवस्था हो जाए, तो मतदाता दोनों चुनावों के लिए मतदान करने के वास्ते केवल एक बार मतदान केंद्र पर जाएं। सूत्रों ने बताया कि क्योंकि विधानसभा और संसदीय चुनाव विभिन्न चरणों में होते हैं, इसलिए आयोग इस बात पर भी गौर कर रहा है कि मतदाता दो चुनावों के लिए मतदान करने के वास्ते एक से अधिक बार मतदान केंद्रों पर न जाएं। सूत्रों ने कहा कि आयोग का विचार है कि विधानसभा और संसदीय चुनाव एक साथ कराए जा सकते हैं और वह केवल व्यापक लोकतांत्रिक कवायद के सुचारू संचालन के लिए तौर-तरीकों पर काम कर रहा है। फिलहाल आयोग का काम विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ कराने के तरीके सुझाना है। लेकिन पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति को यह सिफारिश करने का काम सौंपा गया है कि लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव (पंचायत, नगरपालिका, जिला परिषद) एक साथ कैसे आयोजित किए जा सकते हैं। विधि आयोग एक सुझाव यह दे सकता है कि त्रिस्तरीय चुनाव एक साल में दो चरणों में कराए जाएं। पहले चरण में लोकसभा और विधानसभा चुनाव कराए जा सकते हैं और दूसरे चरण में स्थानीय निकाय चुनाव कराए जा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि यह देश में विभिन्न जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण है। कानून मंत्रालय ने अप्रैल 2018 में विधि आयोग से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के मुद्दे की जांच करने को कहा था।

बीकानेर में महिला...

की रिपोर्ट के बाद हो सकेगा। अधिकारी ने कहा कि दोनों डिग्गी में कूदे हैं या कोई अन्य मामला है इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान नानू देवी (30) और हडमान मेघवाल (26) के रूप में की गई है। दोनों रिश्ते में चाची और भतीजा हैं। उन्होंने बताया कि शवों का पोस्टमार्टम जारी है और रिपोर्ट के बाद वास्तविक कारणों का खुलासा हो पायेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर गहलोत सरकार पर जमकर निशाना साधा है। शेखावत ने पोस्ट में कहा कि राजस्थान की संस्कृति महिलाओं से सदा सर्वदा के लिए संरक्षित है। मां-बेटियां हमारा मान होती हैं। लेकिन रोजाना ऐसी तस्वीरें और खबरें देखकर मन व्यथित हो जाता है। आक्रोश उपजता है उन पर जिन्होंने आंखें बंद कर ली हैं और मुंह सी लिए हैं। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने भी एक्स पर पोस्ट कर गहलोत सरकार को घेरा। पात्रा ने कहा कि बेटियों के लिए नरक बन चुके राजस्थान की यह तस्वीर भयावह और मन को विचलित करने वाला है। जयपुर में एक महिला की पहले हत्या की जाती है और फिर उसके पहचान को छुपाने के लिए पूरे शरीर को जला दिया जाता है। सीएम अशोक गहलोत ने 5 साल तक कुर्सी बचाने की बजाय कानून व्यवस्था पर ध्यान दिया होता तो आज प्रदेश की अनेकों बेटियों की जिंदगी बच गई होती। सिर्फ यूपी में लड़की *हूं लड़ सकती हूं* का चुनावी नारा देने वाली प्रियंका गांधी को रणथंभौर के टाइगर सफारी में टाइगर ना दिखने से तो निराशा होती है लेकिन राजस्थान में दिखाई देती बेटियों का शव और सुनाई देती चित्कार से उन्हें कोई निराशा नहीं होती है। पात्रा ने एक लंबी पोस्ट में लिखा कि दिन-रात लाइट, कैमरा और माइक लटकाकर घूम रहे राजनीति के राजा बाबू को भी राजस्थान की लुटती अस्मिता और बेटियों के साथ हो रहे जघन्य से जघन्य अपराध पर मुंह खोलने की हिम्मत नहीं हो रही है। बेटे-बेटियों को राजनीति में स्थापित करने में व्यस्त राजमाता को राजस्थान के बेटे-बेटियों की कोई चिंता नहीं रह गई है। शर्म करो कांग्रेसियों...तुमने राजस्थान की पहचान को तबाह और बेटियों की अस्मिता को बर्बाद किया है। राजस्थान की जनता कतई माफ नहीं करेगी।

शारीरिक संबंध की ...

इसने सुझाव दिया है कि 16 से 18 वर्ष की आयु के किशोरों की ओर से मौन स्वीकृति से जुड़े मामलों में स्थिति को सुधारने के लिए संशोधनों की आवश्यकता है। देश में, सहमति की उम्र अभी 18 वर्ष है। आयोग ने कहा कि सहमति की उम्र घटाने का सीधा और नकारात्मक असर बाल विवाह एवं बाल तस्करी के खिलाफ लड़ाई पर पड़ेगा। आयोग ने अदालतों को उन मामलों में सतर्कता बरतने की सलाह दी, जहां यह पाया जाए कि किशोरावस्था के प्रेम को नियंत्रित नहीं किया जा सकता और इसका आपराधिक इरादा नहीं रहा होगा। विधि आयोग ने चरणबद्ध तरीके से ई-एफआईआर का पंजीकरण शुरू करने की सिफारिश की है। आयोग ने अपनी सिफारिश में कहा है कि इसकी शुरुआत तीन साल तक की जेल की सजा वाले अपराधों से की जा सकती है। इस सप्ताह की शुरुआत में सरकार को सौंपी गई और शुक्रवार को सार्वजनिक की गई एक रिपोर्ट में, विधि आयोग ने ई-एफआईआर के पंजीकरण की सुविधा के लिए एक केंद्रीकृत राष्ट्रीय पोर्टल बनाने का भी प्रस्ताव दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि ई-एफआईआर से प्राथमिकी के पंजीकरण में देरी की लंबे समय से चली आ रही समस्या से निपटा जा सकेगा और नागरिक वास्तविक समय में अपराध की सूचना दे सकेंगे। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को लिखे अपने पत्र में विधि आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति ऋतुराज अवस्थी ने कहा कि प्रौद्योगिकी के विकास के कारण संचार के साधनों में बहुत प्रगति हुई है। ऐसी स्थिति में, प्राथमिकी दर्ज करने की पुरानी प्रणाली पर ही टिके रहना आपराधिक सुधारों के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

नदी में डूबे छात्र का शव कोकराझाड़ से बरामद

कोकराझाड़ (हिंस)। नदी में डूबे छात्र का शव आखिरकार आज कोकराझाड़ से बरामद कर लिया गया। मृतक छात्र का नाम द्विपज्योति बासुमतारी है। ज्ञात हो कि छात्र गुरुवार को गौरांग नदी में नहाते समय पानी में डूब गया था। मृत द्विपज्योति, केंद्रीय तकनीकी संस्थान का छात्र था। बताया गया है कि छात्र अपने चार साथियों के साथ बीते कल दोपहर नदी में स्नान के लिए गया था। राजधानी गुवाहाटी के मालीगांव स्थित रेलवे कॉलोनी में छात्र का घर था। वह अपने दोस्तों के साथ कोकराझाड़ गया हुआ था। जहां, नहाते समय वह पानी में डूब गया। कल से ही एसडीआरएफ की टीम डूबे हुए छात्र की तलाश कर रही थी। आज छात्र का शव एसडीआरएफ ने बरामद कर लिया गया। कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

नगालैंड में तीन एनएससीएन के कैडर गिरफ्तार, अरुणाचल में दो ने हथियार डालें

कोहिमा/इटानगर (हिंस)। एनएससीएन (के-निक्की) के तीन सक्रिय कैडरों को नगालैंड में पकड़ा गया और उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया है। असम राइफल्स और नगालैंड पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाकर कैडरों को हथियारों के साथ पकड़ा है। कैडरों के कब्जे से 0.32 कैलिबर की तीन पिस्तौलें, गोला-बारूद और युद्ध सामग्री बरामद की गई। सूत्रों ने बताया कि एनएससीएन (के-निक्की) कैडर जबरन वसूली समेत कई असामाजिक गतिविधियों में शामिल थे। कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है। **वहीं** नेशनल सोसलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (एनएससीएन-आईएम) के कुख्यात विद्रोही ने अरुणाचल प्रदेश के न्याउसा गांव में असम राइफल्स के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। जनवरी 2022 से कैडर एनएससीएन-आईएम के एक सक्रिय कैडर के रूप में काम कर रहा था और क्षेत्र में जबरन वसूली और अन्य अवैध गतिविधियों को अंजाम देता था। इसके अलावा उसके खिलाफ कई मामले दर्ज किए जा चुके हैं। आज इस कैडर ने अरुणाचल प्रदेश के लांगडिंग जिले में आत्मसमर्पण कर दिया।

मंत्री पीयूष ने किया तट कटाव का निरीक्षण

धुबड़ी (हिंस)। राज्य के जल संसाधन, सूचना प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने आज गोलकगंज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत तामरहाट बाजार के पास गोमा फेरी घाट और श्मशान घाट पर गंगाधर नदी से हो रहे तटकटाव का निरीक्षण किया। लगभग ग्यारह सौ मीटर में जियो बैग और पर्कूपाईन बांध का निर्माण शीघ्र करने का वादा किया। इस दौरान मंत्री के साथ बीटीआर के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो, युवा आयोग के सदस्य रातुल शर्मा, विधायक द्वय जिरोन बसुमतारी, कृष्ण कमल तांती, कोकराझाड़ और धुबड़ी जिलों के जल संसाधन विभाग के कार्यकारी अभियंता मौजूद रहे।

दो विद्यालयों को लायंस उमंग ने लिया गोद

बच्चों को दिया जा रहा निःशुल्क नृत्य प्रशिक्षण भी

गुवाहाटी (विभास)। *पढ़ेगा इंडिया तभी तो बढ़ेगा इंडिया* इस नारे को सार्थक बनाने के उद्देश्य से लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग ने दो विद्यालयों को गोद लिया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में तथा वीडीजी प्रथम सीमा गोयनका के मार्गदर्शन में यह परियोजना ली गई, जिसका लाभ सैकड़ों की संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों को मिलेगा। इनमें बोंदा हाई स्कूल व नारंगी के रघुनाथ चौधरी हाई स्कूल शामिल हैं। उन्होंने बताया कि वहीं क्लब की अध्यक्ष श्रीमती पोद्दार के सहयोग से 10 बच्चों को निःशुल्क नृत्य का प्रशिक्षण भी नारंगी स्थित सरस्वती डांस अकाडमी में दिया जा रहा है। वहीं विद्यालय में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संगीता भड़ेच व सरोज खेतान के सहयोग से वाटर प्लांट भी स्थापित किया, जिसका उद्घाटन वीडीजी प्रथम सीमा गोयनका ने किया। पर्यावरण की रक्षा करने के उद्देश्य से विद्यालय में पौधे भी लगाए गए। इन सभी परियोजनाओं को क्रियान्वयन करने में क्लब की सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाती चौधरी, सरोज खेतान, माया पटवारी आदि सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा।

प्रागज्योतिषपुर लिटरेरी फेस्टिवल की शुरुआत

गुवाहाटी (हिंस)। तीन दिवसीय कार्यक्रम के साथ पहला प्रागज्योतिषपुर साहित्य महोत्सव आज से गुवाहाटी के दिगलीपुखुरी के तट पर जिला पुस्तकालय सभागार में शुरू हुआ। जड़ों की तलाश में मूल मंत्र के साथ शुरू हुए प्रागज्योतिषपुर लिटरेरी फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह में नेशनल बुक ट्रस्ट के अध्यक्ष मिलिंद सुधाकर मराठे, पद्मश्री से सम्मानित लिल बहादुर छेत्री, प्रसिद्ध पत्रकार रुबिका लियाकत, प्रख्यात कोंकणी साहित्यकार भूषण भावे, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. अंसु जोशी और कई अन्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत प्रागज्योतिषपुर लिटरेरी फेस्टिवल आयोजन समिति के अध्यक्ष फणींद्र कुमार देबचौधरी ने द्वीप वंदना के माध्यम से द्वीप को प्रज्ज्वलित कर की। मुख्य उद्घाटन समारोह की शुरुआत शंकरदेव विद्या निकेतन, बीरूबाड़ी के शिक्षक एवं छात्र समाज द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना, तेजपुर के शिल्पी समाज द्वारा एकत्रित संगीत, बनलता बैश्य की साधना शिल्पी समाज द्वारा भोरताल नृत्य की प्रस्तुति के बाद हुई। प्रदेश के सर्वाधिक लोकप्रिय साहित्यकारों में शुमार आयोजन समिति के अध्यक्ष फणींद्र कुमार देबचौधरी ने अपने स्वागत भाषण में प्रागज्योतिषपुर साहित्य महोत्सव के मुख्य लक्ष्य और उद्देश्यों के बारे में बताया। अध्यक्ष देबचौधरी ने प्रागज्योतिषपुर लिटरेरी फेस्टिवल के मुख्य विषय पर प्रकाश डाला। हमारे साहित्य को बाहरी सिद्धांतों से सजाने की प्रवृत्ति की आलोचना करते हुए, अध्यक्ष देबचौधरी ने भारतीय प्राचीन सभ्यता और संस्कृति की अनदेखी करने की मानसिकता पर अफसोस जताया। देबचौधरी ने अफसोस जताया कि हमारे समाज के उच्च शिक्षित लोगों में भी प्राचीन काल की विरासत को कमजोर करने की प्रवृत्ति है।

राष्ट्रीय लघु चाय उत्पादक संघ का एकदिवसीय सम्मेलन आयोजित

गुवहाहाटी। राष्ट्रीय लघु चाय उत्पादक संघ का एकदिवसीय सम्मेलन गुवाहाटी महानगर के नेडफी हाउस में हुआ। जहां पर ऑल असम स्मॉल टी ग्रोवर्स एसोसिएशन, ऑल बोडोलैंड स्मॉल टी ग्रोवर्स एसोसिएशन, जलपाईगुड़ी डिस्ट्रिक्ट स्मॉल टी ग्रोवर्स एसोसिएशन, दक्षिण भारत लघु चाय उत्पादक संघ सहित भारत के विभिन्न प्रदेशों के लघु चाय उत्पादक संगठनों के पदाधिकारी ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर असम सरकार के विभागीय मंत्री श्री केशव महंत, सोलीडेरिडट नेटवर्क एशिया के एमडी डॉ.सत्येंद्र चटोपाध्याय, चाय बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष प्रभात बेजबरुवा, सिस्ता के अध्यक्ष

श्री बिजॉय गोपाल चक्रवर्ती, असम तिनसुकिया के लघु चाय उत्पादक बैद्यनाथ बोरा, उदालगुरी की लघु चाय उत्पादक रीना दैमारी सहित अन्य वक्ताओं ने लघु चाय उत्पादकों को होने वाली विभिन्न प्रकार की समस्याओं के बारे में विस्तार से चर्चा किया, वक्ताओं ने पर्यावरण में हो रहे बदलाओं के कारण होने वाली परेशानियों से जूझने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की तथा इससे निपटने के उपाय खोजने के लिए सरकार से मांग की। वहीं एक अन्य वक्ता ने बताया कि पूरे भारत में चाय उत्पादन का 60 प्रतिशत छोटे चाय बगानों से होता है लेकिन बहुत अच्छी क्वॉलिटी होने के बावजूद उन्हें उचित कीमत नहीं मिलती है, कई छोटे चाय बागानों में पूरी तरह से ऑर्गेनिक तरीके से उत्पादन किया जाता है लेकिन उन पत्तियों को बहुत ही कम दाम पर खरीद कर बड़े बगानों के मालिक उसे अपना उत्पादन बता कर कई गुना अधिक दामों पर बेचते हैं, इसके लिए हमारी संस्था उन्हें उचित सहयोग देने के साथ ही उन्हें अन्य सहायता मुहैया कराने का प्रयास करेगी

कामरूप जिले के मुडुकी में पोषण माह का समापन समारोह आयोजित

गुवाहाटी। कामरूप जिला समाज कल्याण विभाग के सौजन्य से तथा कामरूप जिला प्रशासन और ब्रिटानिया न्यूट्रिशन फाउंडेशन के सहयोग से असम-मेघालय सीमा क्षेत्र के सयानी बरदुआर एकीकृत शिशु उन्नयन प्रकल्प के अंतर्गत मुदुकि आंचलिक जनजातीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में वृहस्पतिवार को दिनभर के कार्यक्रमों के साथ छटा राष्ट्रीय पोषण माह 2023 का समापन समारोह आयोजित किया गया। कामरूप जिले की अतिरिक्त आयुक्त सुजाता गोगोई ने

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए अपने भाषण में कहा कि भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से पोषण मिशन के टी-3 कार्यक्रम का उद्देश्य एनीमिया को कम करना है। इसलिए उन्होंने सभी बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं से आग्रह किया कि वे एनीमिया की रोकथाम और उपचार के लिए इन शिविरों में भाग लें और अपने साथ-साथ एक स्वस्थ और मजबूत समाज का निर्माण करें। कार्यक्रम के संयोजन में आयोजित टी-3 शिविर (जांच, उपचार, बातचीत) में क्षेत्र की लगभग 150 किशोरियों की एनीमिया की जांच की गई और इसमें एनीमिया से पीड़ित 3 किशोरियों को एनीमिया उन्मूलन के लिए निर्धारित उपाय बताए गए। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों के बीच पारंपरिक आहार, संतुलित आहार और स्वस्थ जीवन पर एक प्रदर्शन प्रतियोगिता भी शामिल थी। कार्यक्रम के अंत में *मेरी माटी मेरा देश* की शपथ ली गई। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण अधिकारी भूपेन भट्टाचार्य, महिला एवं बाल कल्याण परिषद के सहायक योजना अधिकारी रुबुल शर्मा, ब्रिटानिया न्यूट्रिशन फाउंडेशन के अधिकारी, मुडुकी क्षेत्रीय जनजातीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक, बाल संरक्षण अधिकारी, पर्यवेक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका, छात्र और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि बच्चों और मातृ महिलाओं के पर्याप्त पोषण को सुनिश्चित करने के लिए इस संबंध में जागरूकता बढ़ाने के लिए सितंबर को पोषण माह के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण विभाग ने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए।

अमृत कलश यात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रंगिया (विभास)। अमृत कलश यात्रा के अंतर्गत कामरूप जिले के विभिन्न गांवों में भी घर-घर माटी संग्रह अभियान जोरों पर है। वहीं आज जालुकबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के ददरा में इस अभियान में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा शामिल हुए। मुख्यमंत्री का काफिला शुवालकुची के एक समारोह के बाद लौटते समय शुवालकुची विकास क्षेत्र के अंतर्गत ददरा गांव पंचायत में माटी संग्रह *मेरा देश मेरी माटी* नामक अभियान में भाग लिया तथा स्वयंसेवी संगठनों की महिलाओं और लोगों को प्रोत्साहित किया। इस मौके पर उन्होंने करीब 15 मिनट तक स्थानीय लोगों से बातचीत भी की।

पूर्वोत्तर में असम इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम का 5जी अनुभव केंद्र और एप्लिकेशन शुरू

गुवाहाटी। भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए 5जी प्रौद्योगिकी की क्षमता का दोहन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए असम इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एमट्रॉन) ने विभिन्न सरकारी एजेंसियों के सहयोग से एक 5जी अनुभव केंद्र और एप्लिकेशन शुरू किए हैं। परियोजना का औपचारिक उद्घाटन डोनर मंत्री किशन रेड्डी ने डोनर राज्य मंत्री बीएल वर्मा, एमट्रॉन के अध्यक्ष रामेन्द्र नारायण कलिता और अन्य की उपस्थिति में किया। उद्घाटन का औपचारिक कार्यक्रम गुवाहाटी के बोंगरा स्थित टेक सिटी में आयोजित किया गया था। इस मौके पर जी किशन रेड्डी ने अपने भाषण में कहा कि कहा कि यह पहल दिसंबर 2022 में पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा व्यक्त दृष्टिकोण के साथ संरेखित है, जो रोजगार सृजन, विकास लक्ष्यों को पूरा करने और पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए 5 जी प्रौद्योगिकी और डिजिटल

कनेक्टिविटी का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित करती है। उन्होंने कहा कि भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है और दुनिया की कुछ सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ दिया है। आधार, यूनाइटेड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और डिजिलॉकर जैसी सेवाओं ने भारत के डिजिटल परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस डिजिटल क्रांति की क्षमता को पहचानते हुए, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के तहत पूर्वोत्तर परिषद ने आठ पूर्वोत्तर राज्यों में भारत की पहली 5 जी प्रशिक्षण प्रयोगशालाओं और 5 जी स्वास्थ्य उपयोग मामलों के अनुप्रयोगों को पूरी तरह से वित्त पोषित किया। एमट्रॉन ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के कार्यान्वयन का नेतृत्व किया, जिसमें प्रमुख हितधारकों के साथ सहयोग किया गया, जिसमें डीओएनईआर मंत्रालय, दूरसंचार विभाग, दूरसंचार क्षेत्र कौशल परिषद, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (नई दिल्ली), वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल (नई दिल्ली), डिजाइन इनोवेशन सेंटर (यूआईईटी, पंजाब विश्वविद्यालय), और एलिम्को (सामाजिक न्याय और विकास मंत्रालय, भारत सरकार का एक पीएसयू) शामिल हैं। एनईसी ने पूरी परियोजना में आवश्यक मार्गदर्शन और समन्वय प्रदान किया। एक उल्लेखनीय उपलब्धि यह थी कि इस परियोजना को लगभग 75 दिनों के रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया, जिसने *एक्ट फर्स्ट एंड फास्ट फॉर नॉर्थ ईस्ट* की नीति के तहत तेजी से और प्रभावी निष्पादन के लिए एक मिसाल कायम की। एमट्रॉन के अध्यक्ष रामेन्द्र नारायण कलिता ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है और अन्य प्रौद्योगिकी संपन्न राज्यों के नक्शेकदम पर चलने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि परिकल्पित 5जी प्रौद्योगिकी आम लोगों को व्यापक लाभ प्रदान करेगी। यह न केवल निर्बाध कवरेज, उच्च डेटा दर, कम विलंबता और अत्यधिक विश्वसनीय संचार प्रदान करने में मदद करेगा, बल्कि ऊर्जा दक्षता, स्पेक्ट्रम दक्षता और नेटवर्क दक्षता भी बढ़ाएगा। 5जी के माध्यम से असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम या किसी अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के गांवों के दूरस्थ स्कूलों के बच्चे भी शीर्ष विशेषज्ञों के साथ नए युग की कक्षा में नई चीजें सीख सकेंगे। हमें उम्मीद है कि यह 5जी अनुभव केंद्र छात्रों को बड़े पैमाने पर 5जी हाई-स्पीड कनेक्टिविटी के माध्यम से ऑनलाइन ओपन कोर्स का लाभ उठाने के लिए मंच प्रदान करने में सक्षम होगा और उन्हें रोजगार भी सुरक्षित करेगा।

व्रतधारियों का सामूहिक अभिनंदन

गुवाहाटी। पिछले दस दिनों से चल रहे पयुषण महापर्व के अंतिम दिन स्थानीय भगवान महावीर धर्म स्थल में एक समान समारोह के दौरान असम के राजकीय अतिथि आचार्य प्रमुख सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में दस लक्षण व्रत का पालन करने वाले सभी व्रतधारीयो का समाज की ओर से सामूहिक अभिनंदन किया गया। इस मौके पर पंचायत के चेयरमैन महावीर प्रसाद छाबड़ा, अध्यक्ष महावीर जैन (गंगवाल), मंत्री वीरेंद्र कुमार सरावगी, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश सेठी, आलोक छाबड़ा, भागचंद छाबड़ा, सुधा गंगवाल, सुधा काला, संजय रारा आदि लोगों ने सोलहकारण एवं दस लक्षण व्रत करने वाले लोगों का अभिनंदन किया। इस बार 41 लोगों ने सोलहकारण एवं 190 लोगों ने दस लक्षण व्रत का पालन किया। इस मौके पर आचार्य श्री ने कहा कि धर्म का पालन अनेक प्रकार से किया जाता है। मगर तब धर्म का महत्व सर्वोपरि है, क्योंकि जैसे मक्खन से घी निकालने के लिए बर्तन को गर्म करना आवश्यक है, उसी प्रकार कर्मों से आत्मा को पृथक करने के लिए शरीर का तपना भी आवश्यक है। अतत:(व्रत) उपवास तप मोक्ष मार्ग में सहयोगी है। उन्होंने गुवाहाटी समाज के सभी सदस्यों महिलाओं एवं बच्चों को शुभकामनाएं दी। अपने शुभकामना संदेश में आचार्य

श्री ने दस लक्षण पर्व की महत्ता का जिक्र करते हुए इस बात पर प्रसन्नता जताई है कि गुवाहाटी में रह रहे समाज के सभी सदस्य धार्मिक भावना से ओत- प्रोत है। मालूम हो कि इस बार सोलहकारण के 32 उपवास विजय कुमार सबलावत, नेमीचंद अजमेरा, संगीता काला, अनिता पहाड़िया, कपिल बाकलीवाल, ने किया है। दस लक्षण व्रत का पालन करने वाले सभी व्रति जनों का पारणा आज शुक्रवार को एटी रोड स्थित महावीर भवन धर्म स्थल में किया जाएगा। इस अवसर पर समाज द्वारा सामूहिक गोठ का आयोजन भी किया गया। इस कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक आयोजन करने में भोजन व्यवस्था के संयोजक सुरेश कुमार बाकलीबाल, राज कुमार पाटनी, संजय जैन, आदि लोगों का सहयोग रहा।

विश्वनाथ में प्लास्टिक प्रतिबंध जागरूकता पर निकली बाइक रैली

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ शहर की नगर परिषद ने विश्वनाथ जिला आयुक्त डॉ. नेहा यादव, कार्यकारी मजिस्ट्रेट बिचित्रा दास, विश्वनाथ चारिआली नगर पालिका के मेयर अमरज्योति बरठाकुर और अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में एक बाइक रैली आयोजित करने का निर्णय लिया है, दिन-ब-दिन जागरूकता पैदा की जा रही है, इसलिए बाइक रैली निकाली गई।। आज विश्वनाथ चारियाली नगर पालिका के परिसर से नॉर्थ ईस्ट एडवेंचर बाइकर्स के सहयोग से आयुक्त डॉ. नेहा यादव द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली बमगांव, विश्वनाथ नगर, सप्लाई रोड, कॉलेज रोड से होते हुए नगर निगम कार्यालय के सामने समाप्त हुई। इसलिए, प्लास्टिक के प्रसार को रोकने के लिए उपाय करना आवश्यक है। प्लास्टिक के प्रसार को रोकने के लिए उपाय करना आवश्यक है डॉ. नेहा यादव। इधर विश्वनाथ चारियाली नगर पालिका के मेयर अमरज्योति बरठाकुर ने अपने सभागार में पत्रकारों के साथ पत्रकार सम्मेलन में अगामी 2 अक्तूबर को गान्धी जयंति के यह महत्वपूर्ण कार्य को लेकर विस्तार से संबोधित किया।

आईएनआईएफडी, गुवाहाटी के छात्रों ने न्यूयॉर्क फैशन वीक में अपने डिजाइन का प्रदर्शन किया

असम के लिए गौरव का पल

गुवाहाटी। न्यूयार्क फैशन वीक में आईएनआईएफडी गुवाहाटी के छात्रों ने अपने डिजाइन का प्रदर्शन करके असम को गौरवान्वित किया। न्यूयार्क फैशन वीक में होने वाले इंडियन फैशन ट्रंक में निहारिका काकति के नेतृत्व में छात्रा अपराजिता हसम, दृष्टि अग्रवाल, गजल पाटनी, हिमांशी गौर, नंदिनी लाहोटी, निधि पाटनी, रिंपा मंडल, संजना राठी, सेजल डालमिया ने हिस्सा लिया और अपने डिजाइन का प्रदर्शन किया। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइन (आईएनआईएफडी) और लंडन स्कूल ऑफ ट्रेंड्स (एलएसटी) द्वारा आठवें सीजन के लिए न्यूयॉर्क फैशन वीक में *इंडियन फैशन ट्रंक* को प्रस्तुत किया गया था। रिसायकल्ड प्लास्टिक से तैयार किए गए असमिया जापी के नए प्रयोग में असम के शिल्प कौशल की झलक नजर आती है। वहीं ड्रेस (पोशाक) में असम का सदाबहार मूगा रेशम परंपरा और पर्यावरण के प्रति सजगता के सामंजस्यपूर्ण प्रयोग का प्रतिनिधित्व करता है। प्रसिद्ध असमिया जापी जैसी दिखने वाल रिसायकल्ड प्लास्टिक से जटिल रूप

से बनाई गई आस्तीनें, पर्यावरण जागरुकता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। पारंपरिक कला और प्रीमियम फैब्रिक (कपड़े) के इस मिश्रण के परिणामस्वरूप एक ऐसा परिधान तैयार होता है जो न केवल असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है, बल्कि मूगा रेशम की सदाबहार सुंदरता को भी प्रदर्शित करता है। यह कला और शैली को और सच्चा बनाता है और पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए असम की सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल पर रखता है। आईएनआईएफडी गुवाहाटी की सेंट्रल डायरेक्टर चिंकी अग्रवाल कहा कि यह हमारे राज्य के लिए यह गर्व की बात है कि हमारे डिजाइनर छात्र जिन्होंने प्रमुख फैशन वीक *एनवाईएफडब्ल्यू* में प्रदर्शन करने के लिए इतनी मेहनत की और देश का नाम रोशन किया है। हमारे डिजाइनरों ने किसी पोशाक की डिजाइन को तैयार करते समय व्यावसायिक विचारों के बारे में जागरूकता प्रदर्शित करते हुए डिजाइन इनोवेशन पर काम किया।

दुर्गा पूजा को लेकर नगांव जिला प्रशासन ने की बैठकें

नगांव (निसं)। आगामी दिनो में समग्र जिले में होने वाली दुर्गा पूजा के लिए प्रशासनिक व्यवस्था के संदर्भ में जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में प्रशासन अधिकारियो की एक सभा विभिन्न पूजा समितियो के पदाधिकारीयो के साथ हुई। सभा की अध्यक्षता करते हुए अतिरिक्त जिला आयुक्त लक्ष्य ज्योति दास ने आगामी दुर्गा पूजा व काली पूजा के आयोजन के विभिन्न पहलुओ पर विचार किया। पूजा शांतिपूर्ण आयोजन के लिए विभिन्न पूजा समितियो के बीच जरूरी समन्वय और सहयोगिता स्थापित करने पर बल दिया गया। इस विषय पर भी चर्चा हुई कि यदि कोई पूजा आयोजन समिति पूजा करने के लिए प्रमिशन के लिए आवेदन करती है तो पूजा समितियो को प्रशासन की कौन-सी गाइड लाइन मान कर चलनी होगी। इस सभा में कलियाबर महकामाधिपति (असामरिक) लिजा तालुकदार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रणब ज्योति कलिता, स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक, धिंग, रोहा और कामपुर नगर पालिका के कार्यकारी अधिकारी, चक्र अधिकारीगण, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी, विभिन्न पूजा समिति के अध्यक्ष और सचिव सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारीगण सभा में उपस्थित थे ।

चीनी सेना की नहीं पड़ेगी नजर, एलएसी पर ऐसी नई रणनीतिक सड़क बना रहा है भारत

- उत्तरी सैन्य अड्डे डीबीओ तक सैनिकों, हथियारों और रसद की आवाजाही होगी आसान
- ससोमा से डीबीओ तक 130 किमी लंबी सड़क का निर्माण नवंबर के अंत तक पूरा होगा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत ऐसी नई रणनीतिक सड़क के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर आगे बढ़ रहा है, जिस पर चीनी सेना की नजर नहीं पड़ सकती। नवंबर के अंत तक तैयार होने वाली यह सड़क भारतीय सेना को चीनियों से सुरक्षित रखेगी। चीन सीमा पर ससोमा से दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) तक यह नई सड़क न केवल यात्रा के समय को कम करेगी, बल्कि भारत के उत्तरी सैन्य अड्डे डीबीओ तक इस नई सड़क से अग्रिम पंक्ति को मजबूत करने के लिए सैनिकों, हथियारों और रसद की आवाजाही आसान होगी। चीन की विस्तारवादी नीतियों के चलते लद्दाख के रणनीतिक परिदृश्य को नया आकार देने की होड़ में हिंसक आचरण और सैन्य महत्वाकांक्षाओं के कारण भारत के साथ सीमा विवाद बना हुआ है। भारत और चीन के बीच 19वें दौर की सैन्य वार्ता 13-14 अगस्त को भारतीय सीमा पर चुशुल-मोल्डो में हुई थी। साढ़े तीन साल से चल रहे गतिरोध के बीच यह बैठक सबसे ज्यादा 70 घंटे तक चली, जिसमें दोनों पक्ष लद्दाख सेक्टर में एलएसी के साथ शेष मुद्दों को हल करने पर सहमत हुए। इसके बावजूद चीन लगातार सीमावर्ती इलाकों में अपना बुनियादी ढांचा खड़ा करने से पीछे नहीं हट रहा है। इसी के जवाब में भारत भी एलएसी के सीमावर्ती इलाकों में सड़कों का जाल बिछाकर अपनी पहुंच को लगातार आसान बना रहा है, क्योंकि चीन के साथ 1962 के युद्ध में भारत को बुनियादी ढांचे की कमी से कई सबक सीखने को मिले थे। इसी क्रम में भारत रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण एक दूरस्थ चौकी के पास वैकल्पिक कनेक्टिविटी के लिहाज से एक महत्वाकांक्षी परियोजना को पूरा करने के कगार पर है। नवंबर के अंत तक तैयार होने वाली यह सड़क भारतीय सेना को चीनियों से सुरक्षित रखेगी, क्योंकि इस पर चीनी सेना की नजर नहीं पड़ सकती। साथ ही अग्रिम पंक्ति को मजबूत करने के लिए सैनिकों, हथियारों और रसद पहुंचाने के लिए आवाजाही आसान होगी। इस परियोजना से जुड़े एक अधिकारी का कहना है कि नई सड़क को एलएसी के उस पार से नहीं देखा जा सकता है, जबकि दरबुक से डीबीओ तक जाने वाली एकमात्र मौजूदा 255 किमी. लंबी सड़क तक चीन की पहुंच आसान है। नुब्रा घाटी में ससोमा से काराकोरम दर्रे के पास डीबीओ तक 130 किमी लंबी सड़क का निर्माण अपने अंतिम चरण में है। ससोमा और 17,600 फुट ऊंचे सासेर ला के बीच 52 किमी की दूरी में से 46 किलोमीटर को ब्लैकटॉप कर दिया गया है और केवल 6 किलोमीटर ही बचा है। बचा हुआ कार्य पूरा करने के लिए इस समय लगभग 2,000 लोग काम कर रहे हैं। इसलिए साल के अंत तक पूरी तरह से ब्लैकटॉप होने की भी उम्मीद है।

स्वच्छ भारत एक साझा जिम्मेदारी, हर प्रयास महत्वपूर्णः प्रधानमंत्री

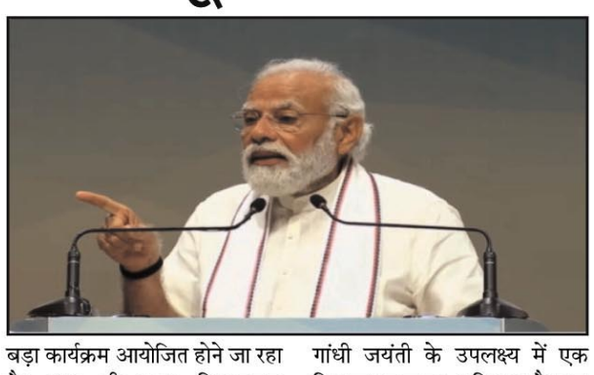

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशभर के लोगों से एक अक्टूबर को सुबह 10 बजे शुरू होने वाले स्वच्छता अभियान में भाग लेने का आह्वान करते हुए शुक्रवार को कहा कि स्वच्छ भारत एक साझा जिम्मेदारी है और हर प्रयास मायने रखता है। प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अर्बन द्वारा एक्स पर एक साझा पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ह्लएक अक्टूबर को सुबह 10 बजे, हम एक महत्वपूर्ण स्वच्छता पहल के लिए एक साथ आ रहे हैं। स्वच्छ भारत एक साझा जिम्मेदारी है और हर प्रयास मायने रखता है। स्वच्छ भविष्य की शुरूआत के लिए इस नेक प्रयास में शामिल हों।" इससे पहले मन की बात के 105वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने कहा था, "एक अक्टूबर यानी रविवार को सुबह 10 बजे स्वच्छता पर एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। आप भी समय निकालकर स्वच्छता से जुड़े इस अभियान में मदद करें। आप भी अपनी गली, पड़ोस या किसी पार्क, नदी, झील या किसी अन्य सार्वजनिक स्थान पर इस स्वच्छता अभियान में शामिल हो सकते हैं।" उन्होंने कहा कि एक तारीख, एक घंटा, एक साथ अभियान गांधी जयंती के उपलक्ष्य में एक विशाल स्वच्छता अभियान है। यह पहल 'स्वच्छता पखवाड़ा-स्वच्छता ही सेवा' 2023 अभियान की एक कड़ी है। यह सभी नागरिकों द्वारा एक अक्टूबर को सुबह 10 बजे एक घंटे 'स्वच्छता के लिए श्रमदान' करने की प्रधानमंत्री की अपील का अनुसरण करता है।

भाजपा का तृणमूल कांग्रेस पर हमला, बताया 'तालिबानी मानसिकता और संस्कृति' की सरकार

अजय त्यागी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस की सरकार पर हमला बोलते हुए उसे 'तालिबानी मानसिकता और संस्कृति' की सरकार करार दिया है। शुक्रवार को भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि पश्चिम बंगाल एक ऐसा राज्य है, जिसे 'मां, माटी, मानुष' का राज्य माना जाता है लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने इसे 'बम, गोली और बेटियों के खिलाफ अन्याय करने वाली भूमि बना दी है। उन्होंने कहा कि टीएमसी, 'तालिबानी मानसिकता और संस्कृति' की सरकार है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले में एक महिला का अधजला शव बरामद किया गया था। महिला का गला कटा हुआ था। यह मामला स्वरूपनगर के गोबिंदपुर इलाके का बताया जा रहा है। इस घटना ने एक बार फिर पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शहजाद ने कहा कि साल 2021 में चुनाव बाद हिंसा के नाम पर बदले की भावना से पश्चिम बंगाल में कई महिलाएं दुष्कर्म की शिकार हुईं। इन मामलों में अपराधियों को बचाने के लिए हर तरह के प्रयास किए गए। शहजाद पूनावाला ने आईएनडीआईए पर हमला बोलते हुए कि कहा कि कांग्रेस और उसके गठबंधन के लिए महिला के खिलाफ अपराध पर प्रतिक्रिया राज्यों की सीमाओं के बंटवारे के आधार पर है। चयनात्मक आक्रोश है। देश की हर महिला की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान के कांग्रेस के विधायक जौहरी लाल मीणा के बेटे पर एक छोटी लड़की से बलात्कार का आरोप है और राजस्थान पुलिस ने उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। पोक्सो कोर्ट ने उसके खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया फिर भी राजस्थान पुलिस बलात्कारियों और अपराधियों को बचाने की कोशिश कर रही है।

पहली बार दिल्ली ने जीता एनएसएस पुरस्कार, स्वयंसेवक अनुज को राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के 54 वर्षों के इतिहास में दिल्ली ने पहली बार राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार जीता है। वर्ष 2021-22 के लिए यह पुरस्कार दिल्ली स्थित नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (एनएसयूटी) के एनएसएस के स्वयंसेवक अनुज को उनकी असाधारण उपलब्धि के लिए प्रदान की गई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में अनुज को एक लाख रुपये नकद, रजत पदक और प्रमाण पत्र सहित एनएसएस पुरस्कार से सम्मानित किया। अनुज को यह पुरस्कार कोरोना महामारी के दौरान उत्कृष्ट सेवाएं देने के लिए प्रदान की गई है। उन्होंने गोद लिये गांव में स्वच्छ पेयजल के बुनियादी सुविधा की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे प्रतिदिन सैकड़ों लोगों को मदद मिली। उनके द्वारा किए मुख्य कार्यों में पर्यावरण जागरुकता, वृक्षारोपण अभियान, कोविड-19 टीकाकरण शिविर, स्वच्छ भारत अभियान, रक्तदान अभियान, वंचित बच्चों को कपड़े और किताबों का वितरण करना शामिल है। उन्होंने पाक्सो एक्ट, लिंग संवेदीकरण, वयस्क साक्षरता और प्लास्टिक मुक्त भारत पर जागरुकता कार्यशालाएं भी आयोजित कीं। वह उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना, कैशलेस भारत और डिजिटल साक्षरता जैसी विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जागरुकता को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से शामिल रहे।

पंजाब में रेलवे ट्रैक के बाद सड़कों पर उतरे किसान, चंडीगढ़-दिल्ली मार्ग पर यात्री हुए बेहाल

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब में अपनी मांगों को लेकर रेलवे लाइनें रोककर बैठे किसान अब सड़कों पर उतर आए हैं। किसानों व मजदूरों ने चंडीगढ़-दिल्ली मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिए, जिससे हजारों यात्री परेशान हो रहे हैं। किसान गुरुवार से पंजाब में अलग-अलग जगहों पर रेलवे ट्रैक रोककर बैठे हुए हैं। इसी दौरान किसानों के एक गुट ने शुक्रवार को मोहाली जिले के डेराबस्सी में स्थित टोल प्लाजा के आगे धरना शुरू कर दिया। कुछ ही पलों में किसानों ने टोल पर कब्जा करते हुए यहां पक्का डेरा लगा दिया। चंडीगढ़-दिल्ली मार्ग पर जाम लगाए जाने से भारी संख्या में वाहन जमा हो गए। चंडीगढ़ से दिल्ली जाने वाले लोगों को भारी मुश्किलों का समाना करना पड़ा। किसानों का आंदोलन समाप्त करवाने के प्रयास में किसान संगठनों तथा पुलिस कर्मचारियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई, जिसके बाद किसानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की।

सिक्किम की आईएएस परी बिश्नोई अब हरियाणा में देंगी सेवाएं

चंडीगढ़, (हि.स.)। हरियाणा सरकार ने सिक्किम कॉडर की आईएएस परी बिश्नोई को हरियाणा कॉडर दिए जाने को लेकर एनओसी जारी कर दी है। अब परी बिश्नोई हरियाणा में शिफ्ट होंगी। परी बिश्नोई आदमपुर से विधायक भव्य बिश्नोई की मंगेतर हैं। हाल ही में दोनों की सगाई हुई है। दरअसल, परी बिश्नोई 2020 बैच की आईएएस हैं। यूपीएससी की परीक्षा में उनका देश में 30वां स्थान आया था। परी बिश्नोई वर्तमान में सिक्किम की राजधानी गंगटोक में एसडीएम के पद पर कार्यरत हैं। परी बिश्नोई का जन्म राजस्थान के बीकानेर जिले के गांव काकड़ा में हुआ था। परी की मां सुशीला विश्नोई वर्तमान में जीआरपी में एक पुलिस अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। वहीं उनके पिता मनीराम बिश्नोई वकील हैं। परी बिश्नोई ने केंद्र सरकार में आवेदन किया था कि वह अपने माता-पिता की देखभाल करना चाहती हैं, इसलिए उन्हें सिक्किम कैडर से हरियाणा कैडर में बदल दिया जाए। केंद्र सरकार ने हरियाणा सरकार इसके लिए एनओसी मांगी थी। परी बिश्नोई की एनओसी को मुख्यमंत्री की मंजूरी मिलने के बाद अब इसे केंद्र को भेज दिया जाएगा, जिसके बाद उनका सिक्किम कैडर बदलकर हरियाणा कैडर हो जाएगा।

देश के लिए यह समय हर क्षेत्र में प्रथम बनने के लिए अनुकूल : अमित शाह

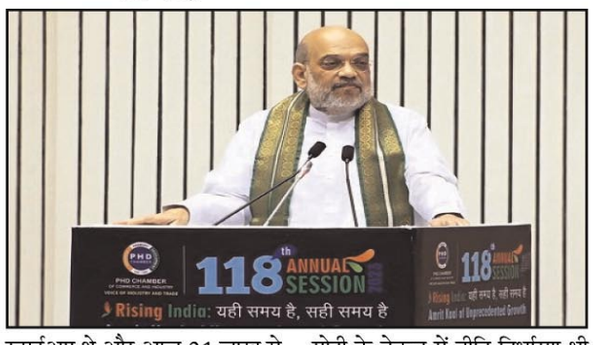

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि देश हर क्षेत्र में लगातार विकास कर रहा है। यह समय हमारे लिए हर क्षेत्र में प्रथम बनने के लिए अनुकूल है। शाह ने विज्ञान भवन में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि मोदी सरकार ने देश के अर्थतंत्र को मजबूत करने का काम किया है। जो वादे वर्ष 2014 में किए सभी को पूरा किया। इसी का परिणाम है कि वर्ष 2014 में हम विश्व की 11वीं नंबर की अर्थव्यवस्था थे और वर्ष 2023 में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरे हैं। वर्ष 2027 तक हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2013-14 में देश में 04 यूनिकॉर्न स्टार्टअप थे, आज 115 यूनिकॉर्न के साथ भारत दुनिया के प्रमुख देशों में से एक है। वहीं 2013-14 में देश में 350 स्टार्टअप थे और आज 01 लाख से अधिक स्टार्टअप अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं। मोदी सरकार ने पिछले 09 साल के अंदर हर क्षेत्र में भारत को बदलने का प्रयास किया है और सफल भी रहे हैं। सरकार के प्रयास से देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिली है। गृहमंत्री शाह ने कहा कि हमारा देश सबसे युवा है और यहां सबसे ज्यादा इंजीनियर, डॉक्टर और टेक्नोक्रैट्स भी हमारे पास हैं। यहां लोकतंत्र भी है, टीम वर्क भी है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नीति निर्धारण भी स्पष्ट है। इसलिए अब भारत को अमृतकाल में हर क्षेत्र में अपने आपको सबसे पहले स्थान पर स्थापित होने से कोई नहीं रोक सकता। विदेशी मुद्रा भंडार हमारा बढ़ा है। पहले विदेशी मुद्रा भंडार हमारा 309 अरब डॉलर का था। अब बढ़कर 583 अरब डालर के पास पहुंच गया है। देश में जीएसटी कलेक्शन बढ़ा है। राज्यों को समय पर उनकी राशि उपलब्ध कराई जा रही है।

मनरेगा को सुनियोजित तरीके से कमजोर कर रहा केंद्र : कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को खत्म करना चाहती है। इस लिए इस योजना को सुनियोजित तरीके से कमजोर किया जा रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा कि ग्राम सभा की ओर किया जाने वाला सोशल ऑडिट मनरेगा का एक अनिवार्य हिस्सा है। यह जवाबदेही सुनिश्चित करने और पारदर्शिता को बढ़ाने के लिए है। मूलरूप से इसका उद्देश्य भ्रष्टाचार पर रोक लगाना है। प्रत्येक राज्य में एक स्वतंत्र सोशल ऑडिट होता है। इसे केंद्र की ओर से सीधे फंड किया जाता है ताकि उसकी स्वायत्तता बरकरार रखी जा सके। रमेश ने कहा कि अब इसकी फंडिंग में अत्यधिक देरी की बात सामने आ रही है। इसका नतीजा यह है कि सोशल ऑडिट समय पर नहीं हो पा रहा है। ऑडिट की इस पूरी प्रक्रिया से समझौता किया जाता है। इसके बाद मोदी सरकार इस स्थिति का इस्तेमाल राज्यों को फंड देने से इनकार करने के लिए एक बहाने के रूप में करती है। फंड नहीं मिलने के कारण वेतन भुगतान आदि प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि यह कुछ और नहीं बल्कि मनरेगा को सुनियोजित ढंग से कमजोर करने की साजिश है।

एनसीआर में प्रदूषण के मद्देनजर गुरुग्राम में पटाखा प्रतिबंधित

-निर्माण, भंडारण सहित बिक्री और उपयोग पर पटाखा बैन

गुरुग्राम (ईएमएस)। दिवाली से पहले दिल्ली के बाद गुरुग्राम जिला प्रशासन ने आदेश जारी करते हुए पटाखों के निर्माण, भंडारण सहित बिक्री और उसके उपयोग पर रोक लगा दी है, जो 1 नवंबर से अगले वर्ष की 31 जनवरी तक प्रभावी रहेगा। हालांकि प्रशासन ने ग्रीन पटाखों को इससे मुक्त रखा है। उल्लेखनीय है कि सर्दियों के मौसम में दिल्ली, गुरुग्राम समेत पूरे एनसीआर में प्रदूषण के खतरनाक स्तर को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। डीएम निशांत कुमार यादव ने प्रदूषण और जनता के हित का हवाला देते हुए जारी आदेश में कहा है कि ग्रीन पटाखों को छोड़कर अन्य के उत्पादन, बिक्री और इस्तेमाल पर रोक रहेगी। आदेश के मुताबिक, ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल की छूट सिर्फ दिवाली, गुरुपर्व, क्रिसमस और नए साल पर होगी। दिवाली और अन्य पर्व पर ग्रीन पटाखे रात 8 से 10 के बीच फोड़े जा सकते हैं। क्रिसमस और नए साल की पूर्व संध्या पर रात 11:55 से 12:30 तक आतिशबाजी की छूट होगी।

आम आदमी पार्टी ने आईएनडीआईए में जतायी पूर्ण प्रतिबद्धताः केजरीवाल

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी के बाद उठे संशय पर आज कहा कि आम आदमी पार्टी आईएनडीआईए के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। कांग्रेस नेता सुखपाल सिंह खैरा को हाल ही में 2015 के ड्रग्स तस्करी मामले में पंजाब पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके बाद कांग्रेस की स्थानीय इकाई ने आम आदमी पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पार्टी का कहना है कि आम आदमी पार्टी सरकार राजनीतिक प्रतिशोध के तहत ऐसा कर रही है। इससे आईएनडीआई गठबंधन के भविष्य को लेकर भी सवाल उठने लगे थे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज सर्दी के मौसम में दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए शुक्रवार को 15 सूत्री विंटर एक्शन प्लान की घोषणा की। इसी दौरान एक पत्रकार वार्ता के दौरान पूछे गए सवाल के जवाब में अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी आईएनडीआई गठबंधन के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। पार्टी किसी कारण से गठबंधन से अलग नहीं होगी। हम गठबंधन से जुड़े धर्म को निभाने के लिए पूरी तरह कटिबद्ध हैं।

केजरीवाल ने कहा कि पंजाब की भगवंत मान सरकार राज्य में ड्रग्स के खात्मे के लिए प्रतिबद्ध है। इसने युवाओं को बर्बाद कर दिया है। कोई कितना भी प्रभावशाली व्यक्ति हो या कोई छोटा-मोटा व्यक्ति, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। वे किसी विशेष घटना पर टिप्पणी नहीं कर रहे हैं। उनके पास खैरा मामले की कोई जानकारी नहीं है।

मुंबई में 83 हजार छोटी-बड़ी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन हर्षोल्लास के साथ हुआ

मुंबई, (हि.स.)। मुंबई सहित समूचे महाराष्ट्र में शुक्रवार सुबह तक धूमधाम से भगवान गणेश की विदाई की गई। मुंबई के मशहूर लालबाग के राजा की प्रतिमा का विसर्जन आज सुबह 9 बजकर 10 मिनट पर पूरे भक्तिभाव के साथ किया गया। भक्तों ने गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ....जैसे जयकारों के साथ अपने प्रिय गणेश को विदाई दी। इसके साथ ही मुंबई में 83 हजार छोटी बड़ी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया। पुणे शहर में भक्तगण पूरे जोश के साथ बाजे-गाजे सहित भगवान गणेश को विदाई दे रहे हैं। मुंबई में गणेश विसर्जन गुरुवार को सुबह से ही शुरू हो गया था। लालबाग के राजा गणपति को गुरुवार सुबह करीब 10 बजे मंडप से विसर्जन स्थल की ओर रवाना किया गया था, लेकिन चंद किलोमीटर का सफर लालबाग के राजा ने 23 घंटे में तय किया। जगह-जगह लालबाग के राजा का स्वागत किया गया। मानो समूची मुंबई भगवान गणेश की मंद-मंद रफ्तार के साथ नाचते गाते कदमताल कर रही थी। शुक्रवार सुबह 8 बजे जब लालबाग के राजा गिरगांव चौपाटी पहुंचे, तो लाखों लोगों ने हाथ उठाकर बप्पा के दर्शन किए। सुबह 9 बजकर 15 मिनट पर लालबाग के राजा समुद्र के जल में समा गए। मुंबई में वरली, गिरगांव चौपाटी, जुहू चौपाटी, मार्वे चौपाटी सहित सभी जगह घाटों पर गणेश भक्तों का उत्साह देखने को मिल रहा था। सभी गणेशभक्त ढोल ताशे के ताल पर नाचते थिरकते भगवान गणेश के साथ विसर्जन स्थल की ओर बढ़ रहे थे। इससे पूरा मुंबई महानगर जैसे गणेश मय हो गया था। मुंबई में तकरीबन 20 हजार पुलिस कर्मी शहर के चप्पे-चप्पे पर तैनात किए गए थे, जिससे कहीं भी अप्रिय घटना नहीं घट सकी। मुंबई के साथ ही नासिक, पुणे, कोल्हापुर छत्रपति संभाजीनगर आदि जिलों में भी पूरे हर्ष और उल्हास के साथ भगवान गणेश को विदा किया गया और अगले साल जल्द आने की प्रार्थना भक्तों ने की।

भारत के चार जहाजों ने किया थाईलैंड का दौरा, समुद्री दोस्ती हुई और मजबूत

- रॉयल थाई नेवी बैंड ने गर्मजोशी के साथ भारतीय जहाजों का स्वागत किया
- मैरीटाइम ट्रेनिंग पार्टनरशिप हिस्से के रूप में युद्धाभ्यास आयोजित किए गए

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय नौसेना की पहली प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के तीन जहाजों ने लंबी दूरी की तैनाती के हिस्से के रूप में फुकेत (थाईलैंड) का दौरा किया। इस प्रशिक्षण दौरे में तटरक्षक बल का जहाज आईसीजीएस सारथी भी शामिल था। रॉयल थाई नेवी (आरटीएन) के बैंड ने धूमधाम से गर्मजोशी के साथ भारतीय जहाजों का स्वागत किया। इस यात्रा में दोनों नौसेनाओं के कर्मी क्रॉस ट्रेनिंग दौरों, पेशेवर बातचीत, खेल कार्यक्रमों और संयुक्त योग सत्रों में शामिल हुए। भारतीय नौसेना ने अपनी पहली प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के तीन जहाजों आईएनएस तिर, आईएनएस सुजाता और आईएनएस सुदर्शनी को लंबी दूरी की तैनाती के हिस्से के रूप में फुकेत भेजा था। इनके साथ तटरक्षक बल के जहाज आईसीजीएस सारथी ने भी फुकेत का दौरा किया। यह चारों भारतीय जहाज 25-28 सितंबर तक विदेशी तैनाती पर रहे और रॉयल थाई नेवी (आरटीएन) बैंड की ओर से जहाजों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के वरिष्ठ अधिकारी कैप्टन सर्वप्रीत सिंह ने जहाजों के कमांडिंग अधिकारियों के साथ थाई नौसेना के चीफ ऑफ स्टाफ रियर एडमिरल पुचोंग रोडनिक्रोन से मुलाकात की। आईएनएस तिर पर आरटीएन अधिकारियों और भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ तीसरे नौसेना क्षेत्र कमान के चीफ ऑफ स्टाफ के लिए एक स्वागत समारोह आयोजित किया गया था। जहाजों को आगंतुकों के लिए खुला रखा गया और विभिन्न स्कूलों के बच्चों को जहाजों पर ले जाया गया। प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के प्रशिक्षुओं ने फांग नगा नौसेना बेस पर नौसेना अकादमी का दौरा किया। इस यात्रा में दोनों नौसेनाओं के कर्मी क्रॉस ट्रेनिंग दौरों, पेशेवर बातचीत, खेल कार्यक्रमों और संयुक्त योग सत्रों में शामिल हुए। रॉयल थाई नेवल शिप क्लेंग के साथ मैरीटाइम ट्रेनिंग पार्टनरशिप एक्सरसाइज के हिस्से के रूप में प्रशिक्षुओं की क्रॉस एम्बार्केशन, युद्धाभ्यास आयोजित किए गए। नौसेना के मुताबिक भारतीय जहाजों की यह थाईलैंड यात्रा दोनों देशों के बीच समुद्री संबंधों और दोनों नौसेनाओं के बीच दोस्ती के बंधन को और मजबूत करती है।

बजरंग दल की शौर्य जागरण यात्रा के लिए चारों प्रान्तों के रथ रवाना

लखनऊ, (हि.स.)। बजरंग दल की शौर्य जागरण यात्रा पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के सभी चारों प्रान्तों में 30 सितम्बर को प्रारम्भ होगी। विश्व हिन्दू परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र सिंह ने सभी प्रान्त प्रमुखों की उपस्थिति में चारों प्रान्तों के रथ को शुक्रवार को सेक्टर डी अलीगंज से विधिवत पूजा-पाठ के बाद रवाना किया। अवध प्रान्त की शौर्य जागरण यात्रा का शुभारम्भ अयोध्या से विश्व हिन्दू परिषद के उपाध्यक्ष चंपत राय करेंगे। वहीं गोरक्ष प्रान्त की यात्रा का शुभारम्भ मखौड़ा धाम से होगा। काशी प्रान्त की शौर्य जागरण यात्रा रेनूकूट से प्रारम्भ होगी। इसके अलावा कानपुर प्रान्त की शौर्य जागरण यात्रा झांसी से प्रारम्भ होगी। इन चारों प्रान्तों की शौर्य जागरण यात्राओं का समापन 10 अक्टूबर को काशी में विशाल जनसभा के साथ होगा। विश्व हिन्दू परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेन्द्र सिंह ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि अयोध्या से अब हनुमान जी काशी जायेंगे। उन्होंने बताया कि हिन्दू युवाओं में शौर्य का जागरण करने और अपने पूर्वजों के प्रति गौरव का भाव जाग्रत करने के लिए देशभर में शौर्य जागरण यात्रा निकाली जा रही है। अमर बलिदानियों क्रांतिकारियों के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर देश के लिए जीवन जीने हेतु हिन्दू युवा संकल्पित हों। हिंदू धर्म और संस्कृति के प्रति श्रद्धा जाग्रत हो, उसके वैज्ञानिक महत्व को हम सभी जानें समझें। इसलिए सभी प्रान्तों की यात्राएं उस प्रान्त के ऐतिहासिक स्थलों, क्रान्तिकारियों व महापुरूषों से जुड़े स्थलों पर भी जायेगी। अवध प्रान्त के प्रान्त संगठन मंत्री राजेश ने बताया कि शौर्य जागरण यात्रा अवध प्रान्त के सभी जिलों में जायेगी। यात्रा के मार्ग पर जगह-जगह स्वागत होगा और हर जिले में जनसभा आयोजित की जायेगी। लखनऊ रथ रवाना के समय विश्व हिन्दू परिषद अवध प्रान्त के अध्यक्ष कन्हैया लाल नगीना, विहिप के प्रान्त मंत्री देवेन्द्र मिश्र, कार्यालय प्रमुख संतोष और प्रान्त सह मीडिया प्रभारी नृपेन्द्र विक्रम सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

57 जिलों में स्थापित होंगे अत्याधुनिक सुविधा युक्त मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय, 12वीं तक होगी पढ़ाई : मुख्यमंत्री

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'अटल आवासीय विद्यालयों' की स्थापना के बाद प्रदेश के 57 जिलों में सर्व सुविधा युक्त 'मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालयों' की स्थापना तथा सभी 75 जिलों में एक-एक कम्पोजिट विद्यालय को मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय के रूप में उच्चीकृत करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी ने शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में 'पीएम श्री' विद्यालयों के विकास योजना की समीक्षा बैठक के दौरान यह निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि 18 मंडलों में अटल आवासीय विद्यालयों का संचालन प्रारंभ हो चुका है। अब हमें प्री-प्राईमरी से लेकर 12वीं तक के लिए हर जनपद में एक सर्वसुविधायुक्त विद्यालयों की स्थापना की दिशा में आगे बढ़ना होगा। अटल आवासीय विद्यालयों से आच्छादित जनपदों के अतिरिक्त शेष 57 जिलों में एक-एक 'मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय' की स्थापना की तैयारी करें। 'मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय' का परिसर 5-10 एकड़ का हो। इसके लिए संबंधित जिलों में भूमि का चिन्हांकन यथाशीघ्र पूरा कर लें। प्रारंभिक रूप में यहां हर कक्षा के लिए न्यूनतम 03 सेक्शन की व्यवस्था हो। विद्यालय परिसर में प्रधानाचार्य, शिक्षक संवर्ग व अन्य स्टाफ के लिए आवासीय सुविधा हो। विद्यालय में विश्वस्तरीय अवस्थापना सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। प्रत्येक कक्षा हेतु स्मार्ट क्लास हो। रोबोटिक्स व मशीन लर्निंग सेंटर हो। कक्षा-01 से 08 हेतु कम्पोजिट विज्ञान व गणित प्रयोगशाला, कक्षा-09 से 12 हेतु रसायन, भौतिकी विज्ञान हेतु माड्यूलर प्रयोगशाला, कम्प्यूटर लैब एवं लैंग्वेज लैब, कक्षा-01 से 8 एवं कक्षा-09 से 12 हेतु पृथक-पृथक पुस्तकालय, विशाल खेल का मैदान व ओपन जिम के साथ मल्टीपल एक्टीविटी हॉल, सोलर पैनल एवं वर्षा जल संचयन इकाई की स्थापना, वॉटर प्लान्ट, मिड-डे-मील किचन व डायनिंग हॉल, वॉशिंग एरिया, मल्टीपल हैण्डवाशिंग यूनिट की एकीकृत व्यवस्था, आधुनिक अग्नि शमन यंत्र एवं ऑनलाइन सीसीटीवी कैमरों की सुविधा से लैस बनाया जाए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेसिक शिक्षा में व्यापक सुधार के उद्देश्य से 'पीएम श्री (प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) योजना की घोषणा की है। योजना अंतर्गत भारत सरकार के सहयोग से प्रदेश के 1725 शास-ाकीय विद्यालयों का चयन किया गया है। प्रथम चरण में विकास के लिए चयनित 272 प्राथमिक परिषदीय विद्यालय और 570 कम्पोजिट परिषदीय विद्यालय और 82 माध्यमिक विद्यालय भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी आवश्यक निर्माण कार्य दिसम्बर तक पूरा करा लिया जाए। पीएम श्री के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सिद्धांतों के अनुरूप चरणबद्ध रूप से इन विद्यालयों में अल्ट्रा मॉडर्न तकनीकी व डिजिटल शिक्षा व्यवस्था का विकास किया जाना है। इन विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, आइसीटी लैब, लैंग्वेज लैब, विज्ञान प्रयोगशाला, अटल टिंकरिंग लैब स्थापित होंगे, साथ ही सोलर पैनल, एलईडी लाइ-टिंग, ऊर्जा कुशल संसाधन, पोषण वाटिका, वेस्ट मैनेजमेंट, जल संरक्षण आदि के माध्यम से इन्हें ग्रीन स्कूल के रूप मंन विकसित किया जाएगा। स्किल हब सेंटर का विकास होगा। इससे प्रदेश के बच्चों को अच्छी सुविधा सुलभ कराने में बड़ी सहायता मिलेगी। प्रदेश में संचालित 24 हजार कंपोजिट विद्यालयों (प्री प्राइमरी से कक्षा 08) से 75 विद्यालयों का चयन कर उन्हें मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय के रूप में चरणबद्ध रूप से उच्चीकृत किया जाए। इन मुख्यमंत्री अभ्युदय विद्यालयों में 05 कक्षा-कक्षों से युक्त अभ्युदय ब्लॉक, मिड डे मील शेड, बाल वाटिका, पोषण वाटिका, सुरक्ष-ाकर्मी की तैनाती, बाल सुलभ फर्नीचर, मॉड्यूलर डेस्क बेंच, वाई-फाई व सीसीटीवी की सुविधा हो। इन विद्यालयों के लिए पूर्व से कार्यरत शिक्षकों में से उत्कृष्ट शिक्षकों का प्रमाणिकता आधारित तैनाती की जाए। चयन के लिए कम्प्यूटर आधारित टेस्ट किया जाना चाहिए। यहां लर्निंग बाई डूइंग मॉडल के माध्यम से बच्चों के मध्य कौशल व उद्यमिता विकास के अवसर उपलब्ध हों। इससे 26 लाख छात्र-छात्राएं लाभान्वित होंगे। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाएं उपलब्ध कराने में सीएसआर अथवा जनप्रतिनिधियों द्वारा प्राप्त सहायता उपयोगी सिद्ध हुई है। यद्यपि अब भी कई विद्यालयों के लिए विशेष प्रयास किया जाना आवश्यक है। शासन स्तर से ऐसे 250 श्रेष्ठ परिषदीय कम्पोजिट विद्यालयों का उच्चीकरण किया जाए। इन्हें लैंग्वेज लैब, स्मार्ट क्लास, सुरक्षा कर्मी, मॉड्यूलर साइंस लैब, रोबोटिक्स व मशीन लर्निंग लैब आदि की सुविधा से युक्त बनाया जाए। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में इसका क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने कहा कि अंतर्राज्यीय, अंतरराष्ट्रीय मार्गों के निकट अवस्थित विद्यालयों का उच्चीकरण कराया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, प्राकृतिक आपदा से दुष्प्रभवित विद्यालयों तथा अविद्युतीकृत विद्यालयों में विद्युत संयोजन का कार्य कराया जाए।

62 जिलों में 2100 नलकूप निर्माण परियोजना को गति देगी योगी सरकार

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने लोगों को सुरक्षित पेयजल पहुंचाने व सिंचाई से जुड़ी परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए वृहद स्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी की मंशा के अनुरूप, प्रदेश में जलशोधन व सिंचाई से जुड़ी परियोजनाओं के लंबित कार्यों को पूर्ण करने के लिए सिंचाई व जल संसाधन विभाग को निर्देश दिए गए हैं। इन निदेशों को एक विस्तृत कार्ययोजना की शक्ल दी गई है। इसके क्रियान्वयन के लिए सिंचाई व जल संसाधन विभाग ने कई स्तरों पर प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसी क्रम में प्रदेश के 62 जिलों में 2100 नलकूप निर्माण परियोजना के लंबित कार्यों को गति देने के लिए वर्ष 2023-24 में तीसरी किस्त के तौर पर 244.19 करोड़ रुपये की धनराशि जारी कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 841.98 करोड़ रुपये है और नाबार्ड पोषित इस परियोजना के अंतर्गत 410 करोड़ रुपये की प्रावधानित राशि में से तीसरी किस्त के तौर पर मौजूदा धनावंटन को वित्तीय स्वीकृति के बाद जारी कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, बांदा, सुल्तानपुर, जौनपुर, मेरठ व भदोही समेत प्रदेश के कई क्षेत्रों में नलकूपों के आधुनीकिकरण के लिए 7.16 करोड़ रुपये खर्च कर मरम्मत कार्यों में तेजी लाने की प्रक्रिया को लेकर भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी किए गए निर्देश में सिंचाई व जल संसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता व विभागाध्यक्ष को कार्यों की पूर्ति की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि परियोजना के तहत जारी की गई धनराशि का इस्तेमाल किसी अन्य मद में न हो। वह यह भी सुनिश्चित करेंगे कि सभी नलकूपों का निर्माण व मरम्मत कार्य गुणवत्तापूर्ण और स्थापित मानकों के अनुरूप ही हो। साथ ही, वह इस बात को भी सुनिश्चित करेंगे कि निर्धारित कार्यों की पूर्ति के लिए खर्च की जाने वाली धनराशि उत्तर प्रदेश शासन की रूल बुक के अनुसार ही हो। प्रदेश में दक्षिण परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तमाम जिलों में 100 से अधिक राजकीय नलकूपों के जल वितरण प्रणाली के आधुनीकिकरण व जर्जर विद्युत उपकरणों की प्रतिस्थापना के मद में सिंचाई व जल संसाधन विभाग बड़ा कदम उठाने जा रही है।

बिजली के स्मार्ट मीटर के साथ ही साधारण मीटर लगाकर गति चेक करेगी सरकार

लखनऊ, (हि.स.)। उप्र राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद की एक और लड़ाई रंग लाई। अब पांच प्रतिशत उपभोक्ता-ाओं के यहां स्मार्ट मीटर के साथ ही चेक मीटर के तौर पर साधारण मीटर भी पूरे प्रदेश में लगाए जाएंगे। यह तीन माह तक होगा। उसके मिलान में कोई अंतर आया तो फिर स्मार्ट मीटरों को बदलने का फरमान जारी हो जाएगा। इसकी लड़ाई उपभोक्ता परिषद एक साल से लड़ रहा था। अभी एक माह पूर्व केंद्र सरकार ने कुछ अधिकारियों को कुछ उपभोक्ता-ाओं के यहां भेजा था। इसके बाद यह निर्णय लिया गया है। इस मुद्दे पर उपभोक्ता परिषद ने पांच प्रतिशत की सीमा को कम बताया है। उत्तर प्रदेश में पूर्व में एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड के खराब अनुभव के आधार पर केंद्रीय ऊर्जा सचिव पंकज अग्रवाल को पुनः जनहित प्रस्ताव भेजा। उन्होंने कहा कि यह सीमा उत्तर प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं के हित में उनकी संतुष्टि को ध्यान में रखकर 25 प्रतिशत तक बढ़ाई जाए। प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायत रहती है कि स्मार्ट मीटर या स्मार्ट प्रीपेड मीटर तेज चल रहा है, जिसको लेकर विगत में उत्तर प्रदेश में काफी हो हल्ला भी मचा। उपभोक्ता परिषद ने काफी लंबी लड़ाई लड़ी। अंततः एक बार फिर उपभोक्ता परिषद की लड़ाई रंग लाई। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने केंद्रीय ऊर्जा सचिव पंकज अग्रवाल को पुनः ऊर्जा मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के क्रम में यह प्रस्ताव भेजा है। उसमें लिखा है कि उत्तर प्रदेश के मामले में केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय पांच प्रतिशत की सीमा को बढ़ाकर 25 प्रतिशत करें।

01 अक्टूबर को 01 घंटे श्रमदान कर बापू को 'स्वच्छांजलि' देगा उत्तर प्रदेश

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154वीं जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों से बापू को 'स्वच्छांजलि' देने का आह्वान किया है। शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने 01 अक्टूबर को 01 घंटे के स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम के लिए तैयारियों की समीक्षा की है। मुख्यमंत्री योगी ने समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राष्ट्र को स्वच्छता का संदेश देने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154वीं जयंती के अवसर पर 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा के तहत समस्त नगरीय निकायों में 154 घंटे का सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान की सफलता में स्वच्छ सारथी क्लब को विकसित कर विश्वविद्यालयों, विद्यालयों में कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। नगर के चौराहों, बस स्टॉप की साफ-सफाई की जा रही है। इस महत्वपूर्ण अभियान में जनसहभागिता को बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने प्रदेश की जनता से अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 'कचरा मुक्त भारत' की परिकल्पना को साकार रूप देने के क्रम में 01 अक्टूबर को प्रत्येक प्रदेशवासी 01 घंटे के स्वच्छता श्रमदान में सहभागिता करे। योगी ने कहा कि हमारा यह सामूहिक प्रयास राष्ट्रपिता बापू को उनकी जयंती की पूर्व संध्या पर 'स्वच्छांजलि' होगी। हर प्रदेशवासी अपने आस-पास के परि-वेश में साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए श्रमदान अवश्य करें। 01 अक्टूबर को 01 घंटा श्रमदान के इस कार्यक्रम से जोड़ने के लिए जनजागरूकता का प्रसार किया जाए। इस स्वच्छता श्रमदान के लिए सभी नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। श्रमदान की सफलता के लिए शनिवार 30 सितम्बर को प्रदेश के सभी नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों, जिला पंचायतों की विशेष बैठक आहूत कर श्रमदान कार्यक्रम के लिए प्रस्ताव पारित किया जाए। अपने क्षेत्र में 01 अक्टूबर के कार्यक्रम के लिए स्थान चिन्हांकन सहित सभी आवश्यक तैयारियां कर ली जाएं। 01 घंटे के श्रमदान कार्यक्रम अंतर्गत सभी बेसिक व माध्यमिक विद्यालयों के बच्चों की प्रभातफेरी निकाली जाए। प्रभातफेरी के उपरांत बच्चे और स्कूल शिक्षक विद्यालय परिसर की साफ-सफाई का दायित्व निर्वहन करें। बच्चों के लिए मिष्ठान्न आदि की व्यवस्था भी की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमदान हम सभी का नागरिक कर्तव्य है। हमारा प्रदेश स्वच्छ हो, हम सभी स्वस्थ रहें, इसके लिए हमें स्वच्छता को अपनी आदत बनानी होगी।

बाबूलाल मरांडी ने बोकारो की संकल्प यात्रा में हेमंत सरकार को जमकर कोसा

बोकारो, (हि.स.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को बोकारो की संकल्प सभा में हेमंत सरकार पर जमकर हमला बोला। मरांडी ने कहा कि राज्य में अपराध, भ्रष्टाचार का बोलबाला है। विधि व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रतिदिन चोरी, डकैती, अपहरण, फिरौती की घटनाएं हो रही। प्रतिदिन पांच हत्या और बलात्कार का रिकॉर्ड हेमंत सरकार के नाम दर्ज है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री व्यवसायी की हत्या के जिम्मेवार पुलिस पदाधिकारियों पर एसआईटी गठित कर जांच करें या सीबीआई जांच की अनुशंसा करें। हेमंत सरकार ऐसा नही करती तो 2024 में भाजपा सरकार जांच कर-ाकर दोषियों को सजा दिलाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस का काम है अपराधियों को पकड़ना, जेल में डालना लेकिन आज पुलिस नदी किनारे बालू के ट्रैक्टर को पकड़ कर वसूली में लगी है। उन्होंने कहा कि राज्य में ब्लॉक, थाना, जिला प्रशासन में भ्रष्टाचार व्याप्त है। राशनकार्ड, आवासीय प्रमाणपत्र, जाति प्रमाण पत्र और मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए पैसे लिए जा रहे। पदाधिकारी बोलते हैं देकर आए हैं तो लेंगे ही। राज्य में गरीबों की भूख से मौत हो रही और हेमंत सोरेन गरीबों का अनाज लूटकर अपनी तिजोरी भरने में लगे हैं। मुख्यमंत्री और उनका परिवार गरीबों और आदिवासियों की जमीन लूट रहे। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार के चार वर्ष पूरे होने वाले हैं लेकिन अभी तक नियुक्ति वर्ष नहीं आया। विधानसभा में भी हेमंत सोरेन ने झूठ बोला। आज विद्यालय में शिक्षक नहीं, अस्पताल में डॉक्टर्स नहीं, नर्स नहीं, दवाई नहीं। राज्य में हजारों पद खाली हैं लेकिन हेमंत सरकार युवाओं को रोजगार के नाम पर बरगला रही है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन को राज्य के विकास की चिंता नहीं। ये परिवार और पैसे की राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि अलग झारखंड राज्य भाजपा नीत सरकार की देन है। अटल बिहारी बाजपेयी ने अलग राज्य दिया और आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गांव, गरीब, किसान मजदूर महिला युवा सभी वर्गों की चिंता कर रहे। संकल्प सभा में सांसद पीएन सिंह, विधायक बिरंची नारायण, भारत यादव, गणेश मिश्र, रोहित लाल सिंह, कुमार अमित सिंह आदि उपस्थित थे।

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने कोबरा बटालियन के बलिदान हुए जवान को दी श्रद्धांजलि

रांची, (हि.स.)। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन एवं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को सेक्टर-2 धुर्वा स्थित सीआरपीएफ कैंप परिसर पहुंचकर चाईबासा के टोंटो क्षेत्र में माओवादियों द्वारा किए गए आईईडी ब्लास्ट में बलिदान हुए सीआरपीएफ कोबरा बटालियन-209 के कांस्टेबल जवान राजेश कुमार के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने ईश्वर से दिवंगत हुए शहीद जवान की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिजनों को दुःख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य को नक्सल से मुक्त करने के लिए हमारे बहादुर जवान राजेश कुमार ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया है। इनका बलिदान पूरा राज्य सदैव याद रखेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सल मुक्त झारखंड की मुहिम और मिशन में हमारे कई जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। नक्सल मुक्त अभियान का मिशन जरूर कामयाब होगा। हम सभी को पुलिस जवानों पर गर्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीरगति को प्राप्त हुए शहीद जवान राजेश कुमार के परिजनों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि शोकाकुल परिजनों को इस दुःख एवं विकट प-रस्थिति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित टोंटो थाना के सरजामबुरू क्षेत्र में सर्च अभियान के दौरान माओवादियों द्वारा किए गए आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से सीआरपीएफ कोबरा बटालियन-209 के कांस्टेबल जवान राजेश कुमार वीरगति को प्राप्त हुए।

जवान राजेश कुमार ग्राम रेवाली, जिला गरियाबंद, छत्तीसगढ़ के निवासी थे। मौके पर राज्य के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, डीजीपी अजय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वंदना दादेल सहित पुलिस विभाग के अन्य वरीय अधिकारियों ने शहीद कांस्टेबल जवान राजेश कुमार को श्रद्धांजलि दी।

हाई कोर्ट ने चंदन डैम मामले में केंद्र सरकार को शपथ पत्र दाखिल करने का दिया निर्देश

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में बिहार के बांका के चंदन डैम से सिंचाई के लिए झारखंड के गोड्डा को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने को लेकर सांसद निशिकांत दुबे जनहित याचिका की सुनवाई शुक्रवार को हुई। मामले में कोर्ट ने केंद्र सरकार को चार सप्ताह में शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा है कि चंदन डैम में जो सिल्ट (गाद) जमा हो गए हैं, उसे हटाने के लिए बिहार सरकार के साथ संयुक्त अभियान चलाने के संबंध में लिखे गए पत्र पर क्या निर्णय लिया है। इससे पहले बिहार सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि चंदन डैम से गाद हटाने के संबंध में भारत सरकार के साथ ज्वाइंट ऑपरेशन चलाया जाना है और इसे लेकर भारत सरकार को वर्ष 2022 में ही बिहार सरकार द्वारा एक पत्र लिखा गया है लेकिन अब तक केंद्र सरकार द्वारा इस पत्र पर कोई जवाब नहीं आया है। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। पिछली सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि चंदन डैम में 75 प्रतिशत गाद भर गया है। इसके कारण इस डैम की पानी को जमा रखने की क्षमता मात्र 25 प्रतिशत ही रह गई है।

दरअसल, बिहार सरकार ने चंदन डैम से झारखंड को पानी देने में असमर्थता जताई है। झारखंड सरकार का कहना है कि उसे इस डैम से पानी मिलना चाहिए, ताकि गोड्डा में सिंचाई हो सके। पूर्व की सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि चंदन डैम में 6 कैनाल सिस्टम है, जिनमें 4 कैनाल सिस्टम झारखंड में आते हैं तथा दो बिहार में आते हैं। यह स्ट्रक्चर डैमेज हो चुका है जिसका रिपेयर करना जरूरी है, ताकि गोड्डा जिला में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सके। याचिकाकर्ता गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने गोड्डा में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी के लिए चंदन डैम के कैनाल सिस्टम को रिपेयर करने का आग्रह करते हुए 2016 में जनहित याचिका दायर की थी।

डेंगू के बढ़ते मामले को लेकर नगर निगम ने चलाई मुहिम, मॉक ड्रिल कर सफाई कर्मियों को दी जानकारी

भागलपुर, (हि.स.)। भागलपुर में डेंगू के बढ़ते मामले को लेकर नगर निगम में शुक्रवार को एक बैठक हुई। नगर आयुक्त डॉ योगेश सागर के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक में सभी 51 वार्ड के सफाई कर्मी, मुंशी, जिला स्वास्थ्य विभाग के भी अधिकारी और कर्मी मौजूद थे। इस दौरान मॉक ड्रिल कर हर वार्ड में फॉगिंग और ब्लीचिंग के छिड़काव के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर डॉक्टर योगेश सागर ने कहा कि नगर निगम डेंगू को लेकर तत्पर है। उम्मीद है जल्द भागलपुर से डेंगू का प्रकोप समाप्त होगा। हम लोग लगे हुए हैं। हर एक वार्ड में ब्लीचिंग का छिड़काव किया जाएगा। साथ ही फॉगिंग की जाएगी। जिससे डेंगू का लार्वा खत्म हो और डेंगू पनप नहीं सके। इस रोग से लोगों को निजात मिले। नगर आयुक्त ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अपने आसपास जल जमाव न होने दें। साफ-सफाई रखें और बच्चों को फुल बांह का ही कपड़ा पहनाएं। जिससे डेंगू से बचाव हो सके। उल्लेखनीय हो कि भागलपुर में डेंगू का प्रकोप बढ़ता ही चला जा रहा है। अभी भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महा-विद्यालय अस्पताल एवं सदर अस्पताल में तकरीबन 200 डेंगू के मरीज भर्ती हैं। जिसमें आधे से ज्यादा बच्चे हैं। जिसकी उम्र 12 वर्ष से कम है। अभी तक पूरे भागलपुर में 700 से ऊपर डेंगू के मरीज हो गए हैं। जिसमें दो बच्चे सहित 6 लोगों की मौत भी हो चुकी है।

नवादा के ढाई हजार आंगनबाड़ी में काम ठप, वेतन वृद्धि को लेकर सेविकाओं का प्रदर्शन

- जब तक नहीं बढ़ेगा वेतन तब तक रहेगा अनिश्चितकालीन हड़ताल

नवादा, (हि. स.)। वेतन वृद्धि सहित कई मांगों को लेकर शुक्रवार से आंगनबाड़ी सेविकाओं तथा सहायकों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। सभी बाल विकास परियोजना कार्यालय के निकट धरना प्रदर्शन किया गया। जिस कारण नवादा जिले के ढाई हजार आंगनबाड़ी केदो में कामकाज ठप हो गया है। आंगनबाड़ी सेविका सहायिका संघ के अध्यक्ष विजय कुमार सिंह तथा प्रवक्ता उषा देवी ने कहा है कि जब तक मांगे पूरा नहीं होगी। तब तक अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगा। इधर रजौली प्र-खंड मुख्यालय क्षेत्र में बिहार राज्य आंगनबाड़ी से आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका शुक्रवार से अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर चली गई। बिहार राज्य सेविका सहायिका संघ के बैनर तले रजौली प्रखंड कार्यालय पहुंची और बाल विकास परियोजना कार्यालय के मुख्य गेट के सम्मुख बैठकर केंद्र तथा राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। सेविकाओं ने कहा कि पूर्व में भी अपनी विभिन्न समस्याओं से संबंधित मांग पत्र संबंधित पदाधिकारी और जिला पदाधिकारी को देकर समाधान की मांग की गई थी। परंतु आज तक इस पर कोई पहल नहीं होने से से-विका और सहायिका हड़ताल तब तक रहेगा। जब तक उनकी मांगों को नहीं माना जाता तब तक हड़ताल जारी रहेगी। आंगनबाड़ी के प्रखंड सचिव पम्मी कुमारी ने बताया कि फिलहाल हमलोग का मुख्य रूप से पांच मांग है। अन्य राज्यो की भांति मानदेय में वृद्धि, सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार 3.45वे एवं 46वे श्रम संशोधन के अनुसार ग्रेच्युटी लागू किया जाय सेविका को 26000हजार एवं सहायिका बहनों को 13000 हजार, 4 सेविका-सहायिका के मृत्यु उपरांत अनुकंपा का लाभ 5 कार्य के घंटे 4 से बढ़ाकर 08घंटे निर्धारित हो। सचिव ने बताया कि आंगनबाड़ी सेविका सहायिका हड़ताल पर जाने से। इसका असर बच्चों की स्कूल पूर्व शिक्षा और उन्हें मिलने वाला पोषाहार दोनों प्रभावित होगा। हड़ताल में शामिल होने वाले सेविकाओं में अनिता कुमारी सहित बड़ी संख्या में सेविका और सहायिका धरना प्रदर्शन में शामिल हुए।

जनसंख्या समाधान फाउंडेशन 29 अक्टूबर को प्रधानमंत्री कार्यालय में देगा दस्तक

किशनगंज, (हि.स.)। देश में शीघ्र जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने की मांग को लेकर जनसंख्या समाधान फाउंडेशन आगामी 29 अक्टूबर को प्रधानमंत्री कार्यालय में दस्तक देगा। उक्त बातें फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने प्रदेश संयोजक अंकित कौशिक एवं किशनगंज जिलाध्यक्ष हरि किशोर साह, जिला संयोजक श्यामल दास संग कानून के समर्थन में चलाए जा रहे देशव्यापी हस्ताक्षर सह जन संपर्क अभियान में भाग लेने के दौरान कही।

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि जनसंख्या नियंत्रण पर विश्व में सबसे पहले नीति बनाने वाला भारत संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला देश बन चुका है फिर भी तथा कथित बुद्धिजीवी और दल के लोग जनसंख्या नियंत्रण पर उचित कानून बनाने के विरोध में कुतर्क गढ़ते रहते है जो राष्ट्रहित में नही है। उन्होंने कहा कि देश के संसाधन पर बोझ बढ़ाती जन संख्या पर नियंत्रण हेतु सख्त कानून बनवाने के लिए फाउंडेशन कृत संकल्पित है, और इसे शीघ्र लागू करवाने हेतु पूरे देश में निरंतर जन जागरुकता के साथ साथ हस्ताक्षर अभियान चला रही है जिसके अगले चरण में 29 अक्टूबर को दिल्ली सीमा से पीएम कार्यालय तक राष्ट्र रक्षा रैली निकालकर ना सिर्फ पीएमओ में दस्तक देगी बल्कि कानून के समर्थन में देश भर से संग्रहीत करोडों हस्ताक्षर युक्त मांग पत्र प्रधानमंत्री को सौंप कर इसे यथा शीघ्र कानून बनाने की मांग करेगी। प्रान्त संयोजक अंकित कौशिक जिलाध्यक्ष हरि किशोर साह, जिला संयोजक श्यामल दास ने बताया कि राष्ट्र रक्षा रैली की सफलता हेतु किशनगंज में भी व्यापक संपर्क किया जा रहा और संपूर्ण देश के साथ जिले से 25 हजार से अधिक हस्ताक्षर युक्त मांग पत्र लेकर सैकड़ों लोग की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए फाउंडेशन के सदस्य जुटे है।

संपादकीय

भारत की चैंपियन बेटियां

सिफ्ट कौर सामरा 50 मीटर राइफल की निशानेबाजी की नई एशियाई चैम्पियन बनी हैं, लेकिन वह विश्व चैम्पियन भी हैं, क्योंकि उन्होंने एक साथ विश्व रिकॉर्ड और एशियन रिकॉर्ड स्थापित कर स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने 469.6 अंक हासिल कर विश्व कीर्तिमान रचा है। 1986 में सोमा दत्ता ने इसी 3 पोजिशन में, सियोल एशियन खेलों में, रजत पदक जीता था, लिहाजा ऐसी कामयाबी वाली, सभी वर्गों में, वह भारत की प्रथम निशानेबाज हैं। सिफ्ट ने टीम स्पर्धा में भी रजत पदक हासिल किया है। हांगझोउ एशियन खेलों का चौथा दिन, भारत के लिहाज से, बेहद खुशगवार रहा। पदकों की खूब बौछार हुई। सिफ्ट के अलावा ईशा सिंह, मनु भाकर, रिद्म सांगवान की तिकड़ी ने भी 25 मीटर पिस्टल की टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। आशी सिंह, माणिनी सरीखी पदकवीर बेटियों का नाम भी विजेताओं की श्रेणी में रखा जाएगा। भारत की इन सामान्य-सी बेटियों ने आसमान छूकर 'मां भारती' को सम्मानित किया है और खुद को 'असाधारण' साबित किया है। एशियन खेल या राष्ट्रमंडल खेलों के मुकाबले हों अथवा विश्व चैंपियनशिप, ओलंपिक के मैदान हों, खेलों में प्रतिद्वंद्विता गला-काट होती है। एक-एक अंक के लिए जद्दोजहद की जाती है। भारत की बेटी सिफ्ट ने, 7.3 अंकों के फासले से, चीनी खिलाड़ी को मात देकर विश्व कीर्तिमान अपने नाम किया है। ब्रिटेन के नाम पुराने कीर्तिमान को पोंछ दिया है। यकीनन यह गगनचुंबी सफलता और उपलब्धि है। गौरतलब तो यह है कि फरीदकोट (पंजाब) के एक किसान घर और चावल का कारोबार करने वाले परिवार की बेटी सिफ्ट की प्राथमिकता निशानेबाजी नहीं थी। वह एमबीबीएस की छात्रा है। जाहिर है कि 'डॉक्टर साहिबा' बनने की राह पर हैं, लिहाजा सिफ्ट खुद को 'आकस्मिक निशानेबाज' मानती हैं। मेडिकल से मेडल तक की यात्रा 22 वर्षीय बेटी के लिए बड़ी असमंजस भरी रही होगी, लेकिन सिफ्ट ने माता-पिता की सलाह पर 'निशानेबाज' बनना तय किया। आज वह जिस मुकाम पर हैं, खुद इतिहास लिख रही हैं। 25 मीटर पिस्टल की रजत पदक विजेता ईशा सिंह को हरेक गोली की आवाज 'संगीत का सुर' लगती है। मनु भाकर एक विख्यात नाम है, लेकिन वह टोक्यो ओलंपिक समेत कुछ प्रतियोगिताओं में असफल रही थीं, लेकिन इस बार गले में 'पीला तमगा' पहन कर, ऊपर उठते 'तिरंगे' को देखते हुए, राष्ट्रगान सुनकर प्रसन्न होंगी। दरअसल खेल की दुनिया में ऐसी बेटियों का भी सार्वजनिक उल्लेख निरंतर किया जाना चाहिए, उन्हें सुर्खियों में छापा जाना चाहिए, वे हाशिए का चेहरा नहीं हैं, क्योंकि एक खिलाड़ी के तौर पर वे भी 'चैम्पियन' बनती हैं। आज मणिपुर के हालात पूरे देश के सामने हैं। रोशिबिना के मानस और मन में भी हिंसा और अशांति की अनगिनत छवियां अंकित रही होंगी, लेकिन वह वुशु खेल के फाइनल तक पहुंची। आप जब यह आलेख पढ़ रहे होंगे, तो एक और बेटी भारत के लिए कमोबेश रजत पदक जीत चुकी होगी! 2010 में संध्यारानी देवी की ऐसी सफलता के बाद रोशिबिना दूसरी महिला भारतीय खिलाड़ी हैं। विश्व चैम्पियन मुक्केबाज निकहत •रीन भी अपने भार-वर्ग में ताकतवर मुक्के बरसाती हुई क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी हैं। वह भी पदक की एक पुख्ता उम्मीद हैं। लड़कियों की हॉकी ने जिस तरह का खेल दिखाया है और सिंगापुर की टीम को 13-0 से कुचल दिया है, वे भी पदक की सशक्त उम्मीद हैं। सिफ्ट का निशानेबाजी के प्रति समर्पण देखा जा सकता है कि उन्होंने निशानेबाजी को पूरा वक्त देने के लिए 'डॉक्टरी' की पढ़ाई छोड़ दी है। अब वह 'बेचलर ऑफ फीजिकल एजुकेशन एंड स्पोट्र्स' की पढ़ाई गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर से कर रही हैं। यह फैसला उनका और माता-पिता का साझा फैसला है। बाद में सिफ्ट आईएएस बनना चाहती हैं, लेकिन फिलहाल वह निशानेबाजी को समर्पित हैं और कुछ विश्वस्तरीय जीत हासिल करना चाहती हैं। बहरहाल भारत में प्रतिभाओं का भंडार है, लेकिन सरकार सभी की पर्याप्त मदद करे और उन्हें पदक के मंच तक पहुंचाने में भूमिका अदा करे। शाबाश बेटियो! जिंदाबाद! भारत को अपना खेल ढांचा सुदृढ़ करने की जरूरत है। विकसित देशों की तुलना में भारत में खिलाडियों को बेहतर सुविधाएं नहीं मिल पाती हैं। प्रायः प्रशिक्षण में कमी के चलते भारतीय खिलाड़ी विश्व स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण पिछड़ जाते हैं। अगर भारतीय खिलाडियों को वैश्विक स्तर की सुविधाएं मिल जाएं तो वे कड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं और भारत का खेल प्रदर्शन भी सुधर जाएगा। वर्तमान केंद्र सरकार को इस मसले की ओर ध्यान देने की जरूरत है।

1986 में सोमा दत्ता ने इसी 3 पोजिशन में, सियोल एशियन खेलों में, रजत पदक जीता था, लिहाजा ऐसी कामयाबी वाली, सभी वर्गों में, वह भारत की प्रथम निशानेबाज हैं। सिफ्ट ने टीम स्पर्धा में भी रजत पदक हासिल किया है। हांगझोउ एशियन खेलों का चौथा दिन, भारत के लिहाज से, बेहद खुशगवार रहा। पदकों की खूब बौछार हुई। सिफ्ट के अलावा ईशा सिंह, मनु भाकर, रिद्म सांगवान की तिकड़ी ने भी 25 मीटर पिस्टल की टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। आशी सिंह, माणिनी सरीखी पदकवीर बेटियों का नाम भी विजेताओं की श्रेणी में रखा जाएगा। भारत की इन सामान्य-सी बेटियों ने आसमान छूकर 'मां भारती' को सम्मानित किया है और खुद को 'असाधारण' साबित किया है। एशियन खेल या राष्ट्रमंडल खेलों के मुकाबले हों अथवा विश्व चैंपियनशिप, ओलंपिक के मैदान हों, खेलों में प्रतिद्वंद्विता गला-काट होती है। एक-एक अंक के लिए जद्दोजहद की जाती है। भारत की बेटी सिफ्ट ने, 7.3 अंकों के फासले से, चीनी खिलाड़ी को मात देकर विश्व कीर्तिमान अपने नाम किया है। ब्रिटेन के नाम पुराने कीर्तिमान को पोंछ दिया है। यकीनन यह गगनचुंबी सफलता और उपलब्धि है। गौरतलब तो यह है कि फरीदकोट (पंजाब) के एक किसान घर और चावल का कारोबार करने वाले परिवार की बेटी सिफ्ट की प्राथमिकता निशानेबाजी नहीं थी।

कुछ अलग

दोहरा रवैया ठीक नहीं

आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में जिस तरह से कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने बगैर किसी ठोस सबूत के भारत पर आरोप लगा दिया और उसके बाद अमेरिका ने जांच में सहयोग का राग अलाप कर भारत को परोक्ष नसीहत देने की कोशिश की, वह अंतरराष्ट्रीय हलकों में किसी से छुपा नहीं है। विदेशमंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से मंगलवार को दिए अपने भाषण में बड़ी बारीकी से उन सभी सवालों को संबोधित किया, जो इस सिलसिले में उठ रहे थे। उन्होंने मंच की सीमाओं का खयाल रखते हुए न केवल भारत का पक्ष स्पष्ट किया बल्कि अन्य देशों को भी उनकी सीमाओं का अहसास कराया। विदेश मंत्री ने साफ कहा कि अब वह दौर नहीं रहा जब कुछ देश मिलकर दुनिया का अजेंडा सेट करें। जयशंकर ने भले ही कनाडा या किसी अन्य देश का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी बातों से साफ था कि वह किस ओर इशारा कर रहे हैं। फिर भी अगर किसी के मन में कोई संदेह रह गया हो तो न्यूयॉर्क में काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस में हुई चर्चा के दौरान वह भी साफ हो गया। वहां उन्होंने साफ-साफ कहा कि कनाडा अगर कोई ठोस और सटीक सबूत देता है, तो भारत निश्चित रूप से उस पर विचार करेगा, लेकिन वहां पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से आतंकवादी और अलगाववादी गतिविधियां बढ़ी हैं, संगठित अपराध बढ़ा है, उससे जुड़ी भारत की चिंताओं का क्या? वहां भारतीय राजनयिकों को धमकियां दी जाती हैं, भारतीय कॉन्स्युलेट पर हमला होता है और उनके लिए जिम्मेदार तत्वों के बारे में पूरी सूचना मुहैया कराए जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती, उलटे उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का हवाला दिया जाता है। ऐसी स्थिति कैसे मंजूर की जा सकती है? रही बात अमेरिका की तो हाल के वर्षों में उसके साथ भारत के द्विपक्षीय रिश्तों में जो करीबी आई है और जिस तरह से दोनों देशों में सामरिक भागीदारी बढ़ी है, उसका ध्यान रखना दोनों पक्षों के लिए जरूरी है। संभवतः इसी वजह से विदेश मंत्री जयशंकर इस पर अभी सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कह रहे। लेकिन जहां तक अकाउंटेबिलिटी पर जोर देने की बात है तो यह नियम सबके लिए होना चाहिए। और भारत के बारे में तो अभी सिर्फ आरोप है, वह भी ऐसा जिसका कोई ठोस आधार भी सामने नहीं आया है, जिस देश की सरकार ने आरोप लगाया है, वहां जांच तक पूरी नहीं हुई है, पर जिन देशों पर अन्य राष्ट्रों की संप्रभुता और सीमाओं का उल्लंघन करते हुए कार्रवाई करने के मामले ज्यादा ठोस रूप में सामने आ चुके हैं उन पर चुप्पी क्यों? क्या यह अजीब नहीं है कि जिम्मेदारी तय करने का यह जोश सिर्फ भारत के मामले में दिखाया जा रहा है? जयशंकर ने सही कहा कि आतंकवाद से जुड़े ऐसे मामलों पर आज भी कई देश दोहरा रवैया अपना रहे हैं, जो उचित नहीं।

खेल प्रशिक्षक की नियुक्ति ही उच्च खेल परिणामों के लिए की गई होती है

प्रशिक्षक को सही प्रबंधन दो

भूपिंदर सिंह

विश्व स्तर पर किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का होना बेहद जरूरी होता है। हमारे यहां खेल प्रशिक्षण के लिए वह वातावरण ही नहीं बन पाया है, जिसमें प्रशिक्षक खिलाड़ी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट परिणाम दिला सके। खेल प्रशिक्षण दस साल से भी अधिक समय तक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। इतनी समय अवधि खेल प्रशिक्षण को देकर ही खिलाड़ी अपने प्रदेश व देश को गौरव दिला पाता है। हिमाचल प्रदेश में लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम का कोई भी प्रावधान अभी तक नहीं बन पाया है।

आज का अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है, क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है। मानव द्वारा विज्ञान में बहुत प्रगति कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा के क्षेत्र में नए-नए सफल शोध कर जीवनशैली को काफी आसान व सुविधाजनक बना लिया है, मगर शिक्षण व प्रशिक्षण में शिक्षक व प्रशिक्षक की भूमिका का महत्व आज भी वही है जैसा हजारों साल पहले था। महाभारत में कृष्ण सारथी नहीं होते तो क्या अर्जुन भीष्म, कर्ण व अन्य अजेय महारथियों को हरा पाते। विश्व स्तर पर किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का होना बेहद जरूरी होता है। हमारे यहां खेल प्रशिक्षण के लिए वह वातावरण ही नहीं बन पाया है, जिसमें प्रशिक्षक खिलाड़ी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट परिणाम दिला सके। खेल प्रशिक्षण दस साल से भी अधिक समय तक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। इतनी समय अवधि खेल प्रशिक्षण को देकर ही खिलाड़ी अपने प्रदेश व देश को गौरव दिला पाता है। हिमाचल प्रदेश में लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम का कोई भी प्रावधान अभी तक नहीं बन पाया है।

हिमाचल प्रदेश राज्य युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के प्रशिक्षकों को कभी विभिन्न विभागों की भर्तियों में ड्यूटी तो कभी मेलों व उत्सवों में हाजिरी भरनी पड़ती है। खेल प्रशिक्षक की नियुक्ति ही उच्च खेल परिणामों के लिए की गई होती है, मगर यहां पर प्रशिक्षकों को केवल मल्टीपर्पज कर्मचारी बना दिया गया है। हिमाचल प्रदेश के अधिकतर प्रशिक्षकों का कार्य उच्च खेल प्रशिक्षण से हट कर अपनी फिटनेस तथा सेना में भर्ती कराने तक सीमित हो गया है। हिमाचल प्रदेश के मेलों व उत्सवों में किसी और खेल का प्रशिक्षक किसी और ही

खेल की प्ले फील्ड में नजर आता है। इसी तरह पुलिस आदि विभागों की भर्तियों में एथलेटिक्स प्रशिक्षकों की ड्यूटी तो समझ आती है, मगर वहां तो हर खेल के प्रशिक्षक को भेज दिया जाता है। नियमानुसार इन भर्तियों के लिए एथलेटिक्स प्रशिक्षक ही सक्षम है, क्योंकि इस टैस्ट में केवल एथलेटिक स्पर्धाओं को ही रखा गया है। ऐसे में एथलेटिक्स प्रशिक्षक की ड्यूटी तो समझ आती है, मगर वहां अन्य खेलों, जैसे कुश्ती, मुक्केबाजी, हैंडबाल व वॉलीबाल आदि के प्रशिक्षक का क्या औचित्य है, इस बात का उत्तर किसी के भी पास नहीं है। विभिन्न सरकारों ने खेल ढांचे में काफी तरक्की भी की है, मगर क्षमतावान प्रशिक्षकों की नियुक्ति के बारे में हिमाचल में अभी तक कुछ भी नहीं हो पाया है। स्तरीय प्रशिक्षकों के बिना उत्कृष्ट प्रदर्शन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जो प्रशिक्षक खेल प्रशिक्षण से दूर रह कर मौज-मस्ती कर रहा है, वह तो खुश रहता होगा, मगर जो सच ही में प्रशिक्षण करवा रहा होगा, वह जब कई दिनों तक खेल मैदान से दूर रहेगा तो फिर कौन अभिभावक अपने बच्चे को बिना प्रशिक्षक के मैदान में भेजेगा। हद तो तब हो जाती है जब राज्य में चल रहे खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी भर्तियों में लगा दी जाती है और खेल छात्रावास में रह रहे खिलाडियों को भी खेल प्रशिक्षण से दूर कर दिया जाता रहा है।

क्या प्रतिभा खोज से चयनित इन अति प्रतिभाशाली खिलाडियों को प्रशिक्षक से कुछ समय के लिए ही सही, इस तरह प्रशिक्षण कार्यक्रम से दूर करना कहां तक उचित है? खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी खेल प्रशिक्षण के सिवा और कहीं भी नहीं होनी चाहिए। आजकल हर शिक्षित मां-बाप के दो और कई जगह तो एक ही बच्चा है, ऐसे में वह उसे उस क्षेत्र में उच्चतम शिखर तक ले जाना चाहता है जिसमें बच्चे की रुचि व उस क्षेत्र के लिए पर्याप्त प्रतिभा भी हो। आज का अभिभावक अपने बच्चों के कैरियर की खातिर ही सरकार की मुफ्त शिक्षा सुविधाओं को छोडक़र निजी क्षेत्र की महंगी, मगर अधिक गुणवत्ता वाली शिक्षा के लिए लाखों रुपए खर्च कर रहा है। आज लाखों प्रतिभाशाली विद्यार्थी निजी कोचिंग संस्थानों में डाक्टर व इंजीनियर बनने इसलिए जमा दो की परीक्षा से कई वर्ष पहले पहुंच रहे हैं। इसी तरह अब खेल क्षेत्र में भी हो रहा है। अभिभावक अपने बच्चों के लिए खेलों में भी कैरियर तलाश रहा है और इस सबके लिए अच्छी खेल सुविधाओं के साथ-साथ उच्च स्तरीय प्रशिक्षक भी लगातार कई वर्षों तक उसके बच्चों को मिलना चाहिए ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता बनने का सफर सफलतापूर्वक पूरा कर सकें। इसलिए देश में निजी खेल अकादमियों का चलन भी बढ़ रहा है। गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी के विश्व स्तर के परिणाम सबके सामने हैं।

यह सब लगातार अच्छे प्रशिक्षण कार्यक्रम का ही नतीजा है। इस समय विभिन्न खेलों के लिए देश में निजी स्तर पर कई आकादमियां शुरू हो चुकी हैं। इन खेल अकादमियों को अधिकतर पूर्व ओलंपियन चला रहे हैं और यहां से अच्छे खेल परिणाम भी मिल रहे हैं। इन अकादमियों में जो विशेष है, वह यह है कि यहां उच्च क्षमता वाला प्रशिक्षक लगातार उपलब्ध है। हिमाचल प्रदेश के पास आज विभिन्न खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड तैयार हैं, वहां पर या तो प्रशिक्षक हैं ही नहीं और जहां हैं भी, वे या तो प्रशिक्षण से बेरुख हैं या उनमें अच्छे स्तर के खेल परिणाम दिलाने की क्षमता ही नहीं है। क्या हिमाचल सरकार पंजाब, गुजरात आदि राज्यों की तरह उत्कृष्ट खेल परिणाम दिलाने वाले बढिया प्रशिक्षकों को यहां लगातार कई वर्षों के लिए अनुबंधित कर प्रदेश के खिलाडियों को राज्य में ही प्रशिक्षण सुविधा दिला कर खेल प्रतिभा का पलायन रोक नहीं सकती है? इससे प्रदेश में खेल वातावरण बनेगा तो हर खेल प्रशिक्षक प्रेरित होकर चाहेगा कि उसके शिष्य भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करें। इस सबके लिए खेल विभाग व जहां प्रशिक्षक प्रशिक्षण करवा रहा है, वहां उसे सही प्रबंधन देकर प्रशिक्षण कार्यक्रम से जोडऩा होगा। तभी पहाड़ की संतानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के सही मौके मिलेंगे।

पाकिस्तान से बातचीत का सवाल

श्रीनगर की जामिया मस्जिद के मीरवाइज सैयद उमर फारूक ने आग्रह किया है कि कश्मीर के मसले पर पाकिस्तान से बातचीत कर लेनी चाहिए। वे काफी लम्बे अरसे बाद 22 सितम्बर 2023 को मस्जिद में आए थे। वे इस मस्जिद से अपने भक्तों को प्राय : सम्बोधित करते रहते हैं और उन्हें दिशा निर्देश भी देते रहते हैं। मीर का अर्थ मुख्य होता है जिसे अंग्रेजी में चीफ भी कह सकते हैं। वाइज का अर्थ प्रचारक है। लेकिन यहां प्रचारक का अर्थ इस्लाम का प्रचारक है। मीरवाइज यानी इस्लाम का मुख्य प्रचारक। मीरवाइज मस्जिद में मुसलमान बच्चों को मजहब की शिक्षा भी देते हैं। लेकिन पिछले आठ नौ दशकों में उन्होंने कश्मीर की राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभानी शुरू कर दी है। 1931 में मुस्लिम कान्फ्रेंस की स्थापना में भी एक मीरवाइज का ही हाथ था। श्रीनगर में दो मीरवाइज हैं। एक तो जामिया मस्जिद के मीरवाइज हैं और दूसरे खानगाहे मौला के मीरवाइज हैं।

शेख मोहम्मद अब्दुल्ला को 1964 में जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान से गोलमेज कान्फ्रेंस करने के लिए पाकिस्तान भेजा था। इसकी चर्चा यथास्थान की जाएगी। अब श्रीनगर की जामिया मस्जिद के मीरवाइज सैयद उमर फारूक ने आग्रह किया है कि कश्मीर के मसले पर पाकिस्तान से बातचीत कर लेनी चाहिए। वे काफी लम्बे अरसे बाद 22 सितम्बर 2023 को मस्जिद में आए थे। वे इस मस्जिद से अपने भक्तों को प्रायः सम्बोधित करते रहते हैं और उन्हें दिशा निर्देश भी देते रहते हैं। मीर का अर्थ मुख्य होता है जिसे अंग्रेजी में चीफ भी कह सकते हैं। वाइज का अर्थ प्रचारक है। लेकिन यहां प्रचारक का अर्थ इस्लाम का प्रचारक है। मीरवाइज यानी इस्लाम का मुख्य प्रचारक। मीरवाइज मस्जिद में मुसलमान बच्चों को मजहब की शिक्षा भी देते हैं। लेकिन पिछले आठ नौ दशकों में उन्होंने कश्मीर की राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभानी शुरू कर दी है। 1931 में मुस्लिम कान्फ्रेंस की स्थापना में भी एक मीरवाइज का ही हाथ था। श्रीनगर में दो मीरवाइज हैं। एक तो जामिया मस्जिद के मीरवाइज हैं और दूसरे खानगाहे मौला के मीरवाइज हैं। उन्हें मीरवाइज हमदानी भी कहा जाता है। लेकिन इन दोनों मीरवाइजों के पूर्वज सैयद अली हमदानी हैं। हमदानी ईरान में तैमूरलंग के सताए हुए थे। उसी के डर से वे भागकर कश्मीर आ गए थे। लेकिन अब सैयद अली हमदानी की संतानें दो भागों में बंट चुकी हैं। एक जामिया मस्जिद में मीरवाइज है और दूसरा खानगाहे मौला में मीरवाइज है। इतना लम्बा कालखंड गुजर जाने के कारण, अब ये परस्पर विरोधी ही नहीं हैं, बल्कि कई बार इनके भक्त आपस में मारपीट भी करते हैं। ये दोनों मीरवाइज मुसलमानों की अशरफ/एटीएम श्रेणी से आते हैं। मुसलमानों की अशरफ या एटीएम श्रेणी में अरब, तुर्क व मुगल मंगोल मूल के मुसलमान आते हैं। कश्मीर विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष रहे स्व. बशीर अहमद डाबला इन्हें मुस्लिम्ज ऑफ फारेन ओरिजन कहते हैं। कश्मीर में मुसलमानों का दूसरा बहुत बड़ा समूह डीएम या देसी मुसलमानों का है। ये स्थानीय लोग हैं जो पिछले छह सौ सालों में किन्हीं भी कारणों से अपनी विरासत छोड़ कर इस्लाम पंथ में चले गए थे। पिछले दिनों जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने यह बात कही भी थी। आजाद देसी मुसलमानों की जमात से ताल्लुक रखते हैं। अशरफ मुसलमान देसी मुसलमानों को अलजाफ/पसमांदा, अरजाल न जाने क्या क्या कहते हैं। कश्मीर घाटी में मीरवाइजों को एटीएम/अशरफ मूल के मुसलमानों का नेता भी माना जाता है। एटीएम और डीएम में प्रायः झगड़ा भी होता रहता है। कई बार तो झगड़ा जरूरत से ज्यादा भी बढ़ जाता है। कई दशक पहले झगड़ा उतना बढ़ गया था कि कश्मीर के देसी मुसलमानों ने स्वयं को शेर और मीरवाइज के अशरफ मुसलमानों को बकरा कहना शुरू कर दिया था। परोक्ष रूप से शेर-बकरा का यह झगड़ा किसी न किसी रूप में आज तक चला हुआ है। 1947 में जामिया मस्जिद के मीरवाइज मोहम्मद यूसुफ शाह भाग कर पाकिस्तान चले गए थे। पाकिस्तान सरकार ने उन्हें तथाकथित आजाद कश्मीर का राज्यपाल भी बनाए रखा। उस वक्त कश्मीर के देसी मुसलमानों ने आवाज भी उठाई थी कि अब मीरवाइज का पद किसी देसी मुसलमान को मिलना चाहिए। लेकिन यह पद आज तक परम्परागत ही चला आ रहा है। वर्तमान मीरवाइज सैयद उमर फारूक के पिता को आतंकवादियों ने गोली से उड़ा दिया था। वे वैसे तो आतंकवादियों की बोली ही बोलते थे, लेकिन बीच में उन्होंने पाकिस्तान द्वारा निर्धारित रास्ते से एक दो कदम अलग से चलने की कोशिश की थी, जिसका खमियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। उमर फारूक लम्बे अन्तराल के बाद 22 सितम्बर 2023 को जामा मस्जिद में अपने श्रद्धालुओं के बीच पहुंचे थे। रिकार्ड के लिए वे अभी भी तथाकथित हुर्रियत कान्फ्रेंस के अध्यक्ष हैं। वहां उन्होंने कश्मीर की आजकल की राजनीति को लेकर भी सुझाव दिए। उनका मानना था कि कश्मीरी हिन्दू वापस कश्मीर में आ सकें, इसके लिए माहौल बनाना चाहिए। उनका कहना था कि कश्मीर को लेकर पाकिस्तान से बात करनी चाहिए। ऐसा सुझाव पिछले दिनों फारूक अब्दुल्ला और उनके सुपुत्र उमर अब्दुल्ला भी दे चुके हैं। यहां तक कि पीडीपी की अध्यक्षा सैयदा महबूबा मुफ्ती भी यही बात कह चुकी हैं। इन लोगों का यह सुझाव सचमुच काम का है और ये लोग इसमें महत्वपूर्ण भूमिका भी निभा सकते हैं। जम्मू कश्मीर व लद्दाख का बहुत बड़ा हिस्सा पाकिस्तान ने बलपूर्वक अपने कब्जे में रखा हुआ है। उसको लेकर पाकिस्तान से तीन लड़ाइयां भी हो चुकी हैं। लेकिन उसके बावजूद जम्मू कश्मीर व लद्दाख का वह हिस्सा मुक्त नहीं करवाया जा सका। सभी मानते हैं कि लड़ाई की बजाय शान्ति से मसलों का हल होना चाहिए। यदि पाकिस्तान बलपूर्वक कब्जाए गए हिस्से शान्तिपूर्ण तरीके से छोड़ दे तो मसले का इससे बेहतर क्या हल हो सकता है? लड़ाई के मैदान में जाने की बजाय मेज पर बैठ कर पाकिस्तान से इस विषय पर बातचीत कर लेनी चाहिए कि वह प्रदेश के कब्जाए गए हिस्से पर कब्जा कब छोड़ेगा। लेकिन पाकिस्तान से बातचीत करने से पहले वार्ताकारों को स्वयं कम से कम दो तथ्य स्पष्ट होने चाहिए। पहला तो यह कि पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर और लद्दाख के कुछ हिस्से पर 1947 से कब्जा किया हुआ है। दूसरा यह कि पाकिस्तान से बातचीत करते समय एजेंडा क्या होना चाहिए। जहां तक पहले तथ्य का सवाल है, तो मीरवाइज, सैयदा महबूबा मुफ्ती, फारूक अब्दुल्ला व उमर अब्दुल्ला इतना तो जानते ही होंगे कि पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर और लद्दाख के कुछ हिस्सों पर कब्जा किया हुआ है। मीरवाइज के पितामह पाकिस्तान में जाकर तथाकथित आजाद कश्मीर के सदर हो गए थे। अब्दुल्ला और मुफ्ती प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। प्रदेश के मानचित्र से ही पता चल गया होगा कि पाकिस्तान ने कितना हिस्सा हड़पा हुआ है।

देश दुनीया से

कार्यवाहक सरकार से निपटता पाकिस्तान, सांविधानिक भूमिका भूली हुकूमत और हुकमरान

कनेक्टिविटी ने पाकिस्तान में, खासकर मुल्क के उन हिस्सों में बड़ी भूमिका निभाई है, जो कमोबेश कटे हुए थे। सात दशकों बाद अब कई इलाकों को धीरे-धीरे खोजा जा रहा है। सिंधु घाटी सभ्यता के इतिहास और विरासत पर हाल ही में एक रिपोर्ट आई है, जिसमें हड़प्पा के सींगों से लेकर शिव के रथ तक अमर उजाला के पाठकों के लिए दिलचस्प जानकारियां हैं। ये जानकारियां मोहनजो दारो और हड़प्पा में खोजी गई पुरानी मुहरों से संबंधित हैं। इनमें से कई मुहरों पर बैल को दर्शाया गया है। बैल एक ऐसा पशु है, जो इन प्राचीन मुहरों पर दिखने वाले कई अन्य पशुओं की तुलना में कई मुहरों पर पाया जाता है। इन प्राचीन घटनाओं को दर्ज करने वाले इतिहासकारों का कहना है कि एक मिथक के अनुसार, जब शिव त्रिपुरासुर से युद्ध करने वाले थे, तो जिस रथ पर वह सवार थे वह धंस गया, और न तो शिव और न ही ब्रह्मा उसे वापस खींच सके। देवताओं की निराशा को देखकर भगवान विष्णु एक बैल में बदल गए। उस बैल ने शिव और ब्रह्मा को ले जा रहे रथ को अपनी सींगों से उठा लिया और एक शक्तिशाली गर्जना की। लेखक अरशद अवान का कहना है कि सिंधु घाटी सभ्यता की खोज के समय से मोहनजो दारो की तथाकथित आदिम शिव मुहर, जिसे पशुपति मुहर भी कहा जाता है, व्यापक बहस का विषय रही है। इन ऐतिहासिक विषयों से अलग, राजधानी इस्लामाबाद में मुल्क एक कार्यवाहक सरकार से निपटने की कोशिश कर रहा है, जो संविधान के अनुसार, तब गठित की जाती है, जब एक निर्वाचित सरकार का कार्यकाल खत्म हो जाता है और नए चुनाव का आह्वान किया जाता है। बांग्लादेश को छोड़कर मुझे नहीं लगता कि दक्षिण एशिया में कोई ऐसा देश है, जिसके संविधान में इस तरह की विवादास्पद जरूरत का प्रावधान हो। हालांकि कार्यवाहक सरकार की एकमात्र भूमिका स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित कराना है, लेकिन यहां की मौजूदा कार्यवाहक सरकार अपने सांविधानिक अधिकार से परे जाकर नीतिगत घोषणाएं कर रही है। इन दिनों मुल्क में मीडिया अपेक्षाकृत स्वतंत्र है, हालांकि सुरक्षा प्रतिष्ठान पर टिप्पणी करने के मामले में स्व-प्रतिबंध जारी है। सोशल मीडिया ही वह जगह है. जहां सुरक्षा प्रतिष्ठान पर टिप्पणी की जाती है या उसका विश्लेषण किया जाता है, लेकिन अब उस पर भी निगरानी रखी जा रही है और हर दिन सरकार ट्विटर (अब एक्स) से उस व्यक्ति की शिकायत करती है, जिसने मुल्क के कानून का उल्लंघन किया है। मेरे साथ ऐसा कई बार हुआ है, जब ट्विटर ने मुझे ई-मेल से सरकार की शिकायत के बारे में बताया है। आखिरी शिकायत एक ट्वीट से संबंधित थी, जिसमें वजीरिस्तान के उन बच्चों की तस्वीर थी, जो सेना द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ लगाई गई बारूदी सुरंग में घायल होकर अपंग हो गए थे। वहां इस बात का कोई संकेत नहीं है कि अब वह इलाका अपेक्षाकृत शांत है और आतंकवादी वहां से चले गए हैं। यदि लाल झंडा या कुछ अन्य संकेतक लगा दिए जाएं, तो हर कोई बारूदी सुरंग वाले क्षेत्र से दूर रहेगा। मुझे याद है कि जब सोवियत संघ ने अफगानिस्तान छोड़ा था, जिस पर उन्होंने वर्षों तक कब्जा जमाए रखा था, तो जाने से पहले उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को उन इलाकों का नक्शा दिया था, जहां उन्होंने बारूदी सुरंग लगाई थी, ताकि कोई नागरिक हताहत न हो। स्वतंत्र मीडिया कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवर उल हक काकड़ की सरकार के बारे में खुले तौर पर आलोचनात्मक रहा है, जो इस तथ्य से कतराते नहीं हैं कि उन्हें और उनके मंत्रिमंडल को सुरक्षा प्रतिष्ठान द्वारा नामित किया गया है। एक ही दिन में कई इंटरव्यू देने के साथ-साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले कक्कड़ के अलावा कोई दूसरा प्रधानमंत्री मीडिया के लिए उपलब्ध नहीं रहा।

सिंधु घाटी सभ्यता के इतिहास और विरासत पर हाल ही में एक रिपोर्ट आई है, जिसमें हड़प्पा के सींगों से लेकर शिव के रथ तक अमर उजाला के पाठकों के लिए दिलचस्प जानकारियां हैं। ये जानकारियां मोहनजो दारो और हड़प्पा में खोजी गई पुरानी मुहरों से संबंधित हैं। इनमें से कई मुहरों पर बैल को दर्शाया गया है। बैल एक ऐसा पशु है, जो इन प्राचीन मुहरों पर दिखने वाले कई अन्य पशुओं की तुलना में कई मुहरों पर पाया जाता है। इन प्राचीन घटनाओं को दर्ज करने वाले इतिहासकारों का कहना है कि एक मिथक के अनुसार, जब शिव त्रिपुरासुर से युद्ध करने वाले थे, तो जिस रथ पर वह सवार थे वह धंस गया, और न तो शिव और न ही ब्रह्मा उसे वापस खींच सके। देवताओं की निराशा को देखकर भगवान विष्णु एक बैल में बदल गए। उस बैल ने शिव और ब्रह्मा को ले जा रहे रथ को अपनी सींगों से उठा लिया और एक शक्तिशाली गर्जना की।

दृष्टिकोण

मेहमान आ रहे हैं!

मैंने अपने एक मित्र को फोन किया- 'क्यों भाई क्या कर रहे हो?' मित्र ने बहुत अनमने मन से उत्तर दिया- 'अरे यार, रेलवे स्टेशन जा रहा हूं, मेहमान आ रहे हैं।' मैंने हंसकर कहा- 'क्यों मजाक कर रहे हैं, यह नई सदी में मेहमानों का क्या लफड़ा है? अब कौन मेहमान बनना पसंद करता है और मेजबान भी नहीं रहे।' मित्र ने जवाब दिया- 'मजाक नहीं कर रहा, आज वाकई मेहमान आ रहे हैं और वह भी तीन दिनों के लिए।' मैंने उससे पूछा- 'अब क्या करोगे तुम?' मित्र एक पल चुप्पी साध गए और फिर बोले- 'अब जो भी होगा, हो जाएगा। मेहमान भी बहुत नजदीक के हैं। टाला भी नहीं जा सकता।' 'लेकिन यार, यह तीन दिनों का टाइम कैसे निकाल लाए। अब तो मेहमान एक टाइम का होता है। यह तीन दिन तक उनकी सेवा में लगे रहना तो बड़ा मुश्किल है। यह तो बताओ उनकी संख्या कितनी है।' मैंने पूछा तो वे बोले- 'पूरे परिवार सहित चारों सदस्य आ रहे हैं।' मैंने कहा- 'ठंड का वक्त है। रजाइयां तो है न घर में स्पेयर?' मित्र बोले- 'नहीं हैं यार, लेकिन टैंट हाऊस से ले आया हूं।' 'और राशन-पानी?' मैंने पूछा। वे बोले- 'वह तो चिंता की बात नहीं है। सैलरी परसों ही मिली है। पत्नी ने नाश्ते, लंच और डिनर का तीनों दिन का मैनू बना लिया है।' मैंने कहा- 'भैया ध्यान रखना, अपने शहर में पर्यटन स्थल कई हैं। कहीं वे अपना प्रोग्राम न बदल दें। मेरा मतलब ठहरने की अवधि पांच दिनों में न बदल जाए।' मित्र ने बताया- 'नहीं-नहीं, वह मैं दो दिनों में ही सलटा दूंगा ताकि तीसरे दिन तो वे खिसक ही लें। अच्छा, मैं बाद में बात करूंगा। गाड़ी का टाइम हो गया है, अभी थ्री व्हीलर लेकर निकलता हूं।' मैंने कहा- 'आमीन, भगवान तुम्हारा हौसला बनाए रखे।' यह कहकर फोन काट दिया। फोन तो काट दिया, लेकिन मैं डर गया। मैंने पत्नी से कहा- 'जल्दी एक कप चाय बनाओ। थोड़ा मन डिप्रेस सा हो गया है।' पलक झपकते पत्नी चाय बनाकर ले आई। मैंने कहा- 'बैठो, सुनो वर्मा जी के मेहमान आ रहे हैं।' मेरी बात पर वह हंसी और बोली- 'आने दो न। उनके तो आने भी चाहिए, बड़े इतराते फिरते हैं। अब पता चलेगा कि तीन दिन तक कैसे पराये आदमी को भुगतना पड़ता है। लेकिन आप डिप्रेस क्यों हो रहे हैं। यह तो खुशी की बात है कि मेहमान वर्मा जी के आ रहे हैं। हमारे तो आने से रहे।' मैंने कहा- 'वह तुम्हारे भाई-भाभी तो कह रहे थे अगले मंथ बैंगलौर से आने की।' पत्नी के चेहरे की रंगत एक पल को बदली और वह बोली- 'आरे वह तो घर के आदमी हैं। आ जाएं तो क्या फर्क पड़ता है और फिर वे अगले मंथ आएंगे। छोड़ो व्यर्थ की चिंता। चाय ठंडी हो रही है।' 'चाय क्या, मैं तो अभी से ठंडा हो रहा हूं। वर्मा जी ने बिस्तर टैंट हाऊस से मंगवाए हैं, अपने कैसे क्या रहेगा, क्योंकि सर्दी तो अगले मंथ में भी रहेगी और उन्हें सुलाना कहां है? मेरा मतलब अपने पास किराये के कुल दो कमरे हैं।

भारत ने अमीर देशों की आलोचना की, जलवायु परिवर्तन पर निष्क्रियता का लगाया आरोप

न्यूयॉर्क ।
भारत ने कहा है कि पहले ग्लोबल स्टॉकटेक की प्राथमिकता 2020 से पहले के अंतरालों को निदान करना, इक्विटी लाना और विकसित देशों की जलवायु के प्रति निष्क्रियता की कमी के बारे में बताना होना चाहिए। बता दें कि ग्लोबल स्टॉकटेक, संयुक्त राष्ट्र की दो वर्षीय समीक्षा है, जिसमें पेरिस समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में कितनी प्रगति हुई है, इसकी समीक्षा की जाएगी। यह समीक्षा दुबई के अंत तक पूरी होगी।

भारत ने विकसित देशों की आलोचना की – यूएन के यूनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेंट चेंज में अपनी अपेक्षाओं को रेखांकित करते हुए भारत ने इस बात पर जोर दिया कि विकसित देशों को उनकी जिम्मेदारियों के मुताबिक अपने उत्सर्जन को कम करने और वित्त, प्रौद्योगिकी विकास और हस्तांतरण के मामले में विकासशील देशों की मदद और क्षमता निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। भारत ने कहा कि ग्लोबल स्टॉकटेक के परिणामों को दुनिया से गरीबी उन्मूलन, सतत विकास, आर्थिक विविधीकरण प्रयासों के साथ ही विकसित और विकासशील देशों के बीच आर्थिक और सामाजिक अंतरों को कम करने को बढ़ावा देना चाहिए।

पूर्व में हुए उत्सर्जन की अनदेखी नहीं होनी चाहिए – भारत ने कहा कि ग्लोबल स्टॉकटेक के परिणामों को ऐतिहासिक जिम्मेदारियों और 2020 से पहले के उत्सर्जन की अनदेखी करके सिर्फ भविष्य की मध्यस्थता पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहिए। पेरिस समझौते की अखंडता की रक्षा करते हुए 2020 से पहले के अंतराल को प्राथमिकता के रूप में संबोधित किया जाना चाहिए। भारत ने कहा कि समानता का सिद्धांत यह सुनिश्चित करता है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विकसित देशों के पूर्व में, वर्तमान में और भविष्य में होने वाले ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन का भी ध्यान रखा जाएगा।

पेरिस समझौते का गलत फायदा उठा रहे विकसित देश – भारत ने संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज में दिए अपने सबमिशन में कहा कि यह अनुचित है कि कुछ विकसित देश पेरिस समझौते के एक अनुच्छेद की आड़ में विकासशील देशों में जीवाश्म ईंधन के विकास को बाधित कर रहे हैं और खुद जीवाश्म ईंधन में निवेश कर रहे हैं। भारत ने कहा कि विकसित देश पेरिस समझौते के अनुच्छेद 2.1(सी) को अलग-थलग करके देख रहे हैं और जलवायु वित्त पर अन्य सभी प्रावधानों की अनदेखी कर रहे हैं और विकासशील देशों को धन उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धताओं से दूर जा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में कुछ बेहद खतरनाक हो रहा है, राष्ट्रपति जो बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप पर लगाए आरोप

वॉशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने प्रतिद्वंदी और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जो बाइडन ने कहा है कि अमेरिका में कुछ बेहद खतरनाक हो रहा है। जो बाइडन ने कहा कि देश में लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा पैदा हो रहा है। अमेरिका में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए डोनाल्ड ट्रंप की दावेदारी लगातार बढ़ रही है और माना जा रहा है कि जो बाइडन का ताजा बयान भी उसी संदर्भ में दिया गया है। जो बाइडन ने अमेरिकी राज्य एरिजोना में अपने एक संबोधन के दौरान कहा कि अमेरिका में अब कुछ बेहद खतरनाक हो रहा है...देश में एक कट्टरपंथी अभियान चल रहा है जो लोकतांत्रिक आधार के मुताबिक नहीं है। बाइडन ने कहा कि हम सभी को याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र हथियारों के दम पर खत्म नहीं किए जा सकते, लेकिन वह तब खत्म हो सकते हैं, जब लोग चुप रहें और वह इसके पक्ष में खड़े ना हों। विपक्षी पार्टी रिपब्लिकन पर निशाना साधते हुए बाइडन ने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी को कट्टरपंथी समर्थकों द्वारा संचालित किया जा रहा है। कट्टरपंथियों का एजेंडा, अमेरिका के लोकतांत्रिक संस्थानों में बदलाव करना का है। बता दें कि मूवमेंट डोनाल्ड ट्रंप के चुनावी नारे मेक अमेरिका, ग्रेट अगेन का छोटा स्वरूप है। साल 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने यह नारा दिया था, जो अब फिर से लोकप्रिय हो रहा है। जो बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्व राष्ट्रपति निजी तौर पर ताकतवर बनने के ज्यादा इच्छुक हैं और लोकतांत्रिक मूल्यों में उनका विश्वास नहीं है। बाइडन ने मेक इंडिया, ग्रेट अगेन अभियान को देश की राजनीतिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा बताया। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव अगले साल होना है लेकिन वहां इसे लेकर अभी से माहौल गरमा गया है।

श्री श्री रविशंकर और आचार्य लोकेश मुनि को संसद ने सराहा, शांति के क्षेत्र में काम करने के लिए की तारीफ

वाशिंगटन । अमेरिकी कांग्रेस ने भारत के दो आध्यात्मिक गुरुओं को सराहा है। अमेरिकी संसद ने श्री श्री रविशंकर और आचार्य लोकेश मुनि को वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए मान्यता दी है। अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि शांति के अपने संदेश, शिक्षा, मानवता और दूसरों की भलाई के लिए अपने जीवन को समर्पित किया है। कृष्णमूर्ति ने कहा कि रविशंकर पिछले 40 वर्षों से अपने ध्यान और योग के बल से दुनिया भर के लोगों को आंतरिक शांति के लिए मार्गदर्शन दे रहे हैं। रविशंकर के कारण लोगों को आतंरिक शांति मिल रही है। इससे दुनिया में हिंसा में कमी आ सकती है। वहीं, उन्होंने कहा कि आचार्य मुनि ने खुद को जैन धर्म, बौद्ध धर्म और वैदिक दर्शन के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने कई मौकों पर सांप्रादायिक हिंसा कम करने में मदद की। उन्होंने भारत के गुरुग्राम में विश्व शांति केंद्र खोला है। आचार्य मुनि जी के काम ने दुनिया भर के लोगों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। भारतीय मूल के अमेरिकी कांग्रेस थानेदार ने हिंदुओं, बौद्धों, सिखों और जैनियों के हितों की रक्षा के लिए एक नए कांग्रेसी कॉकस के गठन की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी कांग्रेसनल कॉकस एचबीएसजे को दो दर्जन सांसदों का समर्थन मिला है। कॉकस से समुदायों की आवश्यकताओं और चिंताओं की जानकारी मिलेगी। समुदाय को एक मंच मिलेगा। इसका उद्देश्य धार्मिक भेदभाव का मुकाबला करना और समुदाय को धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करना है।

एम्स्टर्डम के पास फ्लैट में चलीं गोलियां, तीन लोगों की मौत; पुलिस ने कहा- हमले का मकसद अबतक स्पष्ट

एम्स्टर्डम । यूरोप में इन दिनों गोलीबारी और चाकूबाजी की घटनाएं बढ़ गई हैं। एक बार फिर यूरोप के नीदरलैंड्स में गोलीबारी हो गई, जिसमें तीन लोगों की जान चली गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि, अब तक गोलीबारी का मकसद स्पष्ट नहीं हो पाया है। देश के प्रधानमंत्री ने भी घटना को लेकर निराशा जताई है। घटना नीदरलैंड्स के रॉटरडैम की है। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री मार्क रुटे ने गोलीबारी पर निराशा जाहिर की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि गोलीबारी के पीड़ितों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। पीड़ितों के कार्यस्थल के साथियों को भी सहायता के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, राजधानी एम्स्टर्डम से करीब 80 किलोमीटर दूर स्थित रॉटरडैम में एक बंदूक धारी ने एक फ्लैट में गोलीबारी की। इसके बाद वह पास के एक स्वास्थ्य केंद्र में घुस गया। पुलिस के मुताबिक, दोनों जगह आग लग गई थी, जिसे बाद में बुझा लिया गया था। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टयता सामने आया है कि आरोपी एक ही व्यक्ति है। कोई दूसरा शूटर वहां नहीं था। आरोपी के अस्पताल में घुसते ही भदगड़ मच गई, मरीज और डॉक्टर भागकर बाहर आ गए।

भारतीय-अमेरिकियों ने हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती नफरत पर जताई चिंता, सुरक्षा और कूटनीति को लेकर कही यह बात

वाशिंगटन ।
मंदिरों को पहुंचा रहे नुकसान दरअसल, कनाडा में हिंदुओं को देश छोड़ने की धमकी देने वाले खालिस्तान समर्थक समूह का एक आपत्तिजनक वीडियो वायरल होने के बाद भारतीय-अमेरिकियों ने यह मांग की है। उनका कहना है कि यह चिंताजनक है कि खालिस्तानी आतंकवादी कनाडा की धरती पर मंदिरों को नुकसान पहुंचा कर बार-बार हिंदुओं को धमकी दे रहे हैं।

चुप्प रहना...

अमेरिका के हिंदू विश्वविद्यालय में प्रोफेसर इंदु विश्वनाथन ने कहा, यह देखना चिंताजनक है कि खालिस्तानी आतंकवादी हिंदू पवित्र स्थानों को क्षतिग्रस्त करके हिंदू कनाडाई लोगों को बार-बार धमकी दे रहे हैं। ऐसे लोगों के सामने चुप्प रहना उनका समर्थन करने के समान है।

कट्टरपंथियों को रोकें

फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरास्टडीज (एफआईआईडीएस) के खांडेराव कांड ने कहा कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को आतंकवाद की आजादी के साथ नहीं जोड़ना चाहिए। उन्हें कट्टरपंथ लोगों को रोकना चाहिए और कूटनीतिक रूप से अंतरराष्ट्रीय स्थितियों को संभालना चाहिए।

यह है मामला

गौरतलब है, कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो के 18 सितंबर को लगाए गए आरोपों के कुछ दिनों बाद खालिस्तानी वीडियो सामने आया है। हालांकि, कनाडा सरकार ने साफ कहा है कि आक्रामकता, घृणा, धमकी देने वालों का कनाडा में कोई स्थान नहीं है। पर वीडियो के संबंध में किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने पिछले सप्ताह आरोप लगाए थे कि निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार का हाथ हो सकता है। ट्रूडो ने कहा था कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों के पास यह मानने के कारण है कि भारत सरकार के एजेंटों ने ही निज्जर की हत्या की है। कनाडाई एजेंसियां निज्जर की हत्या में भारत की साजिश की संभावनाओं की जांच कर रही हैं। ट्रूडो ने जोर दिया कि कनाडा की धरती पर कनाडाई नागरिक की हत्या में किसी भी प्रकार की संलिप्तता अस्वीकार्य है। हालांकि, भारत ने इन सभी आरोपों के बेबुनियाद बताए हैं।

अमेरिका करे कनाडा से अपील

अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडियन ओरिजिन के सरकारी मामलों के अध्यक्ष डॉ. संपत शिवांगी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और सांसदों से हस्तक्षेप करने और कनाडाई भारतीयों, हिंदुओं और हजारों भारतीय छात्रों को खतरों से बचाने के लिए कनाडा को एक संदेश भेजने की अपील की।

सच्चे सिख सभी समुदायों के साथ

खालसा टुडे के मुख्य संपादक सुखी चहल ने कहा, एक सिख के रूप में, मैं अपने गुरुओं की शिक्षाओं में दृढ़ता से विश्वास करता हूं, जो सभी मानवता की एकता पर जोर देते हैं। उन्होंने कहा कि सच्चे सिख सभी समुदायों के बीच सद्भाव और सम्मान के लिए एक साथ खड़े हैं।

पन्नुन ने लांघी सीमा

हिंदुओं और भारतीयों को हाल ही में मिली धमकियों पर अमेरिका की एक मीडिया कंपनी के संपादक श्री अय्यर ने कहा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नफरत फैलाने वाले भाषण के बीच एक बहुत पतली रेखा है और गुरपतवंत सिंह पन्नुन ने इसे तब पार कर दिया, जब उसने हिंदू कनाडाई लोगों को धमकी दी।

और फेल सकती है नफरत

भारतीय-अमेरिकी नेता भरत बरई ने कहा, मुझे संदेह है कि यह नफरत अमेरिका तक फैल सकती है। इसलिए हमें सतर्क रहना चाहिए। खालिस्तानी उन लोगों का इस्तेमाल करते हैं, जिन्हें आईएसआई द्वारा उकसाया जाता है और नशीली दवाओं की तस्करी, मानव तस्करी और अन्य हिंसक आपराधिक गतिविधियों में शामिल होते हैं।

टीवी शो में चलने लगे लात-घूंसे

आपस में भिड़े नवाज-इमरान समर्थक; सामने आया वीडियो

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान के वकील शेर अफजल खान मारवात और पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) (पीएमएल-एन) के सीनेटर अफनान उल्लाह खान एक लाइव टीवी शो के दौरान आपस में भिड़ गए। इसका वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इस बात की जानकारी दी गई है।

एक-दूसरे को जड़े थप्पड़ और घूसे

वीडियो में दिखाया गया है कि दोनों के बीच तीखी बहस हो रही है, जिसमें दोनों अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने लगते हैं। इसके बाद मारवत ने अचानक सीनेटर पर हमला कर दिया। पहले तो दोनों ने एक दूसरे को धक्का दिया और बाद में एक-दूसरे से हाथापाई करने लगे। इस भिड़ंत को रोकने के लिए टीवी शो के क्रू ने हस्तक्षेप करना पड़ा और इसके बाद उन दोनों को दूर करना पड़ा।

इमरान खान और पीटीआई के लिए सबक

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अफनान ने कहा कि मारवात ने उन पर हमला किया, उन्होंने कहा कि वह हिंसा में विश्वास नहीं करते हैं, लेकिन नवाज शरीफ के सैनिक हैं। उन्होंने कहा, मैंने मारवात को जो चाटा जड़ा है, वह पीटीआई और खासकर इमरान खान के लिए एक सबक है। सीनेटर ने कहा, वे किसी को अपना चेहरा नहीं दिखा पाएंगे।

मानहानि का मामला दर्ज करेंगे मारवात

शेर अली खान मारवात ने एक पोस्ट में कहा कि टीवी शो होस्ट इस घटना को लेकर गलत सूचना फैला रहा था। मारवत ने कहा, वह अफवाह फैला रहे हैं कि मेरा प्रतिद्वंद्वी एक सुपरमैन था। वह वास्तविकता नहीं बता रहे हैं कि अफनान उल्लाह स्टूडियो से भाग गए और पास के कमरे में छुप गए। मैंने जब उनका कार्यक्रम देखा तब मुझे पता लगा कि शो होस्ट गलत सूचना दे रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह सीनेटर पर मानहानि का मामला और आपराधिक शिकायत करने का विचार कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है कि किसी टॉक शो के सेट पर ऐसी घटना हुई है। 2021 में, पूर्व पीपीपी विधायक अब्दुल कादिर मंडोखेल और तत्कालीन पीटीआई नेता फिरदौस आशिक अवान, जो अब इस्तिहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी (आईपीपी) में शामिल हो गए हैं, उनके बीच भी लड़ाई हुई थी।

खुली स्थिति में फंसा लंदन का टावर ब्रिज; सड़कों पर लगा ट्रैफिक जाम, आधे घंटे तक यातायात बाधित

लंदन ।
लंदन के थेम्स नदी के ऊपर बने टावर ब्रिज एक नाव को वहां से गुजरने की अनुमति देने के बाद खुली स्थिति में फंस गया। इससे यातायात काफी समय के लिए बाधित रहा। दरअसल, बार्ज नाव को ब्रिज के नीचे से गुजरना था, जिस वजह से उसे खोला गया। हालांकि, इससे बाद ब्रिज को बंद करने में बाधा आई, जिससे लंदन की सड़को में ट्राफिक जाम लग गया।

आधे घंटे तक यातायात बाधित

वहां मौजूद लोगों ने बताया कि करीब आधे घंटे बाद ब्रिज को बंद किया गया। मीडिया से बात करते हुए एक व्यक्ति ने बताया, ब्रिज को खुली स्थिति में देखकर पहले बहुत अच्छा लग रहा था, लेकिन इसे एक अलग नजर से देखे तो अंदाजा लगेगा कि इससे कितना मुश्किल हो सकता है। मैं थोड़ी देर वहां रूका था और इतने में बहुत बड़ा जाम लग गया, जिसमें दो पर्यटन बस भी शामिल था।

काफी देर इंतजार करने के बाद ब्रिज को बंद किया गया। ब्रिज बंद होते ही वहां मौजूद लोग झूम उठे। उन्होंने आगे कहा, मैं भी यह नजारा देखकर बहुत खुश हुआ। मैंने इससे पहले कभी भी पॉप-अप नहीं देखा था। ब्रिज बंद करने के बाद सबसे पहले बाइक को वहां से गुजरने की अनुमति दी गई और फिर कुछ देर में ही यातायात शुरू हो गया।

इस मूबेवल टावर को ग्रेटर लंदन के टावर हैम्लेट्स और लंदन के साउथवार्क के बीच थेम्स नदी के ऊपर बनाया गया है। इस ब्रिज को 1894 में बनाया गया था। यह 240 मीटर (800 फीट) लंबा और 76 मीटर (250 फीट) चौड़ा है।

चीनी हैकरों ने अमेरिका के विदेश मंत्रालय में लगाई सेंध, 60 हजार से अधिक ईमेल चुराए

वाशिंगटन ।
चीन-अमेरिका के बीच तनाव लगातार जारी है। चीनी हैकरों के कारण एक बार फिर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी अधिकारियों की मानें तो चीनी हैकरों ने सरकार में सेंध लगा दी है। हैकरों ने सेंध लगाकर अमेरिकी विदेश मंत्रालय के करीब 60 हजार ईमेल चोरी कर लिए हैं। एंटनी ब्लिंकन की चीन यात्रा से पहले चीनी हैकरों ने अमेरिकी सरकार की गोपनीयता भंग की है।

यह है पूरा मामला

विदेशी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, विदेश विभाग के वरिष्ठ आईटी अधिकारियों ने अमेरिकी संसद सीनेट में मामले की जानकारी दी। सीनेटर एरिक श्मिट ने बताया कि चीनी हैकरों ने पूर्वी एशिया और प्रशांत मामले पर पर केंद्रित नौ विदेश विभाग के अधिकारियों और यूरोपीय मुद्दों से जुड़े एक अन्य अधिकारी के ईमेल पर सेंध लगाई है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी हैकर्स विदेश विभाग के हर एक ईमेल के पते तक पहुंच चुके हैं।

ईमेल कंपनी से की शिकायत

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने बताया कि हैकर्स लगभग

60 हजार ईमेल तक पहुंच गए हैं। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने चीनी हैकर्स का भंडाफोड़ किया है। ईमेल कंपनी से हैकिंग की शिकायत की गई है। बता दें, आधिकारिक तौर पर प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने हैकिंग के लिए किसी को भी जिम्मेदार नहीं माना है। हालांकि, ईमेल कंपनी ने चीन के एक हैकिंग समूह को इसके लिए जिम्मेदार माना है। ईमेल कंपनी ने बताया कि आरोपियों ने हैकिंग के लिए एक खास ईमेल सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया और सेधामारी की। अधिकारियों की मानें तो चीन ने हाल के दिनों में अपनी हैकिंग क्षमता का विकास किया है। हालांकि, सीनेटर श्मिट का कहना है कि अभी तक जांच खत्म नहीं हुई है। हमें भविष्य में इस तरह के हमलों से और अधिक सुरक्षित रहने की आवश्यकता है।

बलूचिस्तान में मस्जिद के पास बम विस्फोट, 52 की मौत

खैबर पख्तूनख्वाह मस्जिद के अंदर धमाका, दो मरे

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में शुक्रवार को एक मस्जिद के पास एक शक्तिशाली बम विस्फोट हुआ। इसमें कम से कम 52 लोग मारे गए और 100 अन्य घायल हो गए। हालांकि, मरने वालों की संख्या बढ़ भी सकती है। विस्फोट उस वक्त हुआ, जब पैगंबर मुहम्मद के जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए लोग एक रैली के लिए इकट्ठा हुए थे। विस्फोट मस्तुंग जिले में हुआ।

ईद मिलादुन नबी मनाने के लिए एकत्र हो रहे थे लोग

एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट उस मस्जिद के पास हुआ, जहां लोग पैगंबर मुहम्मद के जन्मदिन ईद मिलादुन नबी मनाने के लिए एकत्र हो रहे थे। मस्तुंग के सहायक आयुक्त अत्ता उल मुनीम के मुताबिक, विस्फोट काफी ज्यादा तीव्रता का था। यह मदीना मस्जिद के पास हुआ।

घायलों में से कुछ की हालत गंभीर

स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) जावेद लेहरी ने कहा कि घायलों को एक चिकित्सा सुविधा में स्थानांतरित किया जा रहा है, जबकि अस्पतालों में आपातकाल लागू कर दिया गया है। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर है। खैबर पख्तूनख्वाह में मस्जिद के अंदर विस्फोट, दो की मौत इस बीच खैबर पख्तूनख्वा के हंगू में दोआबा

पुलिस स्टेशन के पास एक मस्जिद के अंदर विस्फोट हुआ। इस दौरान कम से कम दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच घायल हो गए। विस्फोट से मस्जिद की छत ढह गई। लगभग 30 से 40 लोगों के मलबे में फंसे होने की सूचना है। शवों और घायल व्यक्तियों को निकालने के लिए भारी मशीनरी बुलाई गई है।

हाल ही में एक और विस्फोट हुआ था

हाल ही में बलूचिस्तान के मस्तुंग जिले में एक विस्फोट में जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) नेता हाफिज हमदुल्ला सहित 11 लोग घायल हो गए थे। इससे पहले पाकिस्तान के पेशावर में एक विस्फोट में फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) के एक अधिकारी की मौत हो गई थी और दो नागरिकों सहित आठ अन्य घायल हो गए थे।

रेजिमेंट के एक वाहन को बनाया था निशाना

वारसाक के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मोहम्मद अरशद खान ने पुष्टि की कि सुबह करीब 10: 30 बजे (स्थानीय समय) हमले में खैबर पख्तूनख्वा एफसी की मोहमंद राइफल्स रेजिमेंट के एक वाहन को निशाना बनाया गया। वाहन माचनी से पेशावर की ओर जा रहा था, जब विस्फोट हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) का एक अधिकारी मारा गया और छह एफसी अधिकारी और दो लोग घायल भी हुए।

दैनिक आहार में मोटे अनाज से बने व्यंजनों को शामिल करें : डॉ. मंजू मेहता

हिसार (हिंस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में मोटे अनाज के उपयोग विषय पर शुक्रवार को प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें इस महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता मुख्य अतिथि रहीं। प्रतियोगिता के दौरान मोड्यूल-1 और सर्टीफिक्रेट कोर्स वाले विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेकर मोटे अनाज से विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाए। मुख्य अतिथि डॉ. मंजू मेहता ने उपस्थित विद्यार्थियों को दैनिक आहार में मोटे अनाज से बने व्यंजनों को थाली में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज में मैग्नीशियम, कैल्शियम, फाइबर, प्रोटीन सहित अन्य पोषक तत्वों की भरपूर मात्रा होती है, जो कि हमारे शरीर के लिए बहुत लाभदायक हैं। उन्होंने कहा कि खासतौर पर जो लोग शाकाहारी हैं, उनके लिए मोटा अनाज प्रोटीन युक्त आहार है, जिसे हम अलग-अलग तरह से व्यंजन बनाकर अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

भारतीयों के साथ अंग्रेजों और वामपंथियों ने किया वैचारिक घोटाला : मेजर पूनिया

जयपुर (हिंस)। परिवार, समाज व राष्ट्र का उत्थान स्व चेतना में निहित है। स्व की अनुभूति के लिए श्रद्धा होना आवश्यक है। जब तक देश के प्रति श्रद्धा नहीं होगी तब तक स्व जाग्रत नहीं हो पाएगा। यह बात शेखावाटी साहित्य संगम के दूसरे दिन शुक्रवार को दूसरे सत्र में विशिष्ट अतिथि मेजर सुरेंद्र पूनिया ने *भारत का स्व - वर्तमान चुनौतियां व हमारी भूमिका* पर कही। उन्होंने कहा कि भारत का स्व हिंदू तत्व में है। यह कोई धार्मिक शब्द नहीं, यह हजारों वर्षों से प्रवाहित भारत की संस्कृति का नाम है। मेजर पूनिया ने कहा कि 1947 में हम स्वाधीन तो हुए, परंतु स्वतंत्र नहीं। देश में बड़े-बड़े घोटाले हुए, परंतु सबसे बड़ा घोटाला हुआ वैचारिक घोटाला। यह घोटाला लेफ्ट लिबरल गैंग ने किया। इतिहास की गलत व्याख्याएं की गईं। भारत को एक अंधकारमय देश बताया और यह कहा गया कि इस देश को मुगलों व अंग्रेजों ने प्रकाशमान किया। उन्होंने यहां ज्ञान दिया। उन्होंने कहा कि इतिहास लिखने का कार्य उन वामपंथी इतिहासकारों

को दिया गया जो भारत के विषय में कुछ नहीं जानते। प्रतियोगी परीक्षाओं में ऐसा विकृत इतिहास रटने पर मजबूर किया गया। सबसे बड़ी छेड़छाड़ संविधान के साथ हुई, जब आपातकाल के समय इसमें संशोधन कर सेक्यूलर शब्द जोड़ा गया। भारत सर्वपंथ समादर वाला देश है, इसकी आत्मा वसुधैव कुटुम्बकम में है। हमने अपना स्व खोया इसलिए हम भ्रष्टाचार के मार्ग पर बढ़े। जब तक हम अपने नायक नायिकाओं के प्रति गर्व का भाव नहीं लाएंगे, हम में हीन भावना आती रहेगी। चुनौतियों की बात करते हुए मेजर ने कहा कि विचार का आतंक आज सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि कैसे ये लोग एसी रूम, कोर्ट में बैठकर व शासन, मीडिया व शिक्षण संस्थानों का उपयोग कर आतंकवादियों का, देशद्रोहियों को बचाने का कार्य करते हैं। देश के गौरवशाली इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने वाले, अलबत्ता उसे इतिहास ही नहीं मानने वालों को *बौद्धिक आतंकवादी* की संज्ञा देते हुए मेजर ने कहा कि ऐसे लोग देश की सुप्रसिद्ध यूनिवर्सिटीज में बैठे हैं और युवाओं को भ्रमित करते हैं। ऐसे लोग हमारे देश के भविष्य के लिए हथियारबंद आतंकवादियों से भी अधिक घातक हैं। उन्होंने कहा कि बुरहान वानी और याकूब मेनन जैसे आतंकवादियों के लिए रात में सुप्रीम कोर्ट खुलवा ली जाती है। न्यायपालिका का यह चयनित हस्तक्षेप देश के लिए घातक है। इससे देशद्रोहियों अलगाववादी ताकतों को बल मिलता है। जबकि, दूसरी ओर आम नागरिकों की सुनवाई में वर्षों लग जाते हैं, समय पर न्याय न मिलना उनके लिए अन्याय की तरह ही होता है। पूनिया ने सवाल उठाया कि कैसे रोहिंग्याओं को बॉर्डर पर नहीं, बल्कि देश के अंदर जम्मू कश्मीर, बेंगलूरु, दिल्ली में जगह मिल जाती है। क्या यह किसी के सहयोग के बिना सम्भव है। इन घुसपैठियों के कारण भारत की डेमोग्राफी विकृत हो रही है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि किस प्रकार से बॉलीवुड लगातार भारत विरोधी फिल्में बना रहा है। क्या इस पर कोई अंकुश है। उन्होंने इन सभी चुनौतियों को समझकर इनके समाधान के लिए युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए आह्वान किया कि युवा भारत के स्व अर्थात गौरव को समझे और राष्ट्र को सशक्त करने की दिशा में बढ़ें।

नाबालिग का अपहरण कर किया गैंग रेप, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पलवल (हिंस)। पलवल के एक गांव के 4 युवक एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर जंगल में नहर की पटरी पर ले गए और फिर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। युवकों ने लड़की की अश्लील वीडियो बना ली। वीडियो को वायरल करने के नाम पर उससे रुपए ऐंठने लगे, तो पूरा मामला खुला। शुक्रवार को नाबालिग के पिता की शिकायत पर महिला थाना पुलिस ने गांव के ही चार युवकों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। महिला थाना प्रभारी सुशीला देवी ने बताया कि चांदहट थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने दी शिकायत में कहा है कि उसकी 14 वर्षीय बेटी का उनके गांव के ही रविंद्र, ललित, कुलदीप व जगवीर ने अपहरण कर लिया। वे उसे गांव के जंगल में नहर की पटरी पर ले गए। आरोप है कि इन चारों ने उसकी बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना ली। इसके बाद उसे जंगल में रास्ते पर छोड़ दिया। बदहवास नाबालिग लड़की रास्ता भटक गई और अपने गांव की बजाय दूसरे गांव पहुंच गई। वहां से जब उसको सूचना मिली तो वह अपनी बेटी को वहां से लाया। उसकी हालत के बारे में पूछा तो डर के मारे उसने कुछ नहीं बताया। उसके बाद आरोपी उसकी बेटी से अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर रुपए ऐंठते रहे। 23 सितंबर को उसकी पत्नी दुकान से राशन लेने गई हुई थी। उसी दौरान आरोपी रविंद्र व कुलदीप उसके घर आए और उसकी बेटी को डरा धमका कर घर से 1 लाख 3 हजार 600 रुपए ले गए। ये जमीन के रुपए थे। जब शाम को अपनी पत्नी से रुपए मांगे तो नहीं मिले। इसके बाद उसने अपनी पत्नी व बेटी को धमकाया तो मामले का राज खुला। इसके बाद बेटी ने पूरी घटना के बारे में उन्हें बता दिया। इसके बाद वह अपनी बेटी को लेकर महिला थाने पहुंचा और आरोपियों के खिलाफ शिकायत दी।

निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए महंगी दरों पर भी बिजली खरीदने को तैयार सरकार : सीएम गहलोत

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि राज्य सरकार निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए महंगी दरों पर भी विद्युत खरीद के लिए तैयार है, ताकि त्योहारों में उपभोक्ताओं को परेशानी न हो। उन्होंने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति कराने, अपरिहार्य कटौती में कमी करने और उपभोक्ताओं को पूर्व सूचना के बाद ही कटौती करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं के साथ ही कृषि के लिए पर्याप्त विद्युत आपूर्ति राज्य सरकार की प्राथमिकता है। गहलोत ने गुरुवार देर रात मुख्यमंत्री निवास पर राज्य में विद्युत आपूर्ति की समीक्षा बैठक ली। बैठक में तीनों डिस्कॉम्स क्षेत्र में विद्युत की औसत मांग व उपलब्धता, खराब ट्रांसफॉर्मर्स को

बदलने, कोयले की उपलब्धता सहित विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा हुई। बैठक में ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने विद्युत आपूर्ति के प्रयासों, आगामी महीनों में मांग व उपलब्धता सहित अग्रिम प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। गहलोत ने कहा कि जून-जुलाई में अच्छी बारिश से फसलों की बुवाई बढ़ी, जबकि अगस्त में कम बारिश और गर्मी से विद्युत की मांग में अत्यधिक बढ़ोतरी हुई है। साथ ही, कोयले की कम आपूर्ति से भी विद्युत मांग और आपूर्ति में अंतर आया है। इसके बावजूद राज्य सरकार निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी महीनों में भी आपूर्ति में कमी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने उन्होंने खराब ट्रांसफॉर्मर्स को समय पर बदलने, ग्रामीण क्षेत्रों में दौरे कर जनप्रतिनिधियों और उपभोक्ताओं से फीडबैक लेने के निर्देश दिए। ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अक्टूबर, नवम्बर और दिसम्बर में प्रतिदिन 9887 लाख यूनिट प्रतिदिन विद्युत की मांग पर 8389 लाख यूनिट की उपलब्धता है।

पीएम चित्तौड़ और जोधपुर में करेंगे विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास : सीपी जोशी

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जयपुर में हुई ऐतिहासिक सभा के बाद अब राजस्थान के दो जिले चित्तौड़गढ़ और जोधपुर में प्रधानमंत्री विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री ने जिस किसी भी योजना का शिलान्यास किया, उसका उद्घाटन भी उन्होंने ही किया है। एक समय ऐसा भी था जब राजस्थान में शिलान्यास होते थे लेकिन उनका उद्घाटन करने में सालों लग जाते थे। जोशी भाजपा प्रदेश कार्यालय में नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के साथ प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। जोशी ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की निकम्मी, नाकारा सरकार ने प्रदेश के गौरवशाली, मान-मर्यादा वाले इतिहास को कलंकित किया है। प्रदेश में लगातार महिलाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे है। कानून व्यवस्था लचर हो चुकी है। इसकी शुरुआत 2018 के बाद से हुई। राजस्थान के प्रत्येक कोने में चाहे एंबुलेंस, स्कूल और यहां तक की न्याय मांगने जाने वाली

पीड़िता से उसकी अस्मत की मांग की जाती है। अगर कई मामलों में भाजपा संगठन और जनता आंदोलन व धरना प्रदर्शन नहीं करती तो वह मामले भी दबे के दबे रह जाते। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि यह राजस्थान का दुर्भाग्य है कि जयपुर के जमवारामगढ़ में महिला का जला हुआ शव मिला। छाबड़ा में नाबालिग का शव का मिलना, जयपुर में स्कूल जा रही 13 वर्षीय बच्ची का अपहरण, पाली में चार वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म, भरतपुर के कैथवाड़ा में थानाधिकारी के सरकारी क्वार्टर में महिला के साथ दुष्कर्म और सीकर के रामगढ़ में बच्ची से दुष्कर्म करने के बाद कुएं में फेंकने की घटनाएं रोज हो रही हैं। जनता आंदोलन करती है लेकिन फिर भी पीड़िता को न्याय नहीं मिल पाता है। राठौड़ ने कहा कि बेटी बाजार का स्टिंग ऑपरेशन चल रहा है, इसको लेकर राजस्थान शर्मसार है। टोंक, सवाईमाधोपुर, बूंदी और भीलवाड़ा में बच्चियों और बहनों को वस्तुओं की तरह बेचा जा रहा है। सरकार कानून व्यवस्था के साथ साथ महिला सुरक्षा के मामले में पूरी तरह फेल हुई है। ये सरकार इसलिए दोषी है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किसी को भी पूर्णकालिक गृहमंत्री नहीं बनाया बल्कि खुद ही उस कुर्सी पर काबिज है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बयान दिया है कि अब तो राजस्थान में राष्ट्रपति का आना बाकी है, । ये हमारे संवैधानिक प्रमुख है। संवैधानिक प्रमुख पर इस तरीके की टीका टिप्पणी करना अनुचित व अशोभनीय है। क्या मुख्यमंत्री ऐसा वीजा सिस्टम लागू कर रहे हैं कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को आने के लिए वीजा लेना पड़े। कृषक परिवार का बेटा जब उपराष्ट्रपति के पद पर पहुंचता है तो प्रदेश का मान बढ़ता है। राठौड़ ने कहा कि उप राष्ट्रपति मालपुरा जोबनेर में उस कृषक परिवार का सम्मान करने आए जिन्होंने अपनी 11 सौ बीघा भूमि को कृषि अनुसंधान के लिए दी, तेजाजी के निर्माण स्थल खरनाल आए, नाथूराम मिर्धा की मूर्ति का अनावरण करने आए, कोटा में छात्र छात्राओं से साक्षात्कार करने आए, धन्ना भगत के धर्म स्थल पर आए, तो इनसे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ऐतराज क्यों हुआ। मुख्यमंत्री ने न्यायपालिका पर भी अशोभनीय टिप्पणी की थी और बाद में अपना बयान वापिस ले लिया था। मुख्यमंत्री कांग्रेस प्रभारी रंधावा को किस हैसियत से कोटा में आयोजित सरकारी कार्यक्रम में लेकर गए। महंगाई राहत कैंपों का उद्घाटन करवाना, गैर संसदीय काम करना मुख्यमंत्री की फितरत है। अगर मुख्यमंत्री गहलोत बयान वापिस नहीं लेंगे तो हम वैधानिक कार्रवाई करेंगे।

मोदी सरकार राजनीतिक लाभ के लिए महिला आरक्षण बिल लाई : अमृत गिल

हिसार (हिंस)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की प्रवक्ता एवं कांग्रेस नेत्री अमृत गिल ने मोदी सरकार द्वारा लाए गए महिला आरक्षण बिल को राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए छोड़ा गया शिगूफा बताया है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा व मोदी सरकार वास्तव में ही महिलाओं की हितैषी है तो वर्ष 2024 के चुनाव के लिए इस बिल को लागू करे और इसमें ओबीसी का कोटा भी निर्धारित करे। वे शुक्रवार को यहां के कांग्रेस भवन में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। उन्होंने कहा कि यह बिल महिलाओं के लिए फायदेमंद है या नहीं, इससे पहले केवल यही समझना जरूरी है कि मोदी सरकार ने महिलाओं के सामने

पकवान तो रख दिए हैं लेकिन साथ ही कह दिया है कि ये पकवाने चखने 2029 में या 2034 में है। उन्होंने कहा कि आरक्षण बिल को अभी से लागू किया जाना चाहिए, जितनी सीटें महिलाओं के हिस्से आएंगी, वे चुनाव लड़ लेंगी और जब नई जनगणना व नया परिसीमन होगा तो उस हिसार से चुनाव लड़ लेंगी। ऐसे में मोदी सरकार जवाब दे कि महिला आरक्षण 2024 के चुनाव से लागू करने में क्या परेशानी है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल पास होते ही भाजपा की महिला सांसद प्रसन्न मुद्रा में प्रधानमंत्री के पास खड़ी फोटो खिंचवा रही है, जो निंदनीय है क्योंकि ये महिला सांसद कठुआ गैंग रेप व मणिपुर जैसी घटनाओं पर चुप्पी साधे रही, ये वही सांसद है जो जंतर-मंतर पर बैठी महिला खिलाड़ियों को न्याय दिलवाने के लिए एक शब्द भी नहीं बोल पाई। कांग्रेस नेत्री अमृत गिल ने कहा कि कांग्रेस सदैव महिलाओं के उत्थान व महिला आरक्षण की पक्षधर रही है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री संपत सिंह, किरण मलिक, पूर्व विधायक रामभगत शर्मा, कुलबीर सोहेल, धर्मबीर गोयत, अमर गुप्ता, योगेश सिहाग, सुरेश पंघाल, सुखबीर डूडी, अखिल गर्ग, सुनील तलवंडी, अनिल बिश्नोई, दलजीत पंघाल सहित अन्य कांग्रेसजन भी उपस्थित रहे।

लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी चुनाव में ठोकेगी ताल

जयपुर (हिंस)। राष्ट्र में समस्त लोक जीवन की सहभागिता आवश्यक होती है। हमारे संविधान में भी इस बात की उपेक्षा की गई है। आजादी के 75 वर्ष के बाद भी आज तक शासन व्यवस्था में लोक सहभागिता का अभाव है। यह कहना था लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गिरधारी तंवर का। उन्होंने कहा कि राजस्थान में होने वाले विधानसभा चुनाव लड़ेगी और करीब पचास सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। तंवर ने बताया कि आजादी के बाद जो पार्टी सत्ता में रही है, उन्होंने अपने राजनीतिक हितों का ही संरक्षण किया है। पिछड़े व वंचित वर्ग को राजनीतिक सहभागिता और आर्थिक विकास आदि से वंचित रखा गया। जबकि भारतीय संविधान में हर वर्ग को अवसर उपलब्ध कराने की दृष्टि से संविधान का निर्माण किया गया है। उन्होंने यह विचार लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी की शुरुआत का। प्रदेश अध्यक्ष गिरधारी तंवर ने बताया कि लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी देश में एक सशक्त लोकतंत्र के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

ग्वालियर में गुर्जर समाज के लोगों पर लाठीचार्ज करने के विरोध में सौंपा मांग पत्र

कैथल (हिंस)। गुर्जर समाज के लोगों ने फूलबाग ग्वालियर (मध्यप्रदेश) में गुर्जर समाज के लोगों पर लाठीचार्ज कर घायल करने व झूठे मुकदमें दर्ज कर जेल में डालने की कड़े शब्दों में निंदा की है। इस बाबत शुक्रवार गुर्जर भवन सोयायटी कैथल समाज द्वारा लघु सचिवालय कैथल में उपायुक्त प्रशांत पंवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम ज्ञापन सौंपा। सुरेश तहसीलदार, रामचंद्र गुर्जर ढांड, पूर्व सरपंच प्यारा राम, रविंद्र तंवर, राजीव आर्य ढांड, मनीष, पुष्पेंद्र तंवर, कृष्णा भुना, नाजर सिंह आदि ने कहा कि गत 25 सितंबर को फूलबाग ग्वालियर (मध्यप्रदेश) में गुर्जर समाज की पंचायत में क्षेत्र से संबंधित मांग थी। इसको लेकर पंचायत जब कलेक्टर ग्वालियर के आफिस में मांग पत्र देने जा रही थी तो पंचायत में शामिल समाज के लोगों को पुलिस द्वारा रोक दिया गया। उन पर लाठी चार्ज किया गया, जिसमें समाज के कई लोग घायल हो गए और इतना ही नहीं समाज के लोगों पर झूठे मुकदमें दर्ज कर उन्हें जेल में डाल दिया गया। इस कारण गुर्जर समाज के लोगों में इस बात को लेकर भारी गुस्सा है। उपायुक्त को सौंपे गए मांग पत्र में मांग की गई कि गुर्जर समाज ग्वालियर की मांगों को पूरा करने के साथ साथ गिरफ्तार लोगों को तत्काल रिहा किया जाए। अन्यथा पूरा गुर्जर समाज आंदोलन करने पर विवश होगा।

पंजाब में रेलवे ट्रैक के बाद सड़कों पर उतरे किसान, चंडीगढ़-दिल्ली मार्ग पर यात्री बेहाल

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में अपनी मांगों को लेकर रेलवे लाइनें रोककर बैठे किसान अब सड़कों पर उतर आए हैं। किसानों व मजदूरों ने चंडीगढ़-दिल्ली मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिए, जिससे हजारों यात्री परेशान हो रहे हैं। किसान गुरुवार से पंजाब में अलग-अलग जगहों पर रेलवे ट्रैक रोककर बैठे हुए हैं। इसी दौरान किसानों के एक गुट ने शुक्रवार को मोहाली जिले के डेराबस्सी में स्थित टोल प्लाजा के आगे धरना शुरू कर दिया। कुछ ही पलों में किसानों ने टोल पर कब्जा करते हुए यहां पक्का डेरा लगा दिया। चंडीगढ़-दिल्ली मार्ग पर जाम लगाए जाने से भारी संख्या में वाहन जमा हो गए। चंडीगढ़ से दिल्ली जाने वाले लोगों को भारी मुश्किलों का समाना करना पड़ा। किसानों का आंदोलन समाप्त करवाने के प्रयास में किसान संगठनों तथा पुलिस कर्मचारियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई, जिसके बाद किसानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की।

जनविरोधी नीतियों के खिलाफ बड़ा आंदोलन खड़ा करने की जरूरत : कामरेड इंद्रजीत

हिसार (हिंस)। एक माला में दर्जनों मनके होते हैं और उनको जोड़ने के लिए एक धागा है, यदि ये धागा टूट जाता है तो सभी मनके बिखर जाएंगे। इसी तरह धर्मनिरपेक्षता और सांप्रदायिक सद्भाव इस देश को जोड़ने वाला धागा है। यदि यह धागा कमजोर पड़ता है तो देश की एकता अखंडता कमजोर होगी। यह बात अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कामरेड इंद्रजीत सिंह ने शुक्रवार को शहीद भगत सिंह की याद में और कामरेड पृथ्वी सिंह की बरसी पर आयोजित भारतीय गणतंत्र और मौजूदा चुनौतियां विषय पर आयोजित सेमिनार में कही। सेमिनार की अध्यक्षता आनंद देव सांगवान और सूबे सिंह बूरा ने की जबकि संचालन दिनेश सिवाच ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ कृषि विशेषज्ञ डॉ. स्वामीनाथन को याद करते हुए उन्हें एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। कामरेड इंद्रजीत सिंह ने कहा कि कामरेड पृथ्वी सिंह

ने न केवल किसानों व मजदूरों के हकों की लड़ाई लड़ी बल्कि जाति और धर्म के आधार पर होने वाले भेदभाव के खिलाफ भी हमेशा सचेत रूप से लोगों को जागरुक करते रहे। सांप्रदायिकता को लेकर वो हमेशा लड़ते रहे। लोहारू में कुछ समाज विरोधी तत्वों ने मुस्लिम समुदाय के कुछ घरों को जला दिया जिसमें कुछ दिनों बाद उनकी बेटियों की शादी के लिए एकत्रित किया हुआ सामान भी जल गया था। कामरेड पृथ्वी सिंह ने हिसार से लोगों से इकट्ठा करके एक ट्रक सामान भेजा था। उन्होंने कहा कि कामरेड पृथ्वी सिंह शहीद भगत सिंह के विचारों के सच्चे अर्थों में वाहक थे और ताउम्र उनकी विरासत को आगे बढ़ाते रहे। कामरेड इंद्रजीत सिंह ने कहा कि मोदी सरकार आने के बाद न केवल किसान, मजदूर और आम जनता पर हमले तेज हो रहे है। महंगाई बढ़ रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की बुरी हालत है बल्कि संविधान पर भी हमला बोला जा रहा है। देश को तानाशाही की ओर धकेला जा रहा है। ऐसे में तमाम देश भक्त लोगों को आगे आते हुए देश को जोड़ने और बचाने की जरुरत है। इस अवसर पर किसान सभा के जिला प्रधान शमशेर नंबरदार, बनवारी लाल बिश्नोई, बलराज लाडवा, सतबीर धायल, कामरेड सुरेश कुमार, कपूर बगला, शकुंतला जाखड़, अशोक सैनी, विनोद प्रभाकर, मांगेराम गोदारा, कमला देवी, रमेश मिरका, रोहतास राजली, मियां सिंह, मनोज सोनी, हितैष कुमार, मुकेश कुमार, मनोहर लाल जाखड़, सीमा आदि उपस्थित थे।

पंजाब के दो नशा तस्कर गिरफ्तार, बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ बरामद

कुलगाम (हिंस)। कुलगाम जिले से पुलिस ने शुक्रवार को पंजाब के दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किए हैं। काजीगुंड पुलिस स्टेशन की एक पुलिस पार्टी ने गश्त के दौरान दो लोगों को सामान का थैला लेकर संदिग्ध हालत में घूमते देखा और उन्हें रूकने के लिए कहा गया। पुलिस पार्टी को देखने के बाद दोनों ने मौके से भागने की कोशिश की लेकिन सतर्क जवानों ने उनका पीछा किया और दोनों को पकड़ लिया। जांच के दौरान उनके थैले से 19 किलोग्राम भुक्की बरामद की गई। दोनों की पहचान पंजाब के शैरीवाला लुधियाना निवासी बलविंदर सिंह और वलीपोर खुराद लुधियाना, पंजाब के हरविंदर सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि काजीगुंड पुलिस स्टेशन में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने जनता से आग्रह किया है कि यदि वे आस-पास कहीं भी नशीली दवाओं की तस्करी या कोई अन्य अपराध देखते हैं, तो समाज में नशीली दवाओं के खतरे को रोकने के लिए निकटतम पुलिस प्रतिष्ठान से संपर्क करें या 112 डायल करें।

कल से दोबारा हड़ताल पर जाने की तैयारी कर रहे प्रदेश के पेट्रोल पंप संचालक

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में पेट्रोल पंप संचालकों ने गुरुवार से दो घंटे की सांकेतिक हड़ताल का ऐलान किया है। सरकार ने मांगे नहीं मानी तो सोमवार यानी दो अक्तूबर से पूरी तरह से हड़ताल शुरू कर दी जाएगी। पेट्रोल पंप संचालकों की एसोसिएशन ने सरकार से वार्ता की है लेकिन वह बेनतीजा रही है। पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन का कहना है कि सरकार ने उनकी मांगों पर कार्रवाई करने के लिए वक्त मांगा था। ऐसे में सरकार को 10 दिन का समय दिया गया, लेकिन अब 13 दिन बीतने के बाद भी उनकी मांगे जस की तस है। राजस्थान में पेट्रोल पंप डीलर्स एसोसिएशन की मांगों को लेकर सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के बीच 15 सितंबर को वार्ता हुई थी। इसके बाद पेट्रोल पंप डीलर्स एसोसिएशन ने पेट्रोल पंप बंद करने के निर्णय को 10 दिन के लिए स्थगित कर दिया था। सरकार की ओर से भी इस मामले में एंपावर्ड कमेटी बनाकर 10 दिन में रिपोर्ट सौंपने की बात कही गई थी, लेकिन 13 दिन निकलने के बाद भी जब सरकार की ओर से ना तो कमेटी बनाई गई और ना ही कोई रिपोर्ट आई तो पेट्रोल पंप डीलर्स एसोसिएशन ने एक बार फिर आंदोलन पर जाने की बात कर दी है। पेट्रोल पंप डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह भाटी ने बयान जारी कर 28 से 30 सितंबर तक रोजाना शाम 8 से 10 तक बजे तक पेट्रोल पंपों पर लाइट बंद कर पेट्रोल की बिक्री बंद करने का ऐलान कर दिया है। पेट्रोल पंप डीलर्स एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि अगर 30 तारीख तक उनकी मांगें नहीं मानी जाती है तो एक अक्तूबर को सुबह 6 से शाम 6 तक सांकेतिक हड़ताल की जाएगी। इसके बाद भी सरकार ने कोई संज्ञान नहीं लिया तो दो अक्तूबर गांधी जयंती से सभी पेट्रोल पंप अनिश्चितकालीन हड़ताल के तहत बंद कर दिए जाएंगे। पेट्रोल पंप डीलर्स एसोसिएशन के अपनी मांगों को लेकर

हड़ताल पर जाने का निर्णय करते ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शासन सचिव वित्त (राजस्व) की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन कर दिया है। इस समिति में आयुक्त वाणिज्य कर विभाग, संयुक्त शासन सचिव वित्त कर विभाग, अतिरिक्त खाद्य आयुक्त एवं निदेशक उपभोक्ता मामलात विभाग और उपायुक्त एवं उच्च शासन सचिव द्वितीय, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता को सदस्य नियुक्त किया गया है। समिति की गुरुवार को पहली बैठक भी हुई, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि पेट्रोल पंप डीलर्स एसोसिएशन की मांगों को लेकर 30 सितंबर को समिति ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के साथ और तीन अक्तूबर को राजस्थान पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन के साथ बैठक करेगी। समिति तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों और राजस्थान पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन व संबंधित लोगों के साथ चर्चा करने के बाद 10 दिन में अपनी रिपोर्ट देगी। इसके साथ ही समिति ने पेट्रोल-डीजल के बिलों के भुगतान की प्रक्रिया को सुदृढ़ एवं सरल करने के लिए उपभोग करने वाले संबंधित विभागों के साथ भी बैठक करने का निर्णय लेते हुए यह भी तय किया कि सीमावर्ती जिलों में जमीनी स्थिति का अध्ययन करने के लिए टीम में गठित की जाएगी। पेट्रोल पंप डीलर्स एसोसिएशन की ओर से चेतावनी दिए जाने के बाद राज्य सरकार की ओर से कमेटी के नाम और मीटिंग का समय जारी कर दिया गया है, लेकिन अब तक पेट्रोल पंप डीलर्स एसोसिएशन की ओर से अपने आंदोलन को वापस लेने की घोषणा नहीं की गई है।

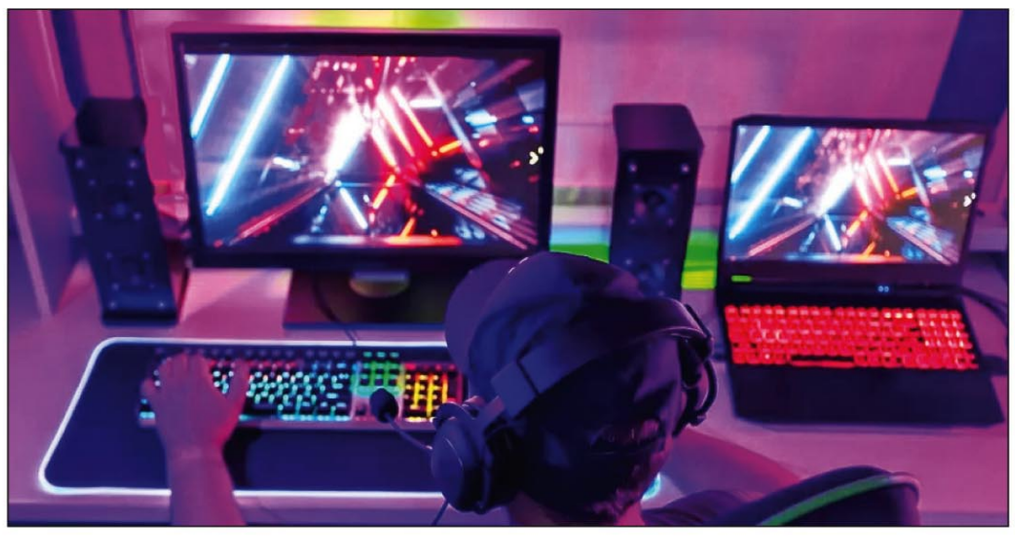

1 अक्टूबर से ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाने को तैयार : सीबीआईसी अध्यक्ष

नई दिल्ली।
जीएसटी परिषद की ओर से ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ पर 28 प्रतिशत लगने वाले फैसले के लिए केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) तैयार है। सीबीआईसी के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने आज यह जानकारी दी। मीडिया से बात करते हुए सीबीआईसी के चेयरमैन ने कहा कि 30 सितंबर तक सभी राज्यों को जारी करना होगा अध्यादेश हाल ही में लोकसभा में जीएसटी कानूनों में संशोधन पारित होने के बाद अब सभी राज्यों की सर्वसम्मति लेनी जरूरी है। सीबीआईसी के चीफ ने कहा कि इस कानून को सभी राज्यों के विधानसभा से पारित कर 30 सितंबर तक अध्यादेश जारी करना होगा।

28 प्रतिशत लगेगा जीएसटी – ऑनलाइन गेमिंग में लगाए गए दांव, कैसीनो में खरीदे गए चिप्स के अंकित मूल्य और घुड़दौड़ में सट्टेबाज/टोटलाइजर के साथ लगाए गए दांव पर 28 प्रतिशत जीएसटी लागू होगा। कई ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को वर्तमान में लगने वाले 18 प्रतिशत के बजाय 28 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान करने के लिए पहले ही नोटिस जारी किया जा चुका है।

ध्वनि मत से पारित हुआ था कानून – 11 अगस्त को, लोकसभा ने ध्वनि मत से दो जीएसटी कानूनों में संशोधन पारित किया था। ये संशोधन एकीकृत वस्तु और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2023 और केंद्रीय वस्तु और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2023 से संबंधित हैं, जिसका उद्देश्य ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ के लिए 28 प्रतिशत जीएसटी लागू करना है।जीएसटी की 51वीं मीटिंग में लिया गया था फैसला ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाने का फैसला 2 अगस्त को जीएसटी परिषद के 51वें बैठक में लिया गया था। आपको बता दें कि ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाने के फैसलों को लेकर ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों ने जमकर विरोध किया था और सरकार को दोबार इस विषय पर विचार करने को कहा था।

न्यूज़ ब्रीफ

सोना 58 हजार रुपए और चांदी 71 हजार पर

नई दिल्ली । विदेशी बाजारों में कीमती धातुओं में तेजी की वजह से भारतीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमत में शुक्रवार को तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 58 हजार रुपए के करीब कारोबार कर रहे हैं, जबकि चांदी के वायदा भाव बढ़कर 71 हजार रुपए पार कर गए हैं। एमसीएक्स पर सोने का दिसंबर कांक्ट्रेक्ट 51 रुपए की तेजी के साथ 57,897 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह 44 रुपए की तेजी के साथ 57,890 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 57,945 रुपए के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 57,827 रुपए के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 549 रुपए की तेजी के साथ 71,149 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह 813 रुपए की तेजी के साथ 71,813 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 71,442 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 71,149 रुपए प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। मई महीने में चांदी के वायदा भाव 78 हजार रुपए किलो को पार कर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में सुधार देखने को मिला। कॉमेक्स पर सोना 1882.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद प्राइस 1878.60 डॉलर था। फिलहाल यह 1.80 डॉलर की तेजी के साथ 1880.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 22.84 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद प्राइस 22.74 डॉलर था। फिलहाल यह 0.32 डॉलर की तेजी के साथ 23.06 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रही थी।

राहत गिरावट के बावजूद 17 देशों की मुद्राओं के मुकाबले रुपये का प्रदर्शन सबसे बेहतर

नई दिल्ली । डॉलर की तुलना में लगातार गिरावट के बावजूद रुपये का प्रदर्शन 17 देशों की मुद्राओं के मुकाबले बेहतर रहा है।बैंक ऑफ बड़ौदा के मुताबिक, सितंबर में 17 देशों की तुलना में रुपये में सबसे कम 0.62 फीसदी गिरावट आई है।मैक्सिको की मुद्रा में सर्वाधिक 4.80 फीसदी गिरावट रही। रिपोर्ट के अनुसार, डॉलर की तुलना में ताईवानी मुद्रा 1.21 फीसदी कमजोर हुई। मलेशियाई मुद्रा 1.46 फीसदी टूट गई। सिंगापुर डॉलर में 1.52 फीसदी गिरावट आई तो ऑस्ट्रेलिया की मुद्रा 1.74 फीसदी और दक्षिण अफ्रीका की मुद्रा 1.78 प्रतिशत गिर गई। ब्राजीलियन रीयल 2.15 प्रतिशत टूटी जबकि इंडोनेशिया की मुद्रा में 2.18 फीसदी गिरावट आई। तुर्किश लिरा में 2.29 फीसदी व कोरियाई मुद्रा में 2.39 प्रतिशत गिरावट सितंबर में दर्ज की गई है। हालांकि, प्रमुख देशों में सिर्फ हांगकांग की मुद्रा ही 0.10 फीसदी मजबूत हुई है। रुपया में गिरावट मूल रूप से डॉलर के मजबूत होने, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आने के कारण हो रही है। यह आगे भी जारी रह सकती है, क्योंकि कच्चा तेल इस समय 95 डॉलर प्रति बैरल के पार हो चुका है और इसमें लगातार वृद्धि हो रही है। इसका असर यह होगा कि विदेशों में खर्च करना या पढ़ाई करना महंगा हो जाएगा। आयातित वस्तुएं महंगी होंगी और निर्यात की जाने वाली वस्तुओं की ज्यादा कीमतें मिलेंगी।

चालू खाते का घाटा कम होकर 9.2 अरब डॉलर के आंकड़े, कैड में 7.9 अरब डॉलर की बढ़ोतरी

मुंबई । देश का चालू खाते का घाटा (कैड) चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में सालाना आधार पर घटकर 9.2 अरब डॉलर रहा। यह जीडीपी का 1.1 फीसदी है। 2022-23 की पहली तिमाही में कैड 17.9 अरब डॉलर या जीडीपी का 2.1 फीसदी रहा था। हालांकि, वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति को बताने वाला कैड जनवरी-मार्च तिमाही के मुकाबले 7.9 अरब डॉलर बढ़ा है। उस दौरान यह 1.3 अरब डॉलर या जीडीपी का 0.2 फीसदी था। आरबीआई के बृहस्पतिवार के आंकड़ों के मुताबिक, तिमाही आधार पर कैड बढ़ने का कारण उच्च व्यापार घाटा, सेवा क्षेत्र में अधिशेष का कम होना और निजी हस्तांतरण प्राप्तियों में कमी है। कंप्यूटर, यात्रा व व्यापार सेवाओं के निर्यात में कमी से शुद्ध सेवा प्राप्ति तिमाही आधार पर घटी है।

शेयर बाजार टूटा, सेंसेक्स 610 अंक नीचे आया, निफ्टी 19,523 पर बंद

मुम्बई ।
घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में से गिरावट दुनिया भर से मिले नकारात्मक संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी शेयर गिरे जिससे भी बाजार पर दबाव आया। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से भी बाजार पर अंकुश लगा। इसी के कारण सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन यानी घरेलू शेयर एक महीने के निचले स्तर पर बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 610.37 अंक यानी 0.92 फीसदी की गिरावट के साथ 65,508.32 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,406.01 अंक तक ऊपर जाने के बाद 65,423.39 तक नीचे आया। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 192.90 अंक तकरीबन 0.98 फीसदी नीचे आकर 19,523.55 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,766.65 तक ऊपर जाने के बाद 19,492.10 तक फिसला।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से केवल 6 शेयर लाभ के साथ ही उछले हैं। एलएंडटी, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक और एनटीपीसी सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। एलएंडटी के शेयर सबसे ज्यादा 2.14 फीसदी तक बढ़े। इसके अलावा, एसबीआई बैंक के शेयर भी उछले। वहीं, दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 24 शेयर नुकसान के साथ ही गिरे हैं। टेक महिंद्रा, एशियन पेंट्स, विप्रो, एमएंडएम, और इंफोसिस सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयर रहे। सबसे ज्यादा नुकसान टेक महिंद्रा के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 4.22 फीसदी तक गिरे। इसके अलावा कोटक बैंक, बजाज फिनसर्व, आईटीसी, एचयूएल, इंडसइंड बैंक, रिलायंस, जेएसडब्लयू स्टील, टीसीएस, बजाज फाइनैंस, टाइटन के शेयर गिरे।

इससे पहले वैश्विक बाजार ने तेजी के साथ शुरुआत की है।सेंसेक्स 125.35 अंक की बढ़त के साथ 66,244.04 पर और निफ्टी 28.40 अंक की तेजी के साथ 19,744.90 पर कारोबार कर रहा था। लगभग 1,502 शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। 489 शेयरों में गिरावट पर कारोबार हो रहा है। वहीं 75 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। प्री-ओपनिंग में बाजार में मजबूती देखने को मिली है हालांकि समय के साथ ही बाजार नीचे आने लगा।

एनारॉक की रिपोर्टः सात शहरों में बिके रिकॉर्ड 1.20 लाख से ज्यादा मकान, बिक्री 36 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली । होम लोन की स्थिर ब्याज दरों के बीच मजबूत मांग से जुलाई से सितंबर के बीच सात प्रमुख शहरों में मकानों की बिक्री सालाना आधार पर 36 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 1,20,280 इकाई पहुंच गई। एक साल पहले की समान अवधि में इन शहरों में 88,230 मकान बिके थे। संपत्ति सलाहकार कंपनी एनारॉक के मुताबिक, कुल बिक्री में मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र और पुणे का कुल 51 फीसदी योगदान रहा। एनारॉक चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, जुलाई-सितंबर में सात शहरों में मकानों की औसत कीमतें सालाना आधार पर 11 फीसदी बढीं। हैदराबाद में सबसे ज्यादा 18 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई। उन्होंने कहा, आरबीआई के दो बार से रेपो दर को यथावत रखने से होम लोन पर ब्याज दरें स्थिर हैं।इससे बिक्री अच्छी बनी हुई है। जुलाई-सितंबर में दिल्ली और एनसीआर में मकानों बिक्री 6 प्रतिशत बढ़कर 15,865 इकाई पहुंची।मुंबईमहानगर क्षेत्र में बिक्री 46 फीसदी बढ़कर 38,500 इकाई पहुंच गई। बंगलूरू में बिक्री 29 फीसदी, पुणे में 63 फीसदी व हैदराबाद में 41 फीसदी बढ़ी है।चेन्नई में 42 प्रतिशत व कोलकाता में 7 फीसदी की तेजी रही।

पाकिस्तान ने फिर फैलाई चीन-सऊदी अरब के सामने झोली! मांगे 11 अरब डॉलर

नई दिल्ली ।
पैसों की कमी से जूझ रहे पाकिस्तान ने एक बार फिर चीन और सऊदी अरब के सामने अपनी झोली फैलाई है। दरअसल पाकिस्तान ने अगले सरकार के सत्ता में आने तक अपने बाहरी और घरेलू संसाधनों के बीच के अंतराल को भरने और आईएमएफ के बेलाउट कार्यक्रम को ट्रैक पर रखने के लिए चीन और पाकिस्तान से 11 अरब डॉलर की आर्थिक मदद देने की गुहार लगाई है। बता दें कि पाकिस्तान में फिलहाल कार्यवाहक सरकार काम कर रही है और बढ़ते आर्थिक बोझ को कम करने के लिए पाकिस्तान की सरकार खुदरा व्यापार, कृषि और रियल एस्टेट सेक्टर्स में भी टैक्स लगाने की तैयारी कर रही है। साथ ही पाकिस्तान की सरकार अवैध करेंसी के मूवमेंट पर भी रोक लगाने की कोशिश कर रही है। पाकिस्तान की कार्यवाहक वित्त मंत्री शमशाद अख्तर ने वित्त और राजस्व की सीनेट की स्थायी समिति के सामने यह जानकारी दी। सीनेट की स्थायी समिति के अध्यक्ष सांसद सलीम मांडवीवाला हैं। शमशाद अक्तर ने बताया कि सरकार आर्थिक पुनर्द्धार योजना पर काम कर रही है और यह योजना जल्द ही पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवार उल हक काकर को सौंपी जाएगी। आईएमएफ की किस्त के लिए किए जाएंगे अर्थव्यवस्था में कुछ सुधार पाकिस्तानी वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार फिलहाल देश के आर्थिक ढांचे में संरचनात्मक बदलाव तो नहीं कर सकती लेकिन आईएमएफ के बेलआउट कार्यक्रम के मुताबिक उन्होंने कुछ सुधारों को लागू करने की बात कही जो आईएमएफ की 700 मिलियन डॉलर की कर्ज किश्त मिलने के लिए जरूरी हैं। इस बारे में पाकिस्तान की सरकार अक्तूबर के अंत में आईएमएफ के साथ बात करेगी। आईएमएफ और पाकिस्तान के बीच बीते जून में तीन अरब डॉलर के पैकेज के समझौते पर सहमति बनी थी। वित्त मंत्री ने कहा कि फिलहाल आईएमएफ प्रोग्राम का पालन करना उनकी प्राथमिकता है ताकि देश में आर्थिक स्थिरता रहे।

पाकिस्तानी वित्त मंत्री ने कहा कि 700 मिलियन डॉलर की लोन किस्त से बाहरी प्रवाह बेहतर होगा। साथ ही चीन और सऊदी अरब से 11 अरब डॉलर की मदद देने की भी अपील की गई है। साथ ही सऊदी अरब से तेल सुविधा में रियायत की अपील की गई है। बाहरी वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न स्त्रोतों जैसे विश्व बैंक, एशियन डेवलेपमेंट बैंक, इस्लामिक डेवलेपमेंट बैंक से 6.3 अरब डॉलर की मदद लेने की भी कोशिश की जा रही है।

कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक ला रहा है आईपीओ, सेबी में दाखिल किया ड्राफ्ट पेपर

नई दिल्ली।
कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक ने आईपीओ के माध्यम से धन जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के साथ ड्राफ्ट पेपर दाखिल किया है। ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार, बैंक के आईपीओ में कुल मिलाकर 450 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का ताजा अंक और मौजूदा निवेशकों द्वारा 24.12 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) शामिल है। आपको बता दें कि ओएफएस में शेयर बेचने वालों में ओमान इंडिया ज्वाइंट इन्वेस्टमेंट फंड, पीआई वेंचर्स एलएलपी, एमिकस कैपिटल प्राइवेट इक्विटी एलएलपी और एमिकस कैपिटल पार्टनर्स इंडिया फंड शामिल हैं। साथ ही कंपनी की प्री-आईपीओ प्लेसमेंट राउंड में 90 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है। यदि ऐसा प्लेसमेंट किया जाता है, तो नए इश्यू का आकार कम हो जाएगा। नए इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग भविष्य की पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बैंक के टियर-1 पूंजी आधार को बढ़ाने में किया जाएगा। इसके अलावा, धनराशि का उपयोग प्रस्ताव से संबंधित खर्चों को पूरा करने के लिए किया जाएगा। वित्त वर्ष 2023 के लिए फंड की लागत, खुदरा जमा और सीएएसए जमा के मामले में कैपिटल स्मॉल फाइनेंस भारत के अग्रणी लघु वित्त बैंकों में से एक है। बैंक ने 2016 में भारत के पहले लघु वित्त बैंक के रूप में परिचालन शुरू किया और वित्तीय वर्ष 2023 तक एसएफबी के बीच 99.82 प्रतिशत के सुरक्षित ऋण के उच्चतम अनुपात के साथ अन्य एसएफबी की तुलना में कई परिसंपत्ति वर्गों में बड़े खाते के साथ सबसे विविध पोर्टफोलियो है।

नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट (पहले एडलवाइस सिक्योरिटीज के नाम से जाना जाता था), डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स और इक्विरस कैपिटल इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। इक्विटी शेयरों को बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी बेचने वाली है अदाणी ग्रीन और अदाणी एनर्जी से हिस्सेदारी, शेयर पर दिखा असर

नई दिल्ली।
ये साल अदाणी ग्रुप के लिए काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा है। आपको याद होगा कि इस साल की शुरुआत में अदाणी ग्रुप के बारे में हिंडनबर्ग की एक रिपोर्ट जारी हुई थी। इस रिपोर्ट के आने के बाद अदाणी ग्रुप के शेयर में गिरावट आई। वहीं, अदाणी ग्रुप के चेयरमैन और फाउंडर गौतम अदाणी की संपत्ति में भी भारी गिरावट देखने को मिली। आपको बता दें कि अदाणी ग्रुप ने हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों को गलत बताया। आज भी कंपनी के शेयर में उतार-चढ़ाव जारी है। अदाणी ग्रुप को लेकर अब एक अहम जानकारी सामने आ रही है। दरअसल, अबू धाबी समूह इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी अदाणी ग्रुप की 2 कंपनियों की हिस्सेदारी बेचने की प्लानिंग कर रहा है। आईएचसी अदाणी ग्रीन एनर्जी और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस की हिस्सेदारी बेचने वाला है। आपको बता दें कि आईएचसी के पास अदाणी ग्रीन एनर्जी की 1.26 फीसदी और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस की 1.41 फीसदी हिस्सेदारी है। बीते दिन अदाणी की इस दो कंपनियों के शेयर प्राइस के आधार पर आईएचसी के पास 3327 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी है। खबर लिखते वक्त अदाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर 13.45 अंक गिरकर 999.55 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 13.75 अंक या 1.67 फीसदी गिरकर 816.60 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा है। बीते दिन कंपनी के अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर 1.73 फीसदी और अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयर 0.61 फीसदी गिरकर बंद हुए थे।

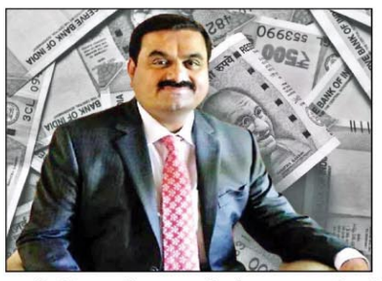

कौन खरीद रहा है कंपनी की हिस्सेदारी – आईएचसी ने अभी तक कंपनी के हिस्सेदारी खरीदने वाले खरीदार की जानकारी नहीं दी है। कंपनी ने पिछले साल अदाणी ग्रीन एनर्जी और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस में 50-50 करोड़ डॉलर का निवेश किया था। आईएचसी के मुख्य कार्यकारी सैयद बसर शुएब ने उस वक्त कहा था कि कंपनी अदाणी ग्रुप में लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करेगी। कंपनी की ओर से कहा गया है कि वह अपने पोर्टफोलियो को नियंत्रित करने के लिए हिस्सेदारी बेच रही है। कंपनी द्वारा अदाणी एंटरप्राइजेज में निवेश को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है।

चावल निर्यात पर रोक

भारत ने विश्व व्यापार संगठन में अपने फैसले को बताया जायज, कहा- यह प्रतिबंध नहीं विनियम

नई दिल्ली ।
भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में दो टूक कहा कि चावल के निर्यात पर लगाई गई रोक को प्रतिबंध के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए, यह सिर्फ विनियमन है। देश के 1.4 अरब लोगों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम था। यूक्रेन रूस संकट के दौरान भारत ने इस साल 20 जुलाई को घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने और आगामी त्योहारी सीजन के दौरान खुदरा कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर रोक लगा दी थी। कनाडा, अमेरिका समेत कई देशों ने भारत के इस फैसले पर गंभीर सवाल उठाए थे।

विश्व व्यापार संगठन की कृषि मामलों की समिति की जिनेवा में हुई बैठक में अपने कदम को जायज ठहराते हुए भारत ने दोहराया कि यह फैसला खाद्य सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिया गया। भारत आयातक देशों में उनकी सरकारों के अनुरोध पर जरूरतमंदों को छूट देकर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह हमारी प्रतिबद्धता है कि खाद्य असुरक्षित, कमजोर देशों और पड़ोसी देशों के अनुरोध के मामले में, उन्हें आवश्यक मात्रा में चावल या गेहूं उपलब्ध कराया जाएगा।

जरूरतमंद कई देशों को रोक के बावजूद दी निर्यात की अनुमति

भारत ने अपनी प्रतिबद्धता को सही साबित करते हुए बताया कि रोक के बावजूद जरूरतमंद देशों को भारत ने पहले ही निर्यात की मंजूरी दी है। इसमें नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लि. (एनसीईएल) के माध्यम से भूटान (79,000 टन), यूएई (75,000 टन), मॉरीशस (14,000 टन) और सिंगापुर (50,000 टन) को गैर-बासमती चावल का निर्यात किया गया है।

इसलिए डब्ल्यूटीओ को पहले नहीं बताया

भारत ने अचानक रोक लगाने के फैसले के बचाव में तर्क दिया कि वैश्विक हालात को ध्यान में रखते हुए दिग्गजों को बाजार की स्थितियों में हेरफेर करने से रोकने के लिए इस फैसले के बारे में डब्ल्यूटीओ में अग्रिम सूचनाएं नहीं दी गईं। इस बात की आशंका था कि अगर इस बारे में जानकारी पहले मिलेगी तो बड़े आपूर्तिकर्ता स्टॉक दबाकर हेरफेर कर सकते थे। भारत ने बताया कि ये उपाय अस्थायी हैं और घरेलू मांग व आपूर्ति स्थितियों के आधार पर नियमित रूप से समीक्षा की जा रही है। यह देखा जा रहा है कि आवश्यक समायोजन की अनुमति कब दी जा सकती है।

इन देशों ने रोक पर उठाए थे सवाल

40 फीसदी से अधिक वैश्विक निर्यात के साथ भारत दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक है। भारत के निर्यात पर रोक वाले फैसले को लेकर अमेरिका, कनाडा, जापान, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, स्विट्जरलैंड, थाईलैंड, ब्रिटेन ने दर्जनों सवाल उठाए थे। इन देशों का कहना था कि ऐसे उपायों का उन देशों पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है जो इन कृषि वस्तुओं के आयात पर बहुत अधिक निर्भर हैं। खासकर संकट के समय में यह अधिक चिंताजनक है। यूक्रेन रूस संघर्ष और अल नीनो जलवायु परिस्थितियों के चलते वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह ध्वस्त हो गई थी।

जरूरतमंद कई देशों को रोक के बावजूद दी निर्यात की अनुमति

भारत ने अपनी प्रतिबद्धता को सही साबित करते हुए बताया कि रोक के बावजूद जरूरतमंद देशों को भारत ने पहले ही निर्यात की मंजूरी दी है। इसमें नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लि. (एनसीईएल) के माध्यम से भूटान (79,000 टन), यूएई (75,000 टन), मॉरीशस (14,000 टन) और सिंगापुर (50,000 टन) को गैर-बासमती चावल का निर्यात किया गया है।

फिल्म 12वीं फेल के लेकर आ रहे हैं विधु चोपड़ा

– फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म के निमार्ता विधु विनोद चोपड़ा, एक और कंटेंट-ओरिएंटेड फिल्म 12वीं फेल के लेकर आ रहे हैं। ये फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है। इस फिल्म में विक्रांत मैसी लीड रोल में है। इस फिल्म के आकर्षक टीजर के बाद, दर्शक निमार्ताओं द्वारा ट्रेलर रिलीज करने का इंतजार कर रहे थे। ऐसे में लोगों को खुश करने के लिए, निमार्ताओं के पास उनके लिए एक खास सरप्राइज है। मेकर्स ने फिल्म के ट्रेलर को विवेक रंजन अग्निहोत्री द्वारा निर्देशित द वैक्सीन वॉर और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा डिस्ट्रिब्यूटेड फुकरे 3 के थिएट्रिकल प्रिंट के साथ रिलीज करने का फैसला लिया है। दोनों फिल्में गुरुवार, 28 सितंबर को रिलीज होंगी और 12वीं फेल का ट्रेलर फिल्म के प्रीमियर पर मल्टीप्लेक्स और सिंगल स्क्रीन पर दिखाया जाएगा। जहां तक फिल्म की बात करें तो यह अनुराग पाठक की सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब पर बेस्ट है और दो आईपीएस अधिकारियों, मनोज कुमार शर्मा और श्रद्धा जोशी के साथ-साथ एक डकैत के जीवन पर आधारित है जो असल जीवन में एक आईपीएस अधिकारी बन गया। विक्रांत मैसी अभिनीत 12वीं फेल, विधु विनोद चोपड़ा और जी स्टूडियो द्वारा निर्मित है और 27 अक्टूबर, 2023 को रिलीज होगी। बता दें कि इससे पहले विधु विनोद चोपडा परिंदा, 1942: ए लव स्टोरी, मिशन कश्मीर, मुन्नाभाई सीरीज, 3 इडियट्स और पीके जैसी शानदार पफिल्मों का निर्माण कर चुके है, जिन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है।

मिलन लूथरिया की सुल्तान ऑफ दिल्ली में नजर आएंगे ताहिर राज

बालीवुड अभिनेताओं में अगर किसी की कला में निखार आया है, तो वह ताहिर राज भसीन हैं। उन्होंने तीव्र एंटागनिस्ट की भूमिका निभाने से लेकर जटिल, स्तरित नायकों को चित्रित करने तक, विविध शैलियों और कथाओं में कदम रखा है। ताहिर को समीक्षकों द्वारा प्रशंसित ये काली काली आंखें, लूप लपेटा, छिछोरे, 83 और मदार्नी जैसी कुछ परियोजनाओं में देखा गया है। ताहिर राज भसीन अगली बार मिलन लूथरिया की सुल्तान ऑफ दिल्ली में नजर आएंगे। अर्नब रे की पुस्तक सुल्तान ऑफ दिल्ली सीरीज 60 के दशक की दिल्ली में एक गैंगस्टर के उदय की कहानी है।सुल्तान ऑफ दिल्ली में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, अभिनेता ने कहा, लक्ष्य हमेशा अव्यवस्था को दूर करने वाला काम करना है। जो चीज मुझे किसी भी परियोजना के प्रति आकर्षित करती है वह यह है कि वह कितनी अलग है। सुल्तान ऑफ दिल्ली एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो वास्तव में मेरे मन में घर कर गया। अर्जुन भाटिया एक ऐसा नायक है जिसमें एक अभिनेता द्वारा निभाए जा सकने वाले हर संभव रंग हैं और उसने मुझे हर दिन सेट पर अपना ए गेम लाने की चुनौती दी है! मैं भाग्यशाली हूं कि मिलन लुथरिया सर ने मुझे मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुना और मुझे अपने भव्य दृष्टिकोण का हिस्सा बनाया। मुझे एक सटीक रोड मैप देना उनके लिए बहुत उदारता थी, फिर भी उन्होंने मुझ पर अपने विचारों को सामने लाने के लिए जगह और स्वतंत्रता का भरोसा दिया।वह आगे कहते हैं, मैं अर्जुन भाटिया और सीरीज पर लोगों की प्रतिक्रिया देखने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। एक अभिनेता के रूप में, मैं ऐसे प्रोजेक्ट करने की इच्छा रखता हूं और मैंने इस सीरीज में अपने भीतर से सब कुछ डाला है। इसलिए, इसे मिल रहा सारा प्यार और सराहना मेरे लिए एक बड़ी व्यक्तिगत मान्यता है। मैं मिलन सर और पूरी टीम के लिए बहुत खुश हूँ! मुझे उम्मीद है कि जब लोग 13 अक्टूबर को यह सीरीज देखेंगे तो वे चौंक जायेंगे।

हम कॉमेडी फिल्मों को सही श्रेय नहीं देते : पंकज त्रिपाठी

फुकरे फ्रेंचाइजी में बॉलीवुड एक्टर पंकज त्रिपाठी ने कहा कि जो फिल्में लोगों को हंसाती हैं, वे दर्शकों के ज्यादा करीब होती हैं।एक्टर ने फिल्म के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने कहा, 10 साल पहले जब पहला पार्ट आया था तो उसने लोगों को खूब हंसाया था और हमारी तरह दर्शक भी फिल्म के साथ बड़े हो गए हैं। वे 10 साल पहले हंसे थे और फिल्म के किरदारों से जुड़ गये थे। मुझे यह भी लगता है कि हम कॉमेडी फिल्मों को सही श्रेय नहीं देते। जब आप किसी को हंसाते हैं, तो आप उन्हें दिल की गहराई से खुश करते हैं। इसलिए, जो फिल्में लोगों को हंसाती हैं, वे उनके करीब हैं। मुझे लगता है कि कॉमेडी फिल्म को देखने का यह एक अलग तरीका है। इस बार फिल्म और उनके किरदार में दर्शक क्या नया उम्मीद कर सकते हैं, इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, किरदार वही है, बस हालात अलग हैं। उनकी यात्रा अलग है। फिल्म का कैनवास और स्केल इस बार बहुत बड़ा है। पिछली दो किश्तों की तुलना में इसमें बहुत अधिक हंसी है। मृगदीप लांबा द्वारा निर्देशित, फुकरे 3 में इस बार भोली पंजाबन लड़कों के खिलाफ चुनाव अभियान में शामिल दिखाई देगी, जिसके संचालन के पीछे पंडित जी का हाथ है। फिल्म में पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा, ऋचा चड्ढा, मनजोत सिंह और पंकज त्रिपाठी सहित मूल कलाकार हैं। फुकरे फ्रेंचाइजी में बॉलीवुड एक्टर पंकज त्रिपाठी पंडित जी की भूमिका को लेकर चचाओं में हैं। फुकरे का यह तीसरा पार्ट है।

फिल्म सुखी में शिल्पा को दर्शकों ने सराहा

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी कुंद्रा ने फिल्म सुखी में अपने प्रदर्शन से फिर दर्शकों को प्रभावित किया है। सुखी में शिल्पा शेट्टी कुंद्रा ने एक ऐसे किरदार को निभाया है, जो सेल्फ लव के सफर पर निकल पड़ता है। वह अपने किरदार के विभिन्न चरणों के बीच सहजता से बदलाव करती हैं। सुखी एक पारिवारिक मनोरंजक फिल्म होने का वादा करती है, जो सभी आयु वर्ग के दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। फैंस सोशल मीडिया के जरिये शिल्पा शेट्टी की जमकर तारीफ कर रहे हैं। यह फिल्म सोनल जोशी द्वारा निर्देशित है। सुखी भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विक्रम मल्होत्रा और शिखा शर्मा की एक पावरहाउस टीम द्वारा निर्मित है। फिल्म में शिल्पा के अलावा अमित साध, चैतन्य चौधरी, किरण कुमार, कुशा कपिला जैसे एक्टर्स मौजूद हैं। शिल्पा शेट्टी कुंद्रा की आगामी परियोजनाओं में रोहित शेट्टी की इंडियन पुलिस फोर्स में पहली महिला पुलिसकर्मी के रूप में उनकी अभूतपूर्व भूमिका है। इसके साथ ही केडी नामक एक प्रतीक्षित कन्नड़ फिल्म भी शामिल है। बता दें कि सुखी फिल्म फिल्म न केवल शिल्पा की प्रतिभा को प्रदर्शित करती है बल्कि उनकी कला के प्रति उनके समर्पण को भी दर्शाती है, जिसे प्रशंसकों और आलोचकों से समान रूप से प्रशंसा मिल रही है।

किम ने बिकिनी में खेली टेनिस, फैंस के उडे होश

हाल ही में हॉलीवुड स्टार किम कार्दशियन ने अपने फैंस के होश उड़ा दिए है। उन्होंने बिकिनी में टेनिस खेलते की अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में 42 की किम कार्दशियन पिंक बिकिनी पहने दिखाई दे रही हैं। बिकिनी के साथ एक्ट्रेस ने बाहों में मैचिंग कलर का ओपन जैकेट भी कैरी किया है। पिंक बिकिनी में एक्ट्रेस अपने कर्वी किलर फिगर को फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। नेक पर चैन सबका अट्रैक्शन पॉयंट बनी हुई है। चेहरे पर ट्रांसपेरेंट गॉग्लस और बालों की लंबी चोटी बनाकर उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया है। हॉट बेब बन किम कोर्ट में खूब टेनिस खेलती दिख रही हैं। कई तस्वीरों में एक्ट्रेस जमीन पर बैठ भी पोज दे रही हैं। एक्ट्रेस को यूं धड़ल्ले अंदाज में टेनिस खेलते देख फैंस मदहोश हो रहे हैं। बता दें कि हॉलीवुड स्टार किम कार्दशियन अपने बोल्ड लुक के चलते सोशल मीडिया पर चर्चा में बनी रहती हैं। वह अक्सर फैंस के साथ अपनी हॉट तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जिन्हें देख फैंस के होश उड़ जाते हैं।

विक्रांत मैसी ने निभाई है विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वीं फेल में अहम भूमिका

बालीवुड फिल्म के निमार्ता विधु विनोद चोपड़ा, एक और कंटेंट-ओरिएंटेड फिल्म 12वीं फेल के लेकर आ रहे हैं। ये फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है। इस फिल्म में विक्रांत मैसी लीड रोल में है। इस फिल्म के आकर्षक टीजर के बाद, दर्शक निमार्ताओं द्वारा ट्रेलर रिलीज करने का इंतजार कर रहे थे। ऐसे में लोगों को खुश करने के लिए, निमार्ताओं के पास उनके लिए एक खास सरप्राइज है। मेकर्स ने फिल्म के ट्रेलर को विवेक रंजन अग्निहोत्री द्वारा निर्देशित द वैक्सीन वॉर और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा डिस्ट्रिब्यूटेड फुकरे 3 के थिएट्रिकल प्रिंट के साथ रिलीज करने का फैसला लिया है। दोनों फिल्में गुरुवार, 28 सितंबर को रिलीज होंगी और 12वीं फेल का ट्रेलर फिल्म के प्रीमियर पर मल्टीप्लेक्स और सिंगल स्क्रीन पर दिखाया जाएगा। जहां तक फिल्म की बात करें तो यह अनुराग पाठक की सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब पर बेस्ट है और दो आईपीएस अधिकारियों, मनोज कुमार शर्मा और श्रद्धा जोशी के साथ-साथ एक डकैत के जीवन पर आधारित है जो असल जीवन में एक आईपीएस अधिकारी बन गया। विक्रांत मैसी अभिनीत 12वीं फेल, विधु विनोद चोपड़ा और जी स्टूडियो द्वारा निर्मित है और 27 अक्टूबर, 2023 को रिलीज होगी।बता दें कि इससे पहले विधु विनोद चोपडा परिंदा, 1942: ए लव स्टोरी, मिशन कश्मीर, मुन्नाभाई सीरीज, 3 इडियट्स और पीके जैसी शानदार पफिल्मों का निर्माण कर चुके है, जिन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है।

शाहरुख खान की फिल्म जवान ने वर्ल्डवाईड कमाए 1000 करोड़

इन दिनों बॉलीवुड के किंग खान शाहरूख खान की फिल्म जवान दुनियाभर में धूम मचा रही है। फिल्म जवान ने अबतक वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। एटली के निर्देशन में बनी शाहरुख खान की जवान 7 सितंबर को प्रदर्शित हुयी थी। यहां गौरतलब है कि फिल्म जवान को रिलीज हुए 19 दिन हो चुके हैं। फिल्म जवान हर दिन नए रिकॉर्ड अपने नाम कर रही है। जवान ने कई फिल्मों का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। भारत में जवान का कुल कारोबार 560 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। जवान न सिर्फ भारत में बल्कि विदेश में भी खूब धमाल मचा रही है। यही वजह है कि फिल्म ने दुनियाभर में 1000 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर ली है। गौरी खान और शाहरुख की कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले फिल्म जवान को प्रोड्यूस किया गया है। जवान में शाहरुख खान के साथ नयनतारा, विजय सेतुपति, प्रियामणि, सान्या मल्होत्रा, सुनील ग्रोवर और रिद्धि डोगरा सहित अन्य कलाकार भी शामिल है।

दिशा और राहुल की खुशी सातवें आसमान पर

छोटे परदे की युवा दिलों की धडकन दिशा परमार और राहुल वैद्य की खुशी इस वक्त सातवें आसमान पर है। दोनों हाल ही में पहले बच्चे के पेरेंट्स बने हैं। गणेश चतुर्थी के मौके पर दिशा ने एक प्यारी सी बेटी को जन्म दिया, जिसे वह बीते दिनों अस्पताल से अपने घर ले आए हैं। दिशा परमार और राहुल वैद्य ने 21 सितंबर को अपनी बेबी गर्ल का स्वागत किया था, जिसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर कर दी थी। इसी बीच पेरेंटहुड एन्जॉय कर रहे राहुल ने अपनी लाडली संग एक फोटो शेयर की है, जो इंटरनेट पर आते ही वायरल हो गई। राहुल वैद्य ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी पर बेटी संग एक तस्वीर शेयर की, जिसमें देखा जा सकता है कि एक्टर अपनी बिटिया रानी की तरफ प्यार भरी निगाहों से देख रहे हैं। उनके चेहरे पर इस दौरान पापा बनने की खुशी साफ झलक रही है। वहीं नन्हीं परी का फोटो में चेहरा नजर नहीं आ रहा। इस प्यारी तस्वीर को शेयर करते हुए राहुल ने लव यू लिखा है।

शिल्पा ने सुखी में किया शानदार प्रदर्शन

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी कुंद्रा ने फिल्म सुखी में अपने प्रदर्शन से फिर दर्शकों को प्रभावित किया है। सुखी में शिल्पा शेट्टी कुंद्रा ने एक ऐसे किरदार को निभाया है, जो सेल्फ लव के सफर पर निकल पड़ता है। वह अपने किरदार के विभिन्न चरणों के बीच सहजता से बदलाव करती हैं। सुखी एक पारिवारिक मनोरंजक फिल्म होने का वादा करती है, जो सभी आयु वर्ग के दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। फैंस सोशल मीडिया के जरिये शिल्पा शेट्टी की जमकर तारीफ कर रहे हैं। यह फिल्म सोनल जोशी द्वारा निर्देशित है। सुखी भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विक्रम मल्होत्रा और शिखा शर्मा की एक पावरहाउस टीम द्वारा निर्मित है। फिल्म में शिल्पा के अलावा अमित साध, चैतन्य चौधरी, किरण कुमार, कुशा कपिला जैसे कई उम्दा एक्टर्स मौजूद हैं। शिल्पा शेट्टी कुंद्रा की आगामी परियोजनाओं में रोहित शेट्टी की इंडियन पुलिस फोर्स में पहली महिला पुलिसकर्मी के रूप में उनकी अभूतपूर्व भूमिका है। इसके साथ ही केडी नामक एक प्रतीक्षित कन्नड़ फिल्म भी शामिल है।

ट्रांसजेंडर फिल्म को लेकर गंभीर हैं : अक्षत

फिल्म हड्डी के निर्देशक अक्षत अजय शर्मा ने कहा है कि अनुराग कश्यप के साथ काम करना शानदार अनुभव रहा। अक्षत ने हड्डी का सह-लेखन और निर्देशन किया था। निर्देशक ने ट्रांसजेंडर पर फिल्म बनाने और अनुराग कश्यप के साथ काम करने के बारे में बात की। अनुराग कश्यप के साथ अपने काम के अनुभव के बारे में बात करते हुए, जिनकी उन्होंने अपनी फिल्मों में निर्देशक के रूप में सहायता की है, उन्होंने कहा, यह बिल्कुल भी मुश्किल नहीं था। अनुराग कश्यप की खूबी यह है कि जिन्होंने भी उनके साथ काम किया है, उन्होंने अद्भुत अनुभव पाया हैं। वह एक संस्कृति विकसित करते हैं, एक आजादी है जो वह जिम्मेदारी के साथ देते हैं।

जब आप उनके साथ काम करते हैं तो आपको हमेशा कुछ भी कहने की आजादी होती है। वह मेरे लिए सपोर्टिंग पिलर रहे हैं। उसका होना बहुत बेहतरीन था। ट्रांसजेंडर पर फिल्म बनाने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, देखिये हम किसी को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते। हमने चर्चा की थी कि हम फिल्म को घिसी-पिटी या उपदेशात्मक नहीं बनाएंगे। इस समुदाय में बहुत गहराई है। वे रामायण काल से ही हमारे साथ हैं। हम उन्हें केवल ऐसे लोगों के रूप में जानते हैं जो हमारे समारोहों में बधाई देने आते हैं। लेकिन हम दिखाना चाहते थे कि वे कैसे रहते हैं, क्या करते हैं। हमने वो सब बहुत ईमानदारी से दिखाया है। हड्डी एक क्राइम ड्रामा है, जिसमें नवाजुद्दीन, अनुराग कश्यप और इला अरुण मुख्य भूमिका में हैं।

सूडोकु नवताल- 6568

कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6567 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्दजाल- 7315

म	अ	मु	ग	ल	ए	अ	व	धी	ल	ध	
द	अ	व	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	ड़	
र	स	ल	का	दी	व	स	अ	कां	ख	र	
जी	लि	ल	प	श	ता	स	द	ह	बा	ल	
त	य	अ	अ	र	र	अ	गु	ख	प	दे	
क	त	अ	शो	त	अ	भि	अ	न	श	जू	
क	स	अ	क	अ	न	ला	द	शा	जू	व	
द	अ	ल	च	व	जी	षा	ऐ	बें	प	सा	
क	बा	ना	क्र	त	क	छ	प्प	न	हिं	जू	
क	र्च	बा	तें	व	न	ज	द	अ	जू	व	
अ	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु	

शब्द जाल में 'अ' से शुरु होने वाले 10 शब्द ढूंढिए. दिए गए शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अवधी, अवकाश, अवतार,अर्चना,असलियत, अखबार, अभिलाषा, अवलोकन,अशोकचक्र, अहिंसा.

शब्दजाल - 7314 का हल

अष्टयोग - 6268

5		1		6		2
4	25	2	32		36	
			6	7		3
	31	3	42		33	
3	2	7		4	5	
	37		35	3	30	
2		6		1		4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6267 का हल

5	3	6	4	1	7	2
4	33	2	32	2	28	7
1	5	7	6	4	2	3
6	33	5	42	3	31	6
3	2	4	6	7	5	1
7	27	3	35	5	40	5
2	5	1	3	6	7	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

टेबल टेनिस में मनिका-शरत प्री क्वार्टर फाइनल में स्कवॉश में पुरुष और महिला टीमें सेमीफाइनल में

हांगझोऊ ।

भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा, शरत कमल और जी साथियान ने अपने प्रतिद्वंद्वियों पर जीत दर्ज कर एशियाई खेलों की एकल टेबल टेनिस स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पिछले एशियाड के टीम कांस्य पदक विजेता शरत ने मालदीव के मोहम्मद शफान इस्माल को कोई मौका नहीं दिया और 11-9, 11-2, 11-7, 11-7 से जीत हासिल की। साथियान भी जकार्ता 2018 में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थे, उन्होंने भी सऊदी अरब के तुर्की लाफी अलमुताइरी पर दबदबा बनाते हुए 11-5, 11-6, 11-9, 11-2 से जीत दर्ज की। राष्ट्रमंडल खेल 2018 में स्वर्ण पदक और जकार्ता एशियाई खेलों में मिश्रित युगल कांस्य पदक विजेता मनिका ने नेपाल की नबीता श्रेष्ठ को 11-5, 11-4, 11-3, 11-2 से हराया। अब उनका सामना थाईलैंड की सुथासिनी सावेत्ताबुत से होगा।

स्क्वॉश में भारतीय टीम का प्रदर्शन - भारतीय पुरुष और महिला स्क्वॉश टीम ने बृहस्पतिवार को यहां अपने वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचकर एशियाई खेलों में पदक पक्के किए। पुरुष टीम ने पूल के अंतिम मुकाबले में नेपाल को 3-0 से शिकस्त दी जबकि महिला टीम ने मलयेशिया के खिलाफ अपने अंतिम पूल बी मैच में 0-3 की एकतरफा हार के बावजूद सेमीफाइनल में जगह बनाकर पदक पक्का किया। दोनों टीमों ने अपने-अपने पूल में शीर्ष दो स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई और अपने पदक पक्के किए। स्क्वॉश में सेमीफाइनल में हारने वालों को भी कांस्य पदक मिलता है। पुरुषों की टीम स्पर्धा में अभय सिंह ने अमृत थापा मागर को 17 मिनट में 11-2, 11-4, 11-1 से मात दी। दूसरे मैच में महेश मंगावंकर ने भी 17 मिनट में जीत हासिल की, उन्होंने अरहंत केशर सिम्हा को 11-2, 11-3, 11-3 से हराया। भारतीय महिला टीम के लिए सबसे पहले जोशना चिनप्पा उतरीं जिन्हें सिर्फ 21 मिनट में मलयेशिया की सुब्रमण्यम सिवसंगारी के खिलाफ 6-11, 2-11, 8-11 से हार का सामना करना पड़ा। दूसरे मुकाबले में तन्वी खन्ना को 2-1 की बढ़त बनाने के बावजूद राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता एइफा बिंटी अजमान के खिलाफ 9-11, 11-1, 7-11, 13-11, 11-5 से हार झेलनी पड़ी। अंतिम मैच में 15 साल की अनहत सिंह को मलयेशिया की राशेल मेइ के खिलाफ 7-11, 7-11, 12-14) से हार मिली। भारतीय महिला टीम ने इससे पूर्व अपने शुरुआती तीन मुकाबलों में पाकिस्तान, नेपाल और मकाऊ को 3-0 के समान अंतर से हराया था।

न्यूज ब्रीफ

टेनिस में भारत को पहला पदक; रामकुमार-माइनेनी की जोड़ी को मिला रजत, बोपन्ना-रूतुजा फाइनल में

हांगझोऊ । टेनिस में भारत को शुक्रवार (29 सितंबर) को एक रजत पदक मिला। रामकुमार रामनाथन और साकेत माइनेनी की पुरुष जोड़ी युगल स्पर्धा के फाइनल में हार गई। दोनों को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को फाइनल में चीनी ताइपै के सू यु सियू और जैसन जुंग ने फाइनल में सीधे सेटों में हराया। टेनिस में इस बार भारत का यह पहला पदक है। जकार्ता में 2018 में भारत ने तीन पदक जीते थे। दूसरी ओर, अनुभवी खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और रूतुजा भोसले की जोड़ी मिश्रित युगल के फाइनल में पहुंच गई। दोनों ने देश के लिए रजत पदक पक्का कर दिया। गैर वरीय चीनी ताइपै टीम के दोनों सदस्य सू (182) और जुंग (231) की एकल रैंकिंग बेहतर थी जो उनके खेल में भी नजर आया। उन्होंने दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी को 6-4, 6-4 से हराया। रामकुमार का एशियाई खेलों में यह पहला और माइनेनी का तीसरा पदक है। माइनेनी ने 2014 इंचियोन खेलों में सतनाम सिंह के साथ पुरूष युगल में रजत और सानिया मिर्जा के साथ मिश्रित युगल स्वर्ण जीता था। रोहन बोपन्ना और रूतुजा भोसले ने मिश्रित युगल फाइनल में जगह बनाई। दोनों से स्वर्ण पदक की उम्मीद है। रोहन और रूतुजा ने सेमीफाइनल में चीनी ताइपे के चेन हाओ चिंग और यू सिओयू हिसू की जोड़ी को हराया।

विश्व कप के लिए रविचंद्रन अश्विन की टीम इंडिया में हुई वापसी

नई दिल्ली । आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 के लिए रविचंद्रन अश्विन की टीम इंडिया में वापसी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार विश्व कप के लिए रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम की अंतिम घोषणा हो गई है। बीसीसीआई प्रबंधन ने हालांकि इस महीने की शुरुआत में अस्थायी टीम की घोषणा की थी। आईसीसी टूर्नामेंट के लिए अंतिम टीम जमा करने की अंतिम तिथि 28 सितंबर थी। सो, निश्चित दिन रविचंद्रन अश्विन के फैंस के लिए अच्छी खबर मिली है। अश्विन को अक्षर पटेल की जगह 15 सदस्यीय टीम में शामिल कर लिया गया है। पटेल फिलहाल क्वाड्रिसेप्स में खिंचाव के कारण टीम से बाहर हैं और वह इससे उभर नहीं पाए हैं। सूत्रों से पता चला है कि चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना अभियान शुरू करने से पहले पटेल के फिट होने की संभावना है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई वनडे सीरीज में अश्विन के प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं का काम मुश्किल कर दिया था। 37 वर्षीय अश्विन अपनी गेंदबाजी में विभिन्ना के कारण चर्चा बटोर कर ले गए थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले 2 वनडे में अच्छा प्रदर्शन करने के कारण पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भी अश्विन की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि जिस तरह से उन्होंने पिछले 2 मैचों में गेंदबाजी की है, मुझे लगता है कि उन्होंने विश्व कप के लिए जगह बना ली है। यदि अक्षर पटेल की फिटनेस पर जरा भी संदेह है तो उसे सावधान रहने की जरूरत है। टीम प्रबंधन को लगता है कि वे अक्षर के साथ यह मौका नहीं ले सकते क्योंकि आगे विश्व कप है तो अश्विन को लिया जा सकता है। भारत की आरे से विश्व कप टीम में रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उप-कप्तान), शुबमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, रविचंद्रन अश्विन इशान किशन, सूर्यकुमार यादव शामिल हैं।

रोहित का आईफोन गायब हुआ

राजकोट । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा का आईफोन गुम हो गया है। ये आईफोन राजकोट में कब गायब हुआ इसका पता नहीं चला है। रोहित और भारतीय टीम यहां विश्वकप के लिए अभ्यास कर रही थी। उसी के बाद जब रोहित ने अपने फोन को देखा तो वह नहीं मिला हालांकि रोहित ने पुलिस में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है पर तलाश जारी है। सौराष्ट क्रिकेट संघ के साथ स्थानीय प्राधिकरण ने भी फोन की तलाश की पर वह नहीं मिला। वहीं इसके पीछे किसी संगठित गिरोह के शामिल होने की आशंका है। एक रिपोर्ट के अनुसार इलाके में अंतरराष्टीय मैचों और अन्य त्योहारों के दौरान फोन चोरी करने वाले गिरोह सक्रिय हो जाते हैं। दर्शकों और अन्य लोग ने भी कई बार इसकी शिकायतें की थीं। वहीं अब रोहित का फोन खो जाने से अधिकारियों की नींद टूटी है। रोहित पहले भी कई बार अपनी चीजों को भूलने के लिए जाने जाते हैं। इससे पहले एशिया कप का खिताब जीतने के बाद वह पासपोर्ट होटल रूम में ही भूल गए थे जबकि एक बार उनकी शादी की रिंग भी गुम हुई थी।

भारत ने शूटिंग में तोड़े दो रिकॉर्ड, पलक-ईशा ने किया कमाल ; ऐश्वर्य-स्वप्निल-अखिल की तिकड़ी भी छाई

हांगझोऊ ।

एशियाई खेलों का छठे दिन शुक्रवार (29 सितंबर) को भारतीय निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। महिला और पुरुष खिलाड़ियों ने मिलकर पांच पदक भारत के खाते में जोड़े। इसके अलावा दो बड़े रिकॉर्ड को भी ध्वस्त कर दिया। एशियाई खेलों के मौजूदा संस्करण में अब भारत के सिर्फ निशानेबाजी में ही 18 पदक हो गए। इनमें छह स्वर्ण, सात रजत और पांच कांस्य पदक शामिल हैं। छठे दिन ईशा सिंह और पलक के अलावा ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने दो-दो पदक जीते। पलक और ईशा ने पाकिस्तानी खिलाड़ी को हराया महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में पलक ने स्वर्ण पदक पर कब्जा कर लिया। वहीं, ईशा सिंह ने रजत पदक पर कब्जा किया। पाकिस्तान की किश्माला तलत को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। पलक ने 242.1 और ईशान ने 239.7 का स्कोर किया। पलक ने एशियाई खेलों का रिकॉर्ड भी बनाया। इस स्पर्धा में उन्होंने सबसे बड़ा स्कोर किया। वहीं, किश्माला ने 218.2 का स्कोर किया। ईशा का यह प्रतियोगिता में चौथा पदक है।

50 मीटर राइफल 3 पॉजिशन पुरुष टीम स्पर्धा में स्वर्ण

शूटिंग में ऐश्वर्य प्रताप सिंह, स्वप्निल और अखिल की तिकड़ी ने कमाल कर दिया। तीनों ने मिलकर 50 मीटर राइफल 3 पॉजिशन पुरुष टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

तीनों ने मिलकर 1769 का स्कोर किया। ऐश्वर्थ, स्वप्निल और अखिल ने विश्व रिकॉर्ड भी बनाया। इस स्पर्धा में इससे पहले सबसे बड़ा स्कोर का रिकॉर्ड अमेरिका के नाम था। उसने पिछले साल 1761 का स्कोर किया था।

10 मीटर एयर पिस्टल महिला टीम स्पर्धा में रजत

10 मीटर एयर पिस्टल महिला टीम इवेंट में भारत ने रजत पदक जीता। भारतीय महिला टीम की खिलाड़ियों ईशा सिंह, पलक और दिव्या ने कमाल कर दिया। ईशा सिंह, पलक और दिव्या की टीम 1731-50 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।

प्रधानमंत्री ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निशानेबाजों को पदक जीतने पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, एशियाई खेलों में शूटिंग में एक और पदक! 10 मीटर एयर पिस्टल महिला टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने पर दिव्या थडिगोल, ईशा सिंह और पलक को बधाई। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं। उनकी सफलता कई उभरते खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी।

गौतम गंभीर पहुंचे तिरूपति मंदिर, टीम इंडिया की जीत के लिए की प्रार्थना

तिरूपति ।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर ने तिरूपति मंदिर पहुंचकर टीम इंडिया को विश्व कप जीतने के लिए प्रार्थना की है। जानकारी के अनुसार गंभीर आंध्र प्रदेश के तिरुमाला में भगवान बालाजी मंदिर में पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा की और उम्मीद जताई कि 140 करोड़ भारतीयों की प्रार्थनाओं से मेन इन ब्लू उभरेगा। आगामी आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 में विजयी टीम के रूप में भारत का झंडा लहराएगा। गौतम गंभीर अपने परिवार के साथ तिरुमाला पहुंचे और मंदिर के अधिकारियों ने उन्हें श्रीवारी प्रसादम दिया। इस दौरान पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि भारत के पास 2023 क्रिकेट विश्व कप में ट्रॉफी घर ले जाने का अच्छा मौका है। उनका यह भी मानना है कि 140 करोड़ भारतीयों की प्रार्थनाओं से मेन इन ब्लू विश्व कप जीतेगा। गंभीर ने कहा कि हम सभी भारत को शुभकामनाएं देते हैं। मुझे यकीन है कि 140 करोड़ भारतीय टीम के लिए प्रार्थना कर रहे हैं, वे निश्चित रूप से बहुत अच्छा काम करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत के पास विश्व कप जीतने का यह बहुत अच्छा मौका है। 41 वर्षीय गंभीर वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर हैं। बता दें कि भारत अपने वनडे विश्व कप अभियान की शुरुआत 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा। 15 सदस्यीय टीम का नेतृत्व रोहित शर्मा करेंगे और हार्दिक पंड्या उनके डिप्टी की भूमिका निभाएंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच बड़ा मुकाबला 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में होना है। भारत की विश्व कप के लिए टीम में रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उप-कप्तान), शुबमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, रविचंद्रन अश्विन इशान किशन, सूर्यकुमार यादव शामिल हैं।

भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने मंगोलिया को हराया, मुक्केबाजी में जैस्मिन-निशांत क्वार्टर फाइनल में

हांगझोऊ ।

भारतीय महिला बैंडमिंटन टीम ने यहां मंगोलिया को एकतरफा मुकाबले में 3-0 से हराकर एशियाई खेलों की महिला टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने पहले एकल में मयागमार्तसेरेन गनबातर को 21-3 21-3 से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। दूसरे एकल में अश्मिता चालिहा ने भी एकतरफा मुकाबले में खेरलेन दरखानबातर को 21-2 21-3 से शिकस्त दी। अनुपमा उपाध्याय ने भी तीसरे एकल में बेहद आसानी से खुलानगू बातर को 21-0 21-2 से हराकर भारत की जीत सुनिश्चित की।

क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड से होगा सामना

भारत क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड से भिड़ेगा। थाईलैंड की टीम में पूर्व विश्व चैंपियन रतचानोक इंतानोन, दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग और दुनिया की 17वें नंबर की खिलाड़ी सुपानिदा केटथोंग हैं जिससे क्वार्टर फाइनल में भारत की राह आसान नहीं होगी।

मुक्केबाजी: जैस्मिन ने एकतरफा अंदाज में जीता मैच

राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मिन लंबोरिया ने एशियाई खेलों की मुक्केबाजी प्रतियोगिता के महिला 60 किग्रा वर्ग में सऊदी अरब की हदील गजवान अशोर को हरा दिया। जैस्मिन ने अंतिम-8 में प्रवेश कर लिया।

इसके अलावा विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता पुरुष मुक्केबाज निशांत देव ने वियतनाम के भुई पुओक टंग को प्री क्वार्टर में दो मिनट से कम समय में परास्त कर लिया। हालांकि 51 भारवर्ग में विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता दीपक भोरिया को जापान के तोमोयो से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

भारत ने 2018 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता जापान को 4-2 से हराया, अब पाकिस्तान से सामना

हांगझोऊ ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पूल ए के महत्वपूर्ण मुकाबले में 2018 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता जापान को 4-2 से हराकर न सिर्फ लगातार तीसरी जीत दर्ज की बल्कि सेमीफाइनल की ओर अपना बड़ा कदम बढ़ा दिया है। भारत के लिए दो गोल अभिषेक (13, 48 मिनट) में किए, जबकि एक-एक गोल मनदीप सिंह (24), अमित रोहिदास (34) ने किया। जापान ने अंतिम क्षणों में दो गोल कर अंतर 2-4 किया। ये गोल गेंकी मितानी (57) और रायोसी कातो (60) ने किए।

भारत अपना अगला मुकाबला शनिवार को पाकिस्तान के साथ खेलेगा, जिसने उज्बेकिस्तान को 18-2 के बड़े अंतर से हराया। विश्व नंबर तीन भारतीय टीम ने मैच में दबदबा बनाकर रखा। उसे पांचवें मिनट में पहला पेनाल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत इसे गोल में नहीं बदल पाए। भारत के खिलाफ 12वें मिनट में इन खेलों का पहला पेनाल्टी कॉर्नर आया, लेकिन गोली कृष्ण बहादुर ने यामादा के प्रयास को विफल कर दिया। भारत ने पहले तीनों क्वार्टर में गोल किए, लेकिन चौथा क्वार्टर जापान के नाम रहा।

पहले क्वार्टर में 13वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर अभिषेक ने रिवर्स स्टिक से पहला गोल दागा। दूसरे क्वार्टर में 24वें मिनट में भारत ने दूसरा गोल दागा। मनदीप ने निलकांता के फ्लिक पास को सर्किल के बाहर से गोल में तब्दील किया। हाफटाइम तक भारत 2-0 से आगे था। तीसरे क्वार्टर में 34वें मिनट में भारतीय टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला। हार्दिक के लॉन्ग पास पर अमित रोहिदास ने ड्रैग फ्लिक पर शानदार गोल किया। इसके बाद चौथे क्वार्टर में 48वें मिनट में अभिषेक ने मैच का अपना दूसरा गोल किया। हालांकि, आखिरी कुछ मिनटों में जापान ने वापसी की कोशिश की और दो गोल दागे लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

इस मैच से पहले पिछली बार दोनों टीमें चेन्नई में खेले गए एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 के सेमीफाइनल में आमने-सामने आई थीं, जहां भारत ने जापान को 5-0 से हराया था। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 19वें एशियाई खेलों में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है और अपने पहले दो गेम बड़े अंतर से जीते थे। भारत ने पिछले हफ्ते अपने शुरुआती पूल ए मुकाबले में उज्बेकिस्तान को 16-0 से हराया और मंगलवार को हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम ने सिंगापुर को 16-1 से हराकर लगातार दूसरी जीत हासिल की। अब जापान को हराकर जीत की हैट्रिक लगाई।

जापान का भी भारत के खिलाफ मैच से पहले तक प्रदर्शन अच्छा रहा था। उसने अपने पहले पूल ए मैच में बांग्लादेश को 7-2 से हराया था और उसके बाद अपने दूसरे गेम में उज्बेकिस्तान पर 10-1 से जीत दर्ज की। भारत और जापान की टीमें अब तक 36 बार भिड़ चुकी हैं, जिसमें भारत ने 29 बार जीत हासिल की है, जापान ने तीन बार जीत हासिल की है और चार मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं।

लाखों में है विश्व कप 2023 में इस्तेमाल होने वाले एलईडी स्टंप्स की कीमत

मुम्बई ।

विश्वकप से ठीक पहले क्रिकेट का खुमार प्रशंसकों पर छाने लगा है। ऐसे में प्रशंसक क्रिकेट से जुड़ी छोटी से छोटी जानकारी एकत्र करने लगे हैं। इसके तहत दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों के शेड्यूल, स्टेडियम्स, टिकट खरीदने के तरीकों से लेकर हर बारीक चीज की जानकारी हासिल करना उनका लक्ष्य रहता है।

इसमें टिकटों की कीमत से लेकर खिलाड़ियों के बल्ले की कीमत और उनकी मैच फीस तक सबकुछ शामि है। ऐसे में अगर आपको विश्व कप 2023 में इस्तेमाल होने वाले एलईडी स्टंप्स की कीमत पता चले तो आज हैरान हुए बिना नहीं रहेंगे। इनकी कीमत लाखों में है और ये टीम इंडिया की मैच फीस से भी ज्यादा है।

एलईडी लाइट्स और माइक्रोफोन वाले स्टंप्स की भारी कीमत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इनके दोनों सेट पूरी टीम इंडिया को वर्ल्ड कप 2023 में मिलने वाली मैच फीस से भी ज्यादा है। खिलाड़ियों को एक एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच की फीस के तौर पर 6 लाख रुपये मिलते हैं। टीम के 15 खिलाड़ियों को एक मैच की फीस के तौर पर कुल 78 लाख रुपये मिलते हैं जबकि एलईडी लाइट और माइक्रोफोन वाले एक स्टंप की कीमत 13 लाख रुपये से भी ज्यादा होती है।

विश्व कप 2023 में इस्तेमाल होने वाले एलईडी स्टंप्स के एक सेट की कीमत 50 हजार डॉलर यानी 41 लाख रुपये से भी ज्यादा तक हो सकती है। हालांकि, कैमरा और जिंग बेल्स के साथ एलईडी स्टंप्स के एक सेट की कीमत ब्रांड, डिजाइन और दूसरे कई आधारों पर अलग-अलग होती है। कैमरा और जिंग बेल्स के साथ इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के एलईडी स्टंप्स के एक सेट की कीमत 50 हजार डॉलर तक होती है। आजकल इस्तेमाल होने वाले स्टंप्स में एलईडी स्टंप्स, कैमरा और जिंग बेल्स का सेट रहता है. हालांकि, कुछ कंपनियां एलईडी स्टंप्स के एक सेट के लिए 20 हजार डॉलर यानी 16 लाख रुपये तक लेती हैं। विश्व कप 2023 में इस्तेमाल होने वाले एलईडी स्टंप्स के एक सेट की कीमत अगर 41 लाख रुपये होगी तो दोनों सेट की कीमत 82 लाख रुपये होती है। एलईडी लाइट, माइक्रोफोन वाले स्टंप और लाइट वाली गिल्लियों को ऑस्ट्रेलिया के ब्रॉन्टे एकरमैन ने बनाया था. उन्होंने अपने कारोबारी साझेदार डेविड लेगिटवुड के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर इन्हें बनाना शुरू कर दिया। इसके साथ ही दोनों ने मिलकर जिंग इंटरनेशनल का गठन किया। दोनों ने साल 2013 में बिग बैश लीग के समय क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को अपना एलईडी लाइट वाले स्टंप्स का आइडिया बेच दिया। फिर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी ने प्रयोग के तौर पर 2013 में बांग्लादेश में टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान इन स्टंप और बेल्स का इस्तेमाल किया। क्रिकेट में एलईडी लाइट और माइक्रोफोन के अलावा कैमरे का इस्तेमाल होता है। स्टंप्स में कैमरे का इस्तेमाल 2008 में शुरू किया गया था। शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया की ही एक कंपनी ने इसका आइडिया दुनिया को दिया था। जोहानिसबर्ग में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच 2008 में खेले गए वनडे में पहली बार पेशेवर तौर पर स्टंप कैमरे का इस्तेमाल हुआ था। इसके बाद स्टंप्स की तकनीक में लगातार सुधार होता गया. तकनीकी विकास के चलते स्टंप में माइक के साथ जिंग बेल्स भी जुड़ गईं।

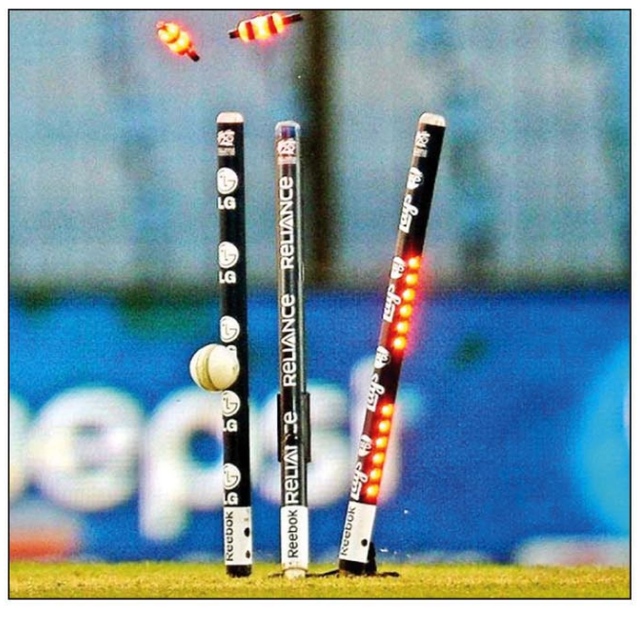

बढ़ती उम्र से संबंधित बीमारियों को दूर भगाता है

मेडिटेशन

कहते हैं कि समय का पहिया किसी के लिए नहीं रूकता। समय के साथ जैसे-जैसे उम्र बढ़ने लगती हैं, मनुष्य को बहुत सी परेशानियों से गुजरना पड़ता है। खासतौर से, वर्तमान युग की जीवनशैली को देखते हुए कम उम्र में ही ढेरों बीमारियां भी मनुष्य के शरीर को अपना घर बना लेती हैं। इन सब परेशानियों से निजात पाने के लिए आपको महंगे व दर्दनाक ट्रीटमेंट करवाने पड़ते हैं। लेकिन यदि आप मेडिटेशन का सहारा लें तो आपको बिना किसी दर्द के अपने सभी मर्ज का इलाज मिल जाएगा। मेडिटेशन आपके सिर्फ तन को ही नहीं, बल्कि मन को चुस्त-दुरूस्त बनाकर आपको हर तरह से फिट बनाता है। इसे कहते हैं हींग लगे न फिटकरी और रंग भी चोखा।

फायदों की खान

मेडिटेशन एक ऐसी दवा की तरह काम करता है, जिसके जरिए बाहरी व भीतरी हर तरह के मर्ज का इलाज किया जा सकता है। इसके फायदों की तो कोई गिनती ही नहीं है। इससे आपकी एकाग्रता बढ़ती है। साथ ही इससे दिमाग भी तेज और एक्टिव होता है। यह आपके एजिंग के साइन्स को कम करके आपको लंबे समय तक जवां बनाता है। इतना ही नहीं, आपकी इम्युनिटी को बढ़ाकर हर प्रकार की बीमारी से लड़ने में मदद करता है। अगर आपको बहुत अधिक गुस्सा आता है तो मेडिटेशन आपके गुस्से पर भी लगाम लगाता है। अगर आप हर रोज मेडिटेशन करते हैं तो आपको नींद भी अच्छी आती है। जिससे आपका पूरा दिन खुशहाल बीतता है।

न तोड़ें रूटीन

अगर आप वास्तव में चाहते हैं कि आपको मेडिटेशन का फायदा मिले तो इसके लिए आपको मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या में शामिल करना होगा। आप चाहे कितने भी व्यस्त क्यों न हो, लेकिन खुद के लिए पांच मिनट निकालना तो आपके लिए असंभव नहीं होगा। मेडिटेशन रोजाना करना बेहद आवश्यक है। कभी-कभार करने से कोई फायदा नहीं होने वाला।

यूं करें मेडिटेशन

मेडिटेशन करने के लिए आपको सबसे पहले रिलैक्स होना सीखना होगा। इसके लिए आप आराम से लेट जाएं और आंखें बंद कर लें। फिर गहरी सांस लें। इसके पश्चात् अपने सीधे पैर पर सारा ध्यान ले जाएं। पंजे को आगे और पीछे की ओर खींचें। एक बार खींचने पर दो बार गहरी सांस लें और छोड़ें। इतनी देर तक पंजे को उसी पॉजिशन में रखें। इसके बाद पैर के तनाव को रिलीज कर दें। फिर गहरी सांस लें और उल्टे पैर के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएं। पूरी बॉडी को रिलैक्स करने के लिए आप शरीर के हर भाग मसलन, टखना, घुटना, कोहनी, हथेली आदि के साथ भी यही प्रक्रिया करें। धीरे-धीरे आप पूरी बॉडी को रिलैक्स करना सीख जाएंगे। इस प्रक्रिया को करने के लिए आपको सिर्फ पांच मिनट लगेंगे। आप चाहें तो रिलैक्स होने के लिए मेडिटेशन के दौरान कोई सॉफ्ट म्यूजिक भी लगा सकते हैं।

चुटकी में होगा वेट लॉस

अगर अपनाएंगे ये टिप्स..

वेट लॉस करना आज की जरूरत बन गया है. जहां एक और फिटनेस के लिए यह बहुत जरूरी है कि आप फिट रहें वहीं मोटापा आपको कई बीमारियों की गिफ्त में भी ले लेता है. लेकिन वजन बढ़ाना जितना आसान है उसे कम करना उतना ही मुश्किल. आपने कई लोगों के मुंह से सुना भी होगा कि तमाम कोशिशें करने के बावजूद उनका वजन कम नहीं होता. ऐसे में अगर आप अपनी बिजी शैडयूल से थोड़ा-सा समय निकालकर इन छोटे-छोटे टिप्स को ट्राई करते हैं तो आप अपने वजन को कंट्रोल कर सकते हैं.

अगर आप अपना वज़न घटाना चाहते हैं तो अपनी डाइट में से पोषक तत्वों को न हटाएं. अपने आहार में चैरी, रसीले अंगूर या हरे मटर शामिल करें. कभी भी ब्रेकफास्ट करना न भूलें. ब्रेकफास्ट में अपने पसंदीदा फलों को शामिल करें.

वज़न घटाने के लिए हैवी डाइट की बाजए लाइट डाइट लें. अंकुरित चीज़ें खूब खाएं. दिन के खाने में दाल ज़रूर लें. इससे आपके शरीर में प्रोटीन की मात्रा की कमी नहीं होगी और वज़न भी घटने लगेगा.

वज़न घटाने में तली हुई चीज़ें जैसे- आलू के चिप्स, कुकीज सबसे ज़्यादा बाधक होती हैं. इनका इस्तेमाल कम से कम करें. फास्ट फूड जैसे- बर्गर, पिज़्ज़ा की बजाए सलाद, फ्रूट जैसी चीज़ों को अपनी डाइट में शामिल करें.

वज़न घटाने के लिए संतुलित आहार के साथ एक्सरसाइज करना भी बहुत जरूरी है. अगर आपको स्विमिंग पंसद है तो वज़न घटाने के लिए इससे अच्छी एक्सर्साइज़ दूसरी नहीं हो सकती. इसके अलावा मॉर्निंग वॉक, रस्सी कूदने से भी आप वज़न कम कर सकते हैं. इसके अलावा योग की भी मदद ली जा सकती है.

खाने में फाइबर युक्त भोजन लें, जैसे बीन्स, ब्राउन राइस, नट्स आदि. यह आपके शरीर को कोलेस्ट्रोल से बचाता है और उसे आपके शरीर से बाहर निकालता भी है. फाइबरयुक्त भोजन आपके शरीर की एक्स्ट्रा कैलोरी को भी बर्न करता है.

कई लोगों को लगता है कि बार-बार खाने से वज़न बढ़ता है, इसलिए वे एक साथ ही ज्यादा भोजन कर लेते हैं. लेकिन यह सोच गलत है. ऐसे में ज्यादा भूख लगती है और लोग ज्यादा कैलोरी ले लेते हैं. इसलिए दिन में थोड़ी-थोड़ी देर पर कुछ ना कुछ खाते रहना चाहिए.

कुछ लोग हफ्ते में 5-6 दिन संतुलित आहार लेते हैं, पर हफ्ते में एक दिन वे जमकर खाते हैं. उन्हें लगता है कि एक दिन खुलकर खाने से कोई फर्क नहीं पड़ता. लेकिन ये सोच गलत है. इससे एक ही दिन में हफ्ते भर में कम की गई कैलोरी शरीर में लौट आती है. ज्यादातर लोगों को मीठा पंसद होता है. लेकिन ज्यादा मीठा खाना वज़न घटाने वाले लोगों के लिए नुकसानदेह हो सकता है. मीठे के तौर पर गुड़, खजूर, सौंफ या फिर किशमिश खाएं. सौंफ खाना डाइजेस्ट करने में भी मदद करती है. ज्यादातर लोग दिन की शुरूआत कॉफी या चाय से करते हैं, जो कि सेहत के लिए नुकसानदायक होती है. सुबह उठते ही नींबू पानी, नारियल पानी या जूस लेना, वज़न घटाने में काफी फायदेमंद साबित होता है.

वज़न घटाने में पानी काफी मददगार होता है. आप अपने ब्रेकफास्ट में संतरे का जूस ले सकते हैं, लेकिन बाकी पूरे दिन केवल पानी ही लें. डिब्बाबंद जूस और सोडा लेने से भी परहेज़ करें. इनके स्थान पर आप नींबू पानी या फिर नारियल पानी ले सकते हैं.

सपने में दिखाई दें ये चीजें तो समझ जाएं...!

सब लोग सपने देखते हैं। गहरी नींद में हसीन सपने देखना सबको अच्छा लगता है। कुछ लोग तो नींद में देखे गए सपनों का मतलब हकीकत से भी निकालते हैं। वैसे तो कहा जाता है कि जो सारा दिन हमारे दिमाग में चलता हैं या किसी बात और इंसान को लेकर तनाव होता है,वहीं सपनों में आता है। दूसरी तरफ अगर मान्यताओं की मानें तो सपने आने वाली घटनाओं की ओर संकेत करते हैं। इन्हीं मान्यताओं के अनुसार कुछ ऐसे सपनों की बात करते हैं,जिससे यह माना जाता है कि आपके घर में जल्दी ही नन्हें मेहमान की किलकारियां गूंजने वाली हैं।

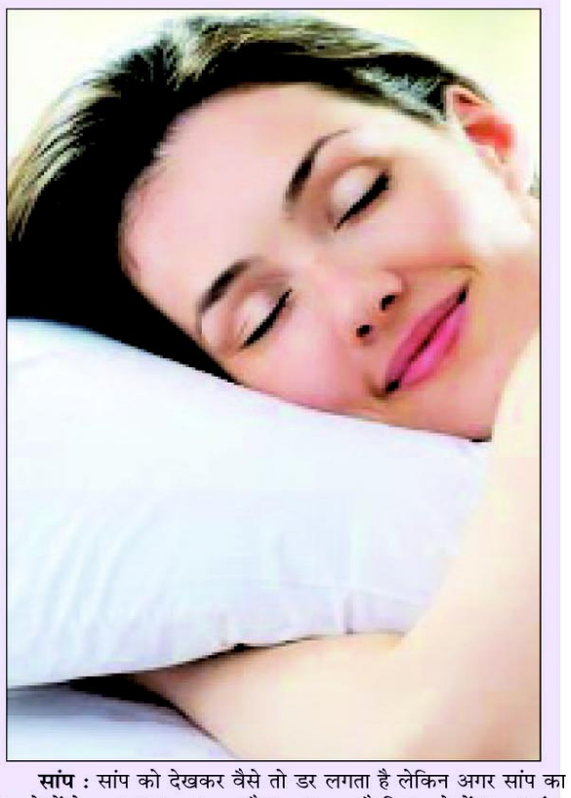

सांप : सांप को देखकर वैसे तो डर लगता है लेकिन अगर सांप का सपने में देखना शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि सपने में अगर सांप दिखे तो आपके घर नन्हा मेहमान आने वाला है।

आईना : सपने में आईना देखें तो इसका मतलब भी संतान सुख से लगाया जाता है। अगली बार आप भी अगर सपने में आईना देखें तो खुश हो जाएं। मान्यताओं के अनुसार आप मां बनने वाली हैं।

आम : कहा जाता है कि सपने में फल देखने का संकेत आपकी गोद भरने वाली है। आम के पेड या आम देखने का मतलब आपकी जिंदगी में बड़ी खुशी आने वाली है।

इमली : सपने में इमली देखना शुभ माना जाता है। यह भी मां बनने की ओर संकेत करती है। इस तरह का सपना देखने पर कहा जाता है कि गोद भरने वाली है।

लाल फूल : फूलों का देखना या किसी का आपको फूल देना बहुत अच्छा माना जाता है। कहा जाता है कि अब परिवार बढ़ने वाला है।

नाखून : बढ़े हुए नाखून सपने में दिखें तो माना जाता है कि नि:संतान दंपत्ति को संतान सुख मिलने वाला है।

हरे-भरे खेत : सपने में हरियाली देखना बहुत शुभ माना जाता है। कहते हैं कि यह कारोबार और संतान बढ़ौतरी के लिए अच्छा संकेत हैं।

इस बारे में हम तो नहीं जानते कि यह सपने संतान सुख देते हैं या नहीं लेकिन मान्यताओं के अनुसार इन्हें शुभ माना जाता है।

सेहतमंद रहना चाहते है तो उपयोग करें कपूर और सरसों का तेल

सरसों के तेल के प्रयोग के बारे में आयुर्वेद में भी देखा जा सकता है। शायद ही कोई ऐसा घर होगा यहां इस तेल का प्रयोग नहीं होता हो।सरसों के तेल का इस्तेमाल हम अपनी रसोई में करते हैं,इससे न सिर्फ हमारी सब्जी अच्छी बनती है बल्कि यह हमारी सेहत के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता हैं। इसलिए हम इसका उपयोग खाने के साथ-साथ दवा के रूप में भी कर सकते हैं। इसमें कई सारे ऐसे पोषक तत्व हैं जो हमारे बालों से लेकर हमारे शरीर के सारी त्वचा को फायदा पहुंचाते हैं।यह एक बहुत अच्छा पेनकिलर भी कहा जा सकता है।जिससे गठिया व कान का दर्द तक ठीक हो जाता है।अगर इसे कपूर के साथ मिलाकर उपयोग में लाया जाए तो इसके फायदे दुगुने हो जाते है।

आज हम आपको कपूर और सरसो के तेल के फायदे बताते है.....

1.जो लोग गठिये से परेशान होते हैं उन्हें सरसों के तेल में कपूर मिलाकर मालिश करने से काफी आराम मिलता है।

2. सरसों के तेल की कुछ बूंदे,थोडा बेसन और हल्दी मिक्स करके अपने चेहरे पर लगाएं, थोरी देर बाद अपना चेहरा सा? पानी से धो लें,इससे चेहरा साफ होकर निखर जाता है।

3.सरसों के तेल का लगातार सेवन करने से हमें दिल की बिमारी का सामना नहीं करना पड़ता।

4.सर्दियों के दिनों में सरसों के तेल में थोड़ी हींग, अजवाइन और लहसुन की कलियाँ डालकर उसे गर्म करें, फिर उसे कमर दर्द वाली जगह पर मसाज करें। ऐसा करने से आप का कमर दर्द ठीक हो जाएगा।

5.नवजात शिशु की सरसों के तेल से मालिश करनी चाहिए। इससे उसे ठंड नहीं लगती।

6.सरसों का तेल त्वचा के रोगों के लिए तो जैसे वरदान है।इससे दाद- खाज,खुजली जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता। आक के पत्तों का रस, हल्दी और सरसों के तेल मिलाकर गर्म करके गुनगुना रहने पर दाद-खाज वाली जगह पर लगाने से वो बिल्कुल ठीक हो जाती है।

7. सरसो के तेल की बालों में मालिश करने से बाल लंबे होने के साथ साथ झड़ने भी बंद हो जाते है।

8.रात को सोने से पहले पैरों के तलवों पर तेल की मालिश करने से आँखों की कमजोरी दूर होती है।

9.सरसों के तेल में कपूर को डालकर अच्छे से गर्म करें फिर उसकी मालिश पीठ और सीने पर करने से अस्थमा ठीक होता है।

10. दांतों में दर्द होने पर सरसों के तेल में थोड़ा नमक डालकर लगाने से आप को दर्द से राहत मिलती है।

वादी ही नहीं अवंतिपुर के मंदिरों के खंडहर भी देखें

कश्मीर में

कश्मीर वादी सिर्फ अपनी खूबसूरती या डल झील के लिए ही जानी जाती है, ऐसा सोचना गलत है क्योंकि खूबसूरती के अतिरिक्त 'धरती के स्वर्ग' पर सैंक?ों ऐसी वस्तुएं हैं जो अपना एक अलग ही आकर्षण रखती हैं और जिनको देखने के लिए विश्व भर से लोग आते रहते हैं। इन वस्तुओं में युगों पुराने स्मारक तथा कई अन्य महलों व मंदिरों के खंडहर भी शामिल हैं जिनका आकर्षण आज भी उतना ही है जितना पहले कभी था।

जम्मू कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर से करीब 29 किमी की दूरी पर जब राष्ट्रीय राजमार्ग पर चलते हैं अनंतनाग जिले की ओर तो अवंतिपुर गांव आता है। पहले कभी अवंतिपुरा के नाम से जाना जाता था यह कस्बा जो आज अवंतिपुर कहलाता है और दरिया जेहलम के किनारे बसा हुआ है। अगर इतिहास के झरोखे में झांकें तो मालूम पड़ता है कि अवंतिपुर की स्थापना महाराजा अवंतिवर्मा ने की थी जिन्होंने सन् 854 से लेकर 883 तक राज किया था कश्मीर पर। अवंतिपुर वैसे भी कश्मीर की प्राचीन राजधानियों में से एक गिनी जाती है लेकिन यह सबसे प्रसिद्ध राजधानी मानी जाती रही है।

इस कस्बे के दो मुख्य आकर्षण, जो आज भी माने जाते हैं, बड़े-बड़े मंदिरों के खंडहर हैं जिन्हें कभी इनके संस्थापक ने सुशोभित किया था। अनंतनाग की ओर बढ़ते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाएं हाथ पर जो प्रथम खंडहर दिखते हैं वे शिवा-अवंतिस्वर के मंदिर के खंडहर हैं। इस मंदिर की बड़ी-बड़ी दीवारें अवंतिपुर से तीन मील दूर जुरबरोर गांव के बाहर हैं जो बिना आधार के रखी गई हैं तथा अति महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ विशालकाय भी हैं। यह मंदिर जो आज अंग-भंग हो चुका है एक विशाल बरामदे में स्थित था जिसके चारों ओर बड़े-बड़े पत्थरों से दीवार बनाई गई थी और पश्चिमी द्वार की ओर बांसुरी की तरह खम्बे तो थे लेकिन उनमें पीछे की ओर से कोई आला नहीं था।

भीतर प्रवेश का रास्ता इसी दीवार के बीच था जिसे एक अन्य दीवार दो भागों में विभक्त करती है। इसकी दीवारों पर किसी प्रकार की कोई कलाकृतियां नहीं उकेरी गई हैं। इसके आले तथा चौखटें पूरी तरह से सादे हैं जिन पर कोई कलाकृति नजर नहीं आती।

बरामदे के केंद्र में यह मंदिर स्थित है और जिस चबूतरे पर इस मंदिर की आधारशिला रख कर इसका निर्माण किया गया है वह करीब दस फुट ऊंचा है तथा 58 वर्ग फुट व्यास का है। इस चबूतरे के प्रत्येक कोने में 16 वर्ग फुट के अलग अलग चबूतरे जु? हुए हैं जो अपने आप में अलग अलग मंदिर, छोटे-छोटे रूप में, के खंडहर हैं। प्रत्येक तरफ से चबूतरे के ऊपर च?ने का रास्ता है और ऊपर च?ने के लिए सी?ियों का निर्माण किया गया है। ठीक उसी तरह जिस तरह पंडरेथन के मंदिर हैं।

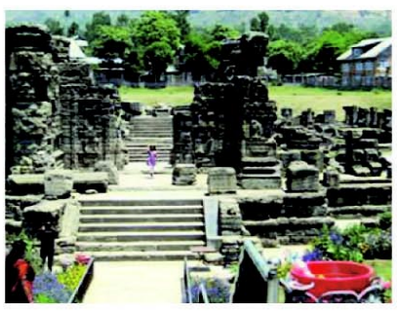

यह सीढ़ियां कोई छोटी-मोटी सीढ़ियां नहीं हैं बल्कि प्रत्येक सीढ़ी की चौड़ाई जहां साढ़े अठाईस फुट के करीब है वहीं इनको बाहरी दीवारों से सहारा दिया गया है। हालांकि अब तो यह मात्र खंडहर रह गया है लेकिन पत्थरों को देख कर यह कहना कठिन होता है कि कभी यहां मंदिर रहा होगा।

इस मंदिर के जो चबूतरे हैं वे सिर्फ एक ही स्थान पर यही आभास देते हैं कि वे मंदिर की आधारशिला से जुड़े रहे होंगे जबकि अन्य स्थानों पर इन्हें संयुक्त दीवारों से जोड़ा गया है जो मंदिर के ऊपर से गिर पड़ी होंगी तथा कला का उत्कृष्ट नमूना पेश करती हैं जिन्हें देखने वाला ढंग रह जाता है। दक्षिणी-पूर्वी किनारे पर जो आधारशिला है वहां कला के उत्कृष्ट नमूने के भरपूर दर्शन होते हैं तथा यह नमूने उस काल की कला के बारे में भी जानकारी देते हैं।

मंदिर के आधार पर जो एकमात्र बाहरी शोभा आज बची हुई है वह मंदिर की कला का नमूना तो है ही साथ ही में बड़े आकार के खम्भे के मस्तक भी हैं जो समकोण होने के साथ-साथ पूरी तरह से सादगी लिए हुए हैं। जबकि एक खम्बा ऊपर भी टंगा है आज भी। बरामदे के पिछले दो कोनों में कुल चार मंदिर किस्म के स्थान दिखते हैं जिनमे से दो छोटे तथा दो बड़े हैं।

बरामदे में इसके अतिरिक्त खंडयुक्त मेहराबों का क्रम भी नजर आता है जो छितराए हुए तो हैं ही साथ ही में कला के उत्कृष्ट नमूने भी माने जाते हैं। और इनमें सबसे बढ़िया कारीगरी के नमूनों में एक तो दक्षिणी सीढ़ी के सामने पड़ा एक खम्बा है मेहराब युक्त तो दूसरा फूलों से कारीगरी किया हुआ एक अन्य खम्बा जबकि इसके साथ ही एक अन्य खम्बा रखा गया जिसके आधार पर दो मेज आमने-सामने बैठे हुए हैं और एक युवती डमरू पर नाच दिखा रही है जो दो शेरों की आकृति वाले सिंहासन पर बैठाया गया है। बीचोंबीच हाथी की आकृति भी उकेरी गई है।

हालांकि यह खंडहर आठवीं सदी के हैं लेकिन आज भी यह उतने ही आकर्षित करते हैं आने-जाने वालों को जितना कभी पहले किया करते थे क्योंकि आतंकवाद ने इन पर तो कोई प्रभाव नहीं डाला मगर आने जाने वालों की संख्यां तो कम हुई ही, इनकी देखभाल भी अब नहीं हो पा रही है जिसके कारण किसी-किसी स्थान पर उगी घास-फूस इनका प्रत्यक्ष प्रमाण प्रस्तुत करती है कि आतंकवाद के चलते भू-सर्वेक्षण विभाग इनकी देखभाल कर पाने में अपने आप को सक्षम नहीं पा रहा है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**